

# शिक्षा की प्रगति

१९६६-६६



शिक्षा निदेशालय, उ.प्र., इलाहाबाद

**उत्तर प्रदेश में शिक्षा की प्रगति**

**भाग 1**

**सामान्य शिक्षा**

**1976-77**

**शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश,  
इलाहाबाद**

## विषय-सूची

अध्याय	पृष्ठ संख्या
1--सामान्य पर्यवेक्षण	1-3
2 --प्राथमिक शिक्षा	4
3 --पूर्व माध्यमिक शिक्षा	5
4- माध्यमिक शिक्षा	6-7
5--प्रध्यापक प्रशिक्षण	8
6 उच्च शिक्षा	9-10
7- विविध	11-19

## अध्याय—1

### सामान्य पर्यवेक्षण

आर्थिक विकास एवं सामाजिक पुनर्गठन के लिये शिक्षा एक सशक्त माध्यम है। स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरान्त पंचवर्षीय योजनाओं के क्रियान्वयन से अरु प्रदेश में शिक्षा का एक व्यापक आधार बन गया है। वर्ष 1976-77 पंचम पंचवर्षीय योजना का तृतीय वर्ष है। इस वर्ष सामान्य शैक्षिक कार्यक्रमों के साथ-साथ छात्रों, अध्यापकों तथा अधिकारियों ने सभी शैक्षिक कार्यक्रमों में विशेष योगदान दिया। शिक्षा संस्थाओं में अनुशासन एवं व्यवस्था का वातावरण रहा। स्कूल, कालेजों एवं विश्व-विद्यालयों में निर्धारित समय सारिणी के अनुसार अध्ययन, अध्यापन एवं परीक्षाएँ हुईं। शिक्षा के प्रशासनिक संगठन में सुधार लाने के लिये कई नये कानून बनाये गये। इस वर्ष शिक्षा में गुणात्मक सुधार के अनेक कार्यक्रम लागू किये गये।

2-- शिक्षा में गुणात्मक सुधार--(अ) प्रारम्भिक स्तर--प्रारम्भिक स्तर पर 22 सेवारत प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से प्राइमरी स्कूल के शिक्षकों के लिये पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। राज्य शिक्षा संस्थान द्वारा 1976-77 में 4040 अग्रशिक्षित अध्यापक/अध्यापिकाओं को पत्राचार द्वारा 10 टी 0 टी 0 प्रशिक्षण दिया गया। 49 राजकीय इण्टर कालेजों में जूनियर हाई स्कूलों के 2671 विज्ञान अध्यापकों को विज्ञान का 30 दिवसीय पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के अग्रशिक्षित अध्यापकों को 10 टी 0 टी 0 टी 0 प्रशिक्षण की सेवारत सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था हेतु सेन्डविच प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसके अर्धन उन्होंने ग्रीष्मावकाश 1976 में 2 माह प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययन किया। 1976-77 के शैक्षिक सत्र में निर्देशानुसार नियमित शिक्षण किया। 2 माह का अध्ययन पुनः 1977 के ग्रीष्मावकाश में वे करेंगे। विज्ञान अध्यापकों को उपलब्ध कराने के लिये प्रत्येक जनपद में एक दीक्षा विद्यालय चलाया जा रहा है।

(ब) माध्यमिक स्तर--इण्टर स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षकों के इन्स्टीट्यूट भौतिकी, रसायन जीव विज्ञान एवं गणित पर (15 दिवसीय प्रश्न बैंक कार्यशाला) जून, 1976 में आयोजित की गई। इसी प्रकार हाई स्कूल के प्रश्न बैंक की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इन कार्य-शालाओं में माडल प्रश्नों के प्रारूप तैयार किये गये। माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा इस आधार पर इन विषयों में आदर्श प्रश्नों के प्रारूप प्रदेश के प्रत्येक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में भेजे गये हैं।

3-- शैक्षिक योजनाएँ--अनेक आर्थिक एवं सामाजिक कारणों से बहुत से बालक एवं बालिकाएँ कक्षा 5 तक की अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते और विद्यालय छोड़ देते हैं। वह कालान्तर में निरक्षर हो जाते हैं। ऐसे बच्चों के लिये प्रत्येक जनपद में अनौपचारिक शिक्षा योजना के अन्तर्गत (अ) 11-14 आयु वर्ग के बालक/बालिकाओं को भाषा ज्ञान, अंक ज्ञान, तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण देने हेतु अंशकालिक कक्षाएँ, (ब) आयु वर्ग 15-25 के लिये किसानों का कृषि सम्बन्धी ज्ञान आधुनिकतम एवं समुन्नत करने के लिये 16 जनपदों में किसान साक्षरता केन्द्र चलाये जा रहे हैं।

4-- अध्यापक कल्याण कार्यक्रम --(अ) प्रारम्भिक स्तर--वैसिक शिक्षा परिषद् के समस्त जूनियर वैसिक और सीनियर वैसिक स्कूलों के अध्यापकों का वेतनमान 1 फरवरी, 1974 से संशोधित कर दिया गया है। 5 वर्ष या उससे अधिक अनुभव रखने वाले अग्रशिक्षित अध्यापकों को अग्रशिक्षित करने हेतु कार्यरत अध्यापक प्रमाण पत्र परीक्षा की व्यवस्था की गई। 5 वर्ष से कम की सेवा वाले अग्रशिक्षित अध्यापकों को पत्राचार प्रणाली द्वारा अग्रशिक्षित करने की सुविधा प्रदान की गई।

(ब) माध्यमिक स्तर, प्रबन्धकों द्वारा अध्यापकों को अनावश्यक परिताड़ना रोकने की दृष्टि से माध्यमिक शिक्षा विधि (संशोधन) अधिनियम, 1975 में यह व्यवस्था की गई है किसी अध्यापक को 60 दिन से अधिक बिना जिला विद्यालय निरीक्षक की अनुमति के निलम्बित नहीं रखा जायेगा ।

(स) डिग्री स्तर:—(1) पहली अप्रैल, 1975 से नई वेतन वितरण प्रणाली के अनुसार सभी सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारियों के वेतन का भुगतान सरकारी एजेंसी के माध्यम से कराया जा रहा है । (2) प्रदेश में सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारियों के लिये 1 मार्च, 1976 से सामूहिक जीवन बीमा योजना लागू की गई है ।

5—छात्रों के लिये विशेष सुविधायें:—(1) जुलाई, 1976 से ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान छात्रों को कक्षा 9 व 10 में आवासीय शिक्षा की सुविधा देने की योजना प्रत्येक मण्डल के एक चुने गये इण्टर कालेज में चलाई गई। ये प्रतिभावान छात्र कक्षा 8 के पश्चात् एकीकृत छात्रवृत्ति परीक्षा के आधार पर प्रत्येक विकास खण्ड से 2 छात्र की दर से चुने जाते हैं ।

(2) सीमा सुरक्षा दल के आश्रितों को निःशुल्क शिक्षा एवं छात्र वेतन की सुविधायें उपलब्ध की गयी हैं ।

(3) ऐसे पुरुष/महिला जिनकी आयु 20 वर्ष या उससे अधिक है, हाई स्कूल परीक्षा में बिना कक्षा 8 पास किये हुए सम्मिलित हो सकते हैं ।

(4) विद्यालयों में पुस्तकीय सहायता एवं छात्र वेतन की संख्या बढ़ा दी गयी है ।

6—अनुसूचित/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को शैक्षिक सुविधायें:—(1)—शैक्षिक संस्थाओं में 6 में 1 प्रवेश स्थान अनुसूचित जाति के बच्चों/अभ्यर्थियों के लिये सुरक्षित रखा जाता है ।

(2) अनुसूचित जाति के ऐसे अभिभावकों, जिनकी प्रतिमास आय 500 रु तक है, के बच्चों को कक्षा 12 तक निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था उपलब्ध की गई है ।

(3) राजकीय एवं अराजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, महाविद्यालयों, प्रशिक्षण संस्थाओं, तथा वैसिक शिक्षा परिषद क छात्रावासों में 18 प्रतिशत स्थान अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के लिये सुरक्षित रखे गये हैं ।

(4) अनुसूचित जाति के छात्रों के छात्र वेतन में 50 प्रतिशत की वृद्धि कर दी गई है और उसके भुगतान के लिये उस धनराशि को छात्रों के नाम में डाकघर में खुले खाते में जमा करने के आदेश दे दिये गये हैं जिससे उन्हें छात्र वेतन मिलने में कोई बाधा न हो ।

(5) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्रों की शिक्षा के लिए आश्रम पद्धति के विद्यालय खोल कर निःशुल्क आवास तथा शिक्षा की व्यवस्था की गई है ।

(6) अनुसूचित जाति/जनजाति के अभ्यर्थियों को शिक्षण तथा गैर शिक्षण पदों पर नियुक्ति के लिये स्थान सुरक्षित हैं ।

(7) वैसिक शिक्षा परिषद में नियुक्ति के लिये अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सुरक्षित पदों को क्रमशः 18 प्रतिशत तथा 20 प्रतिशत से बढ़ा कर 45 प्रतिशत कर दिया गया है ।

7—उर्दू शिक्षा एवं अल्प संख्यक जाति की सुविधायें—(अ) प्राइमरी स्तर पर प्रशिक्षित उर्दू अध्यापकों को उपलब्ध करन क लिए प्रदेश में लखनऊ, आगरा, मेरठ (मवाना) और वाराणसी (सकलडीहा) क राजकीय दीक्षा विद्यालयों में उर्दू की 4 बी0टी0सी0 प्रशिक्षण इकाइयां चल रही

हैं। अन्य अग्रशिक्षित अध्यापकों के समान अग्रशिक्षित उर्दू अध्यापकों को सेवारत की 0 टी 0 सी 0 प्रशिक्षण की सविधा प्रदान की गई है।

(ब) कक्षा 1 से 8 तक की राष्ट्रीयकृत पाठ्य पुस्तकों के उर्दू संस्करण अब बाजार में उपलब्ध हैं। आवश्यकतानुसार उर्दू की पुस्तकों के लेखन कार्य में उर्दू अकादमी की सहायता प्राप्त की जाती है।

(स) मकतबों का अनुदान दुगुना कर दिया गया है।

(द) अशासकीय डिग्री कालेजों में जहाँ उर्दू शिक्षा की व्यवस्था है उर्दू विषय को प्रथम वर्ष से ही अनुदान सूची पर लाया जाता है।

(य) राजकीय संस्थाओं में जहाँ एक भी छात्र उर्दू पढ़ना चाहता है वहाँ उर्दू अध्यापक उपलब्ध करा दिया जाता है।

(ल) अल्प संख्यक संस्थाओं को उनके आवेदन पर उनके संविधान के आधार पर अल्प-संख्यक संस्था घोषित किया जाता है जिससे इनके प्रवन्धाधिकरण अपनी संस्था के कानून के अधीन प्रशासनिक सुविधा प्राप्त कर सकें।

8—प्राच्य एवं दक्षिण भारतीय भाषाओं की सुविधायें—प्राच्य भाषाओं की शिक्षण संस्थाओं में कार्यरत अध्यापकों को नियत वेतन मान देकर संस्कृत एवं अरबी संस्थाओं का स्तर उठाने का प्रयास किया गया है। दक्षिण भारतीय भाषाओं तामिल, तेलगू, कन्नड़ तथा मलयालम के शिक्षण की व्यवस्था चुनी हुई संस्थाओं में उपलब्ध कराई गई है।

9—युवक कल्याण कार्यक्रम:—युवकों के सर्वांगीण विकास हेतु शारीरिक शिक्षा, खेलकूद तथा समाज सेवा के विद्यालय, जिला, मंडल तथा राज्य स्तर पर आयोजित किये गये हैं।

- (1) प्रदेश में कक्षा 6 से 8 तक बालचर(स्काउटिंग) कार्यक्रम अनिवार्य कर दिया गया है।
- (2) कक्षा 8 तक प्राथमिक चिकित्सा एवं जूनियर रेड क्रॉस प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया गया है।
- (3) भारतीय पद्धति के व्यायाम और योगिक आसनों को वैसिक स्कूलों के पाठ्यक्रम का अनिवार्य अंग बना दिया गया है।
- (4) प्रतिभावान खिलाड़ियों को छात्र वेतन देने की योजना चलाई गई है।
- (5) महाविद्यालयों के छात्रों के राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत "रोग और गन्दगी के विरुद्ध अभियान" संबंधी शिविर संचालित किये गये हैं।

10—अन्य कार्य :—

(1) 307 कालेजों, 1782 सहायता प्राप्त तथा 207 राजकीय इंटर कालेजों, 1514 सहायता प्राप्त तथा 187 राजकीय हाई स्कूलों तथा 207 राजकीय एवं 735 वैसिक शिक्षा परिषदीय जूनियर हाई स्कूलों में बुक बैंक की स्थापना की गई है।

(2) विद्यालयों में विगत वर्षा ऋतु में लगभग 27.18 लाख पौधे लगाये गये। 1977 की वर्षा ऋतु में एक छात्र एक पेड़ का अभियान क्रियान्वित किये जाने हेतु संस्थाओं में पौधों की नर्सरी स्थापित की गई है।

(3) निरक्षरता निवारण के लिये प्रत्येक जनपद में 11-14 वय वर्ग हेतु 35 तथा 15-25 वय वर्ग के लिये 25 अनौपचारिक शिक्षा केंद्र वर्ष 1974-75 से संचालित हैं।

(4) भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए रियायती मूल्य के कागज पर निमित्त अभ्यास पुस्तिकाएं तथा कक्षा 1 से 12 तक की सभी पाठ्य पुस्तकों का उचित मूल्यों पर विक्रय सुनिश्चित किया गया है।

## अध्याय—2

### प्राथमिक शिक्षा

#### (1) पूर्व प्राथमिक (शिशु) शिक्षा—

1—इस प्रकार की शिक्षा आयुवर्ग 3-7 वर्ष के बालक/बालिकाओं को दी जाती है। अधिकांश पूर्व प्राथमिक (शिशु) विद्यालय निजी संस्थाओं द्वारा संचालित हैं। इस समय प्रदेश में 122 गैर सरकारी नर्सरी एवं शिशु शिक्षा संस्थायें चल रही हैं। प्रयोगात्मक रूप से प्रशिक्षण संस्थाओं से सम्बद्ध 10 राजकीय शिशु केंद्र भी चलते हैं। सरकार द्वारा कतिपय अशासकीय मान्यता प्राप्त शिशु संस्थाओं को आवर्तक एवं अनावर्तक अनुदान दिया जाता है।

2—वर्ष 1975-76 में मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों को 3,15,772 रु का आवर्तक तथा 10,000 रु का अनावर्तक अनुदान स्वीकृत किया गया तथा वर्ष 1976-77 हेतु 4,32,500 रु का आवर्तक अनुदान तथा 10,000 रु का अनावर्तक अनुदान स्वीकृत किया गया।

#### (2) प्राथमिक (जूनियर बेसिक) शिक्षा—

1—प्रारम्भिक शिक्षा संबंधी भारतीय संविधान के निर्देशक सिद्धांतों की पूर्ति हेतु प्राथमिक शिक्षा के विस्तार को सर्वाधिक महत्व दिया जा रहा है। पांचवीं योजनाकाल में बच्चों के घर से मैदानी क्षेत्र में डेढ़ किलोमीटर तथा पर्वतीय क्षेत्र में एक कि०मी० की परिधि में जूनियर बेसिक स्कूल की सुविधायें उपलब्ध कराने का उद्देश्य रखा गया है :-

2—स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात प्राइमरी (जूनियर बेसिक) शिक्षा में हुई प्रगति की जानकारी निम्नलिखित तालिका से हो सकेगी।

वर्ष	विद्यालय संख्या	छात्र संख्या	अध्यापक संख्या	
1950-51	..	31,979	27,27,123	70,299
1976-77	..	65,331	1,15,54,573	2,36,740

3—केवल पर्वतीय जिलों में वर्ष 1976-77 में ग्रामीण क्षेत्रों में 110 मिश्रित जूनियर बेसिक स्कूल खोले गये।

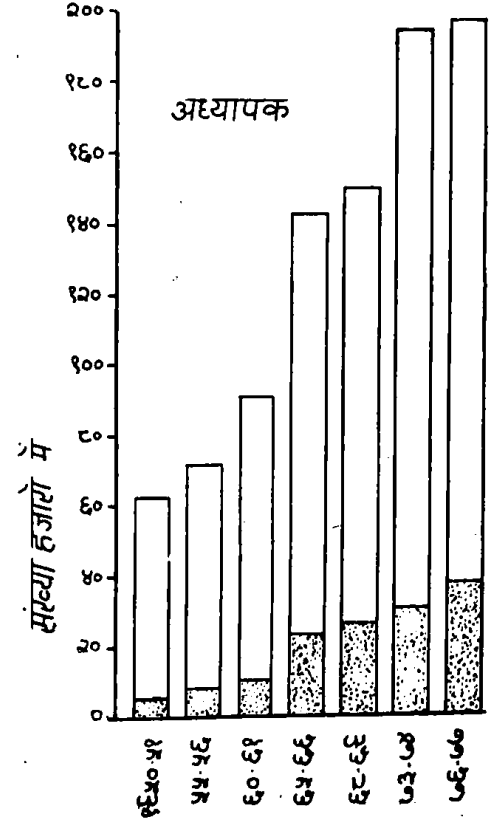
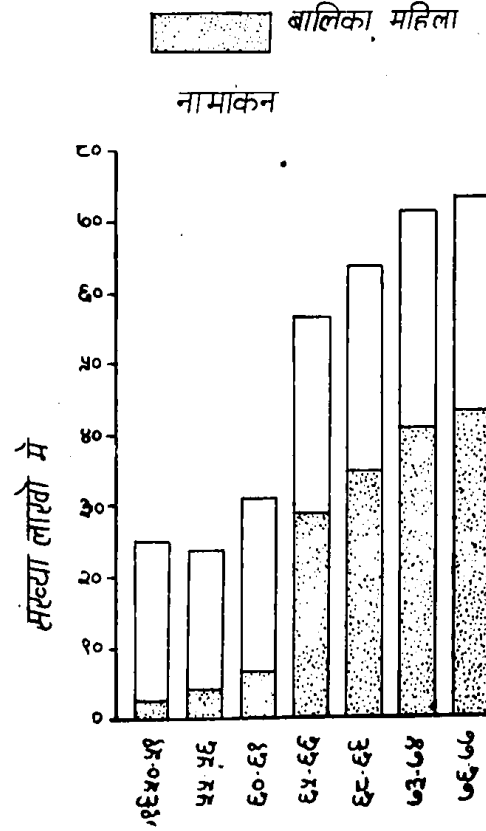
4—1976-77 में ग्रामीण क्षेत्र में 59,831 तथा नगर क्षेत्र में 5,500 जूनियर बेसिक स्कूल चल रहे हैं। प्राइमरी स्तर पर 75,41,744 बालक तथा 43,78,162 बालिकाएं अध्ययन कर रही हैं जो 6-11 वय वर्ग के बालक/बालिकाओं का क्रमशः 120 तथा 78 प्रतिशत है। 1,99,747 अध्यापक तथा 41,127 अध्यापिकाएं इनको पढ़ाने का कार्य करते हैं।

5—प्रारम्भिक शिक्षा का नियंत्रण एवं प्रशासन बेसिक शिक्षा अधिनियम, 1972 के अन्तर्गत गठित एक स्वायत्तशासी संस्था उ० प्र० बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त नये प्रतिष्ठानों तथा प्रदेश के नगर क्षेत्रों में व्यक्तिगत प्रबन्ध द्वारा 3,795 प्राइमरी स्कूल चलाये जाते हैं।

6—बेसिक विद्यालयों के अध्यापक/अध्यापिकाओं को दक्षता पुरस्कार प्रदान करने के योजनान्तर्गत वर्ष 1976-77 में मैदानी क्षेत्र के 180 तथा पर्वतीय क्षेत्र के 20 अध्यापकों को 500 रु प्रति अध्यापक की दर से क्रमशः 90,000 रु तथा 10,000 रु की धनराशि स्वीकृत की गई है।

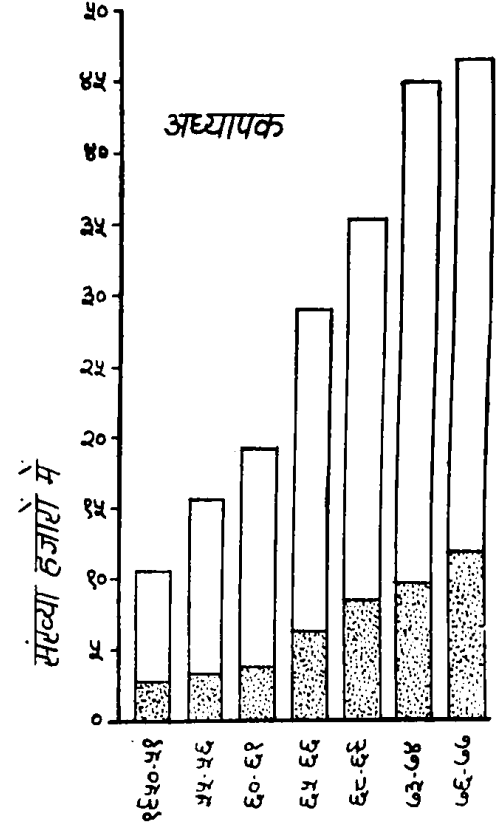
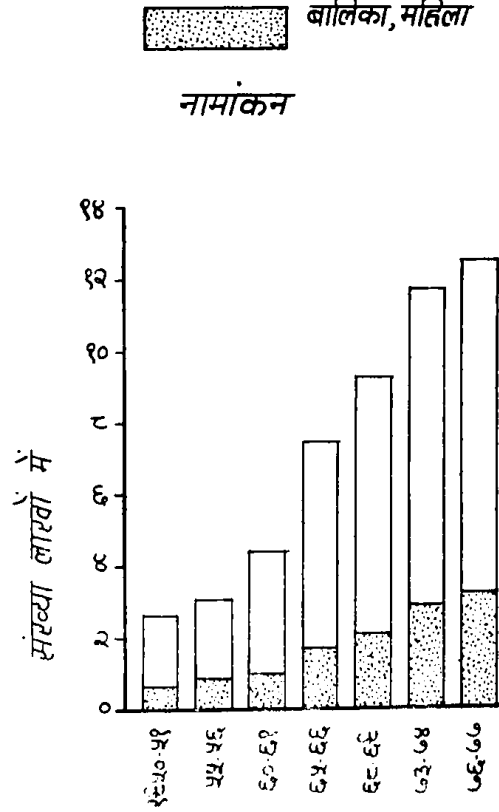
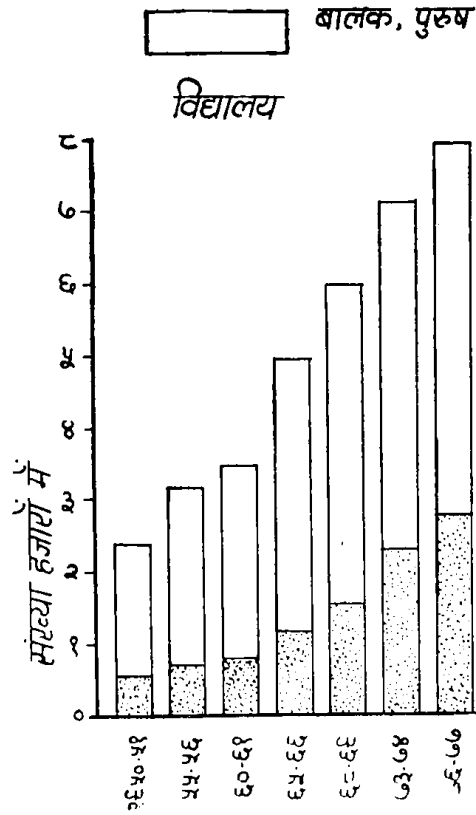
7—कक्षा 8 तक की अधिकांश पाठ्य पुस्तकें राष्ट्रीयकृत हैं।

# जूनियर बेसिक विद्यालय





# मीनियर बेसिक विद्यालय



## अध्याय-3

### पूर्व माध्यमिक (सीनियर बेसिक) शिक्षा

स्वतंत्रता प्राप्त के पश्चात् सीनियर बेसिक स्कूलों में हुई प्रगति का दिग्दर्शन निम्नलिखित तालिका से हो सकेगा :--

वर्ष	विद्यालय संख्या	छात्र संख्या	अध्यापक संख्या
1950-51	2,854	3,48,137	14,505
1976-77	10,346	15,16,296	58,009

2--सार्वभौमिक शिक्षा हेतु बच्चे के निवास से 3 किलोमीटर की परिधि में मिडिल (पूर्व माध्यमिक अथवा सीनियर बेसिक) शिक्षा का लक्ष्य रखा गया है। इस स्तर की शिक्षा के विस्तार हेतु वर्ष 1976-77 में पर्वतीय जिलों में 51 नये सीनियर बेसिक स्कूल तथा 18 क्रमोत्तर कक्षाएँ खोली गयीं।

3--प्रदेश में बेसिक शिक्षा परिषद् के 6,585 तथा व्यक्तिगत प्रबन्ध के 3,761 सीनियर बेसिक स्कूल चल रहे हैं। गैर सरकारी असहायिक जूनियर हाई स्कूलों के अनुरक्षण अनुदान देने की योजनान्तर्गत वर्ष 1975-76 में भूदानी क्षेत्र के 250 अशासकीय सीनियर विद्यालयों को अनुरक्षण अनुदान की सूची पर लाया गया। पर्वतीय क्षेत्र को एंसे 47 विद्यालयों को अनुदान सूची पर लाया गया। 1976-77 में 33 स्कूलों को अनुदान सूची पर लाया गया।

4--सीनियर बेसिक शिक्षा में पुर्नव्यवस्था योजना का समावेश वर्ष 1954 में किया गया था। इसके अन्तर्गत प्रदेश के 2551 जूनियर हाई स्कूलों में कृषि एवं शिल्प विषय को मुख्य शिल्प के रूप में पढ़ाने के लिये शासन द्वारा एक प्रसार अध्यापक तथा कुछ अनावर्तक सहायता दी गई थी। इसके अतिरिक्त चौथी योजना में कार्यानुभव योजना के अन्तर्गत 336 कृषि, शिल्प तथा गृहशिल्प के शिक्षक/शिक्षिकाओं की नियुक्ति की गई थी। इनमें 48 कृषि अध्यापकों के प्रथम बैच का षट्मासिक प्रशिक्षण दिनांक 7 अक्टूबर, 1976 से प्रारम्भ हो चुका है। शेष 71 अध्यापकों को दो बैचों में प्रशिक्षण दिया जायेगा।

उपर्युक्त दोनों योजनाओं में वित्तीय प्राविधान निम्नवत् है :--

	1975-76 का बजट प्राविधान	1976-77 का बजट प्राविधान
पुनर्व्यवस्था योजना	1,39,98,400	1,47,47,800
कार्यानुभव योजना	8,40,800	12,88,100

5- कक्षा 6 से 8 में सभी पुस्तकें राष्ट्रीयकृत हैं।

## अध्याय-4

### माध्यमिक शिक्षा

प्रदेश में 3750 बालक, 727 बालिकाओं के कुल 4477 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चल रहे हैं जिनमें 450 राजकीय तथा 4027 गैर मरकारी संस्थायें हैं ।

2--शामन में माध्यमिक शिक्षा के महायत्नार्थ 3540 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को अनुदान दिया जाता है फिर भी 487 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमहायिक हैं । 1976-77 में 254 संस्थाओं को अनुदान सूची पर लाया गया ।

3--महायत्न प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को पूर्व वर्ष की भांति दक्षता अनुदान देने की योजनांतर्गत वर्ष 1976-77 में भी 102 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को 1,70,000 50 दक्षता अनुदान स्वीकृत किया गया ।

4--वर्ष 1976-77 में मैदानी जिलों में 8 राजकीय हाई स्कूलों की स्थापना की गयी जिसमें 5 बालकों के तथा 3 बालिकाओं के विद्यालय हैं । इसी योजना में पर्वतीय क्षेत्र में 60 राजकीय हाई स्कूल खोले गये जिसमें 49 विद्यालय बालकों के तथा 11 विद्यालय बालिकाओं के हैं । पर्वतीय जिलों में 1976-77 में 10 जूनियर हाई स्कूलों को प्रान्तीयकृत तथा उच्चिकृत किया गया ।

5--वर्ष 1976-77 में मैदानी क्षेत्र में एक बालिका हाई स्कूल को इण्टर स्तर पर उच्चिकृत किया गया । पर्वतीय क्षेत्र में 13 विद्यालयों को इण्टर स्तर पर उच्चिकृत किया गया है, जिसमें 11 बालकों तथा 2 बालिकाओं के विद्यालय हैं ।

6--राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अतिरिक्त अनुभाग का खोलना तथा नये विषयों का समावेश के अन्तर्गत पर्वतीय क्षेत्र में दो विद्यालयों में 3 पद स्वीकृत किये गये तथा मैदानी क्षेत्र में 29 विद्यालयों में 33 पद सृजित किये गये ।

7--राजकीय विद्यालयों में द्विपाली की व्यवस्था के अन्तर्गत मैदानी क्षेत्र में 3 विद्यालय के लक्ष्य के प्रति 2 बालक इण्टर कालेजों में यह योजना लागू की गई तथा 38 पद स्वीकृत किये गये । वर्ष 1976-77 में झांसी तथा गोरखपुर के राजकीय इण्टर कालेजों में द्विपाली योजना प्रारम्भ की गई ।

8--वर्ष 1976-77 में पर्वतीय क्षेत्र में 8 अशामकीय उच्चतर माध्यमिक बालक विद्यालयों का प्रान्तीयकरण किया गया ।

9--राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान अध्ययन के विस्तार हेतु पर्वतीय क्षेत्र में 26 विद्यालयों में यह मुविधा दी गई जिसमें एक बालिका विद्यालय भी है ।

10--जुलाई, 1975 से हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षाओं में हिन्दी की राष्ट्रीयकृत पाठ्य पुस्तकें प्रचलित की गई ।

जुलाई, 1976 से हाई स्कूल की अंग्रेजी विषय की पाठ्य पुस्तकों का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया । माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा निम्नांकित तीन राष्ट्रीयकृत पुस्तकें लागू की गयीं--

1--हाई स्कूल इंगलिश रीडर

2--हाई स्कूल मप्पीमेण्टरी रीडर

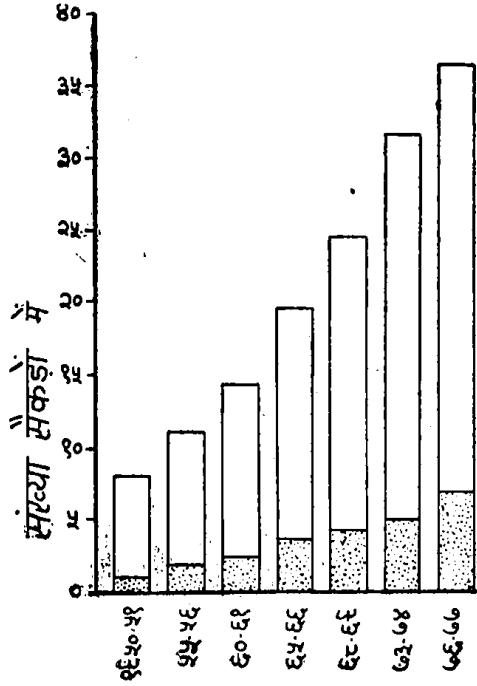
3--हाई स्कूल इंगलिश ग्रामर एवं कम्पोजीशन

# उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

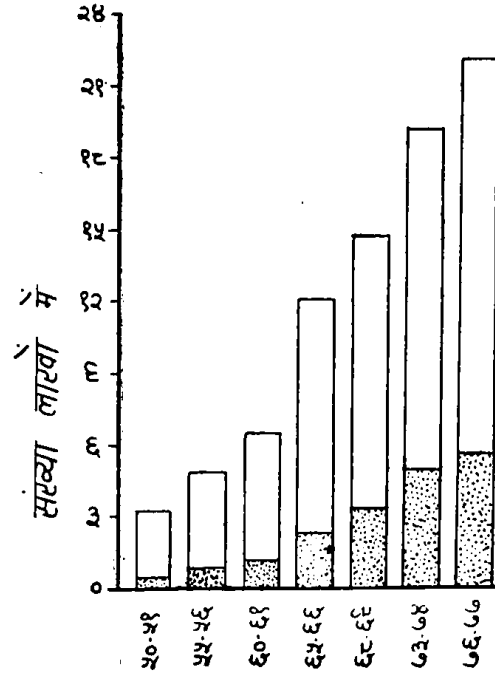
बालक, पुरुष

बालिका, महिला

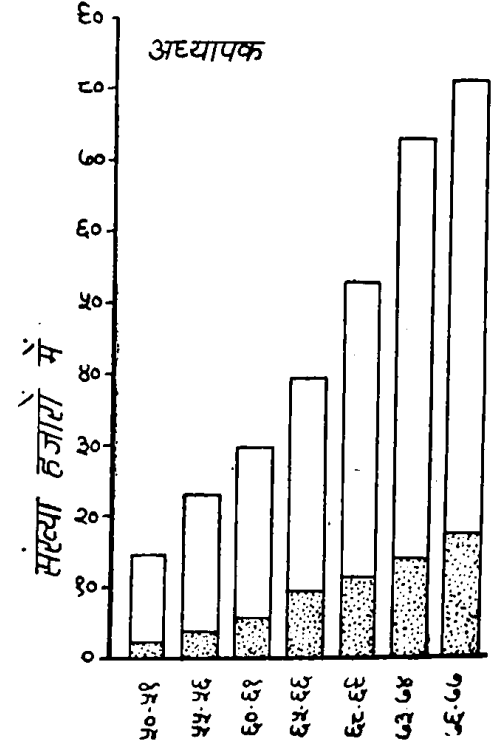
विद्यालय



नामांकन



अध्यापक



11—परीक्षाओं का यत्नीकरण: 1976 की हाई स्कूल परीक्षा में मेरठ जिले के परीक्षा-स्थलों का परीक्षाफल प्रयोगिक आधार पर कम्प्यूटर द्वारा तैयार करवाया गया और अंकचिठों के साथ परीक्षार्थियों को उनके प्रमाण-पत्र परीक्षाफल घोषित होने के शीघ्र बाद मिल गये। इस योजनान्तर्गत परीक्षाफल अधिक शुद्ध, शीघ्र तथा स्वच्छ बना। इस प्रयोग की सफलता होने पर वर्ष 1977 की हाई स्कूल परीक्षा के मेरठ तथा इलाहाबाद मण्डलोंके जनपदों का परीक्षाफल कम्प्यूटर द्वारा तैयार कराय गया।

12—कक्षा 8 के उपरान्त एकीकृत छात्रवृत्ति परीक्षा के आधार पर प्रत्येक जिले में चुने गये उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में आवासीय अध्ययन के लिए छात्रवृत्तिकी योजना चल रही है। इस परीक्षा के आधार पर जुलाई, 1976 से प्रत्येक मण्डल के एक इण्टर कालेज में आवासीय शिक्षा की विशेष व्यवस्था की गई है। इसमें प्रवेश हेतु प्रत्येक विकास खण्ड से 2 सबसे अच्छे छात्रों को वरीयता क्रम में 30 स्थानों के लिये भ्रवसर दिया जाता है। इन छात्रों की शिक्षा दीक्षा के लिये प्रत्येक 6 छात्र पर एक ट्यूटर शिक्षक दिया जाता है। इनका 6 बजे प्रातः से लेकर 10 बजे रात्रि तक का कार्यक्रम क्रियान्वित किया गया है।

13—सुल्तानपुर जिले के आठ उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यानुभव की एक अग्रगामी प्रयोजना चलाई जा रही है जिसमें काष्ठकला, फर्नीचर बनाना, फोटोग्राफी, रेडियो निर्माण तथा मरम्मत सिलाई, चाक बनाना, स्थाही बनाना, कढ़ाई, जेची बनाना एवं दिमासजाई बनाना आदि कार्य सिखाये जाते हैं।

14—वर्ष 1976-77 में उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों/अध्यापिकाओं को 750 रु0 प्रति अध्यापक की दर से 53 अध्यापक अध्यापिकाओं को कुल 39,750 रु0 की धनराशि दक्षता पुरस्कार स्वरूप स्वीकृत की गई है।

15—हाई स्कूल एवं इण्टर परीक्षाओं में प्रथम दस स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को विशेष सुविधा की योजना 1975 की परीक्षा में उत्तीर्ण प्रथम दस स्थान प्राप्त परीक्षार्थियों के सम्मान से प्रारम्भ की गई। इस योजना में 1976-77 में हाई स्कूल तथा इण्टर परीक्षा 1976 में प्रथम दस स्थान प्राप्त क्रमशः 11 तथा 10 परीक्षार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

16—माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद के अन्तर्गत पाठ्यक्रम शोध एवं मूल्यांकन इकाई की स्थापना की गई है। इस इकाई ने मार्च, 1975 से कार्य प्रारम्भ किया। भौतिकी जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं गणित के संशोधित पाठ्यक्रमों में 1976 की हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा के लिये 1975-76 में आदर्श प्रश्न पत्रों को प्रधानाचार्यों के पास अभ्यास हेतु भेजा गया था। इस इकाई ने 1976-77 से विभिन्न विषयों के परीक्षा फल का विश्लेषण कार्य प्रारम्भ किया।

17—प्रदेश के राजकीय तथा अराजकीय मान्यता प्राप्त विभिन्न प्रकार की शिक्षा संस्थाओं में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को शिक्षा के विभिन्न (प्राइमरी से इण्टरमीडिएट) स्तरों पर विभिन्न दरों से भारत सरकार/राज्य सरकार द्वारा कुल 27,633 छात्रवृत्तियां योग्यता के आधार पर स्वीकृत की गई। वर्ष 1975-76 में हाई स्कूल तथा इण्टर योग्यता छात्रवृत्तियों की दरों में वृद्धि के साथ-साथ कक्षा 6-8 तथा 9-12 में कुछ और योग्यता छात्रवृत्तियां स्वीकृत की गई। इसके अतिरिक्त जूनियर हाई स्कूल स्तर तक अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति आदिवासी, पिछड़ी जाति के लिये अलग से 18,520 छात्रवृत्तियां स्वीकृत की गई हैं।

18—वर्ष 1974-75 से राज्य से आठ जनपदों (इटवा, मैनपुरी, आगरा, कानपुर, झांसी, जालीन, ललितपुर तथा बादा) में चम्बलघाटी के असमाजिक व्यक्तियों द्वारा सताये गये परिवारों तथा आत्म समर्पण किये गये असमाजिक लोगों क बच्चों की सुविधा हेतु शैक्षिक सहायता की योजना लागू की गई है। इस योजना के लिये कुल 20,000 रु0 का प्राविधान वर्ष 1976-77 में किया गया है।

## अध्याय-5

### अध्यापक प्रशिक्षण

1-पूर्व प्राथमिक स्तर-शिक्षण संस्थाओं की अध्यापिकाओं को प्रशिक्षित करने के लिये शिक्षण प्रशिक्षक महाविद्यालय (2 राजकीय तथा 3 अराजकीय) चल रहे हैं इनमें 2 वर्षीय सी० टी० (नर्सरी) पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रति वर्ष 150 महिलाओं को प्रशिक्षित करने हेतु प्रवेश स्थान उपलब्ध रहता है।

2-प्राथमिक स्तर-प्राइमरी एवं मिडिल स्तर के अध्यापकों के लिये बी० टी० सी० प्रशिक्षण की पुरुषों की 114 तथा महिलाओं को 44 प्रशिक्षण संस्थायें उपलब्ध हैं। इसकी प्रशिक्षण अवधि जुलाई, 1976 से दो वर्ष की कर दी गई है।

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना काल में राज्य शिक्षा संस्थान, इलाहाबाद में पत्राचारित प्रशिक्षण इकाई की स्थापना की गई, जिसके द्वारा बेसिक शिक्षा परिषद् के विद्यालयों के अप्रशिक्षित अध्यापकों को पत्र व्यवहार प्रणाली द्वारा प्रशिक्षण देने की योजना कार्यान्वित की जा रही है। इस वर्ष 4040 को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

3-सीनियर बेसिक स्तर-इस स्तर पर अध्यापकों/अध्यापिकाओं को प्रशिक्षित करने हेतु वर्ष 1976-77 में प्रशिक्षण संस्थाओं की संख्या निम्नवत् है: . .

	पुरुष	महिला	योग
1-राजकीय जूनियर बेसिक ट्रेनिंग कालेज ..	4	..	4
2-अशासकीय जूनियर बेसिक ट्रेनिंग कालेज ...	1	..	1
3-राजकीय सी० टी० ट्रेनिंग कालेज ..	..	3	3
4-अशासकीय सी० टी० ट्रेनिंग कालेज ..	..	2	2
5-राजकीय गृह विज्ञान सी० टी० कालेज ..	..	1	1
6-राजकीय शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय ..	1	1	2
7-अशासकीय शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय	2	..	2
	8	7	15

जुलाई, 1976 से जे० बी० टी० सी० (पुरुष) तथा सी० टी० (महिला) में प्रवेश बन्द कर दिया गया और जुलाई, 1977 से चार पुरुष राजकीय जूनियर बेसिक ट्रेनिंग कालेज और महिलाओं के तीन राजकीय सी० टी० कालेज सम्भागीय शिक्षा संस्थानों में परिवर्तित कर दिये जायेंगे।

4-माध्यमिक विस्तार-उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों के प्रशिक्षण हेतु प्रदेश में पांच राजकीय तथा सात अशासकीय एल० टी० प्रशिक्षण महाविद्यालय चल रहे हैं। इनमें प्रवेश के लिये योग्यता के आधार पर चयन करने के निर्देश 1976-77 में लिये गये हैं। इसक अतिरिक्त उपाधि महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में भी 63 बी० एड०/बी० टी० कक्षाएँ चलती हैं। इन सब में 9,906 प्रवेश स्थान उपलब्ध हैं।

5-विस्तार सेवा केन्द्र-प्रदेश में विस्तार सेवा योजना 14 राजकीय तथा अशासकीय प्रशिक्षण महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के शिक्षा विभाग में चल रही हैं। इनका आर्थिक भार अब प्रदेश सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है।

## अध्याय-6

### उच्च शिक्षा

1—प्रदेश में इस समय 19 विश्वविद्यालय चल रहे हैं। इन विश्वविद्यालयों में रुड़की (महाराजपुर) स्थित इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय, पल्लनगर (नैनीताल) स्थित कृषि विश्वविद्यालय, वाराणसी स्थित सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय एवं काशी विश्वविद्यालय, फैजाबाद स्थित नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय तथा कानपुर स्थित चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय शामिल हैं। शेष नेहरू विश्वविद्यालय लखनऊ, इलाहाबाद, आगरा, वाराणसी, अलीगढ़, गंगखपुर, कानपुर, मेरठ, नैनीताल, श्रीनगर (पौड़ी गढ़वाल) झांसी, फैजाबाद तथा बरेली में हैं। इसके अतिरिक्त मुम्बई कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, (महाराजपुर) भी है जिसे विश्वविद्यालय जैसी संस्था का स्तर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रदत्त किया जा चुका है।

2—इलाहाबाद स्थित डॉ. ट्यूटोरियल कालेजों सहित इस समय प्रदेश में 366 डिग्री कालेज हैं जिनमें 27 राजकीय डिग्री कालेज सम्मिलित हैं। इन्हीं राजकीय डिग्री कालेजों में से 3 महाविद्यालयों को गढ़वाल तथा 2 महाविद्यालयों को कुमायूँ महाविद्यालय बना दिया गया है।

3—वर्ष 1976-77 में राजकीय उपाधि महाविद्यालय हमीरपुर में स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय में रसायन शास्त्र, प्राणी शास्त्र एवं वनस्पति शास्त्र विषयों की पढ़ाई की व्यवस्था की गई तथा निम्नांकित तीन नये राजकीय डिग्री कालेज खोले गये।

1—राजकीय महाविद्यालय, महमूदाबाद, सीतापुर।

2—राजकीय महाविद्यालय, बीसतपुर, पीथीमीत।

3—राजकीय महिला महाविद्यालय रामपुर।

4—राष्ट्रिय राजकीय महाविद्यालय काशीपुर (नैनीताल) में कला संकाय में स्नातकोत्तर स्तर पर अर्थशास्त्र तथा वाणिज्य संकाय में एम0 काम0 विषयों की पढ़ाई की व्यवस्था की गई।

वर्ष 1974-75 में लम्बगांव (देहरौ गढ़वाल) में खोले गये नये राजकीय महाविद्यालय को इस वर्ष बन्द कर दिया गया है क्योंकि यहां पर छात्रों की संख्या नगण्य रह गई थी।

5—प्यारे लाल नन्द किशोर गलवलिया जनता महाविद्यालय रामनगर (नैनीताल) का वर्ष 1976-77 में प्रान्तीयकरण किया गया।

6—इलाहाबाद स्थित पब्लिक लाइब्रेरी का प्रान्तीयकरण 15 अगस्त, 1975 को कर दिया गया है, इस लाइब्रेरी को राष्ट्रीय स्तर की एक अनुसंधानीय लाइब्रेरी बनाने तथा इसे और सुदृढ़ करने का प्रस्ताव है।

7—इलाहाबाद में एक समाज शास्त्र अनुसंधान केन्द्र की स्थापना हेतु वर्ष 1976-77 में विशेष कार्यधिकारी की नियुक्ति की जा चुकी है।

8—अशासकीय डिग्री कालेजों को विकास अनुदान हेतु वर्ष 1976-77 में मैदानी क्षेत्र के कालेजों को ₹0 7,00,000 तथा पर्वतीय क्षेत्र के कालेजों को 25,000 ₹0 का विकास अनुदान स्वीकृत किया गया। बानकों के अशासकीय स्नातक तथा स्नातकोत्तर कालेजों को बालिकाओं की विशेष सुविधायें हेतु वर्ष 1976-77 में 50,000 ₹0 का अनुदान स्वीकार किया गया।

9 वर्ष 1976-77 में प्रदेश में महाविद्यालयों के अध्यापकों के चयन हेतु प्रदेश में एक महाविद्यालय सेवा आयोग की स्थापना का निर्णय लिया गया है ।

10 - प्रदेश में 307 डिग्री कालेजों (जिसमें 9 अग्रहाथिक तथा सभी राजकीय महाविद्यालय सम्मिलित हैं) में वृक्ष बैंक की स्थापना हो चुकी है एवं इन महाविद्यालयों को 1,57,800 रु अनुदान स्वीकृत किया जा चुका है ।

11 - विश्वविद्यालयों एवं डिग्री कालेजों के प्रतिभावान एवं परिश्रमी छात्रों को प्रोत्साहन देने एवं उनकी शिक्षा में व्यवधान दूर करने के लिये विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं । निर्धन एवं मेधावी छात्रों/छात्राओं को भी आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है । वर्ष 1976-77 में शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर 1562 नवीन छात्रवृत्तियां 4425 छात्रवृत्तियों का नवीनीकरण तथा शिक्षा संहिता के अनुसार आर्थिक सहायता में मिश्रित धनराशि 39,48,100 रु 0 मैदानी तथा 2,50,100 रु 0 पहाड़ी जिलों हेतु स्वीकृत करने का प्राविधान है जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है:

(1) प्रनिरक्षा कर्मचारियों के बालकों को डिग्री स्तर पर 200 छात्रवृत्तियां जिन पर 50,000 रु व्यय है ।

(2) सीमान्त क्षेत्रों, युद्ध ग्रस्त क्षेत्रों में नैनात पी० ए० सी० के जवानों, सशस्त्र पुलिस कर्मचारियों के बच्चों को डिग्री स्तर पर 60 छात्रवृत्तियां जिन पर 7800 रु 0 का व्यय निहित है ।

(3) इंडियन स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज, अंबाहर लाल नेहरू यनिवर्सिटी, नई दिल्ली में शोध कार्य करने वाले 2 छात्रों को 2 छात्रवृत्तियां 4 वर्ष हेतु 300 रु 0 प्रति माह की दर से स्वीकृत करने तथा उस पर 29,000 रु 0 व्यय करने का प्राविधान किया गया ।

(4) स्वतंत्रता रजत जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालयों के छात्रों को 11 छात्रवृत्तियां स्वीकृत करने हेतु 30,000 रु 0 व्यय का प्राविधान किया गया ।

(5) स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों के आश्रितों तथा उनके बालकों को डिग्री स्तर पर छात्रवृत्तियां एवं आर्थिक सहायता स्वीकृत करने हेतु 3,00,000 रु 0 का प्राविधान था ।

(6) सीमा सुरक्षा दल के कामियों के बच्चों एवं आश्रितों को शैक्षिक सुविधा प्रदान करने हेतु 10,000 रु 0 का प्राविधान था ।

स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को अतिरिक्त वसरी छात्रवृत्तियां प्रदान करने की योजना में 87,000 रु 0 का प्राविधान था । गोरखपुर, कानपुर, बुन्देलखंड स्टेल्स तथा अवध विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को वसरी छात्रवृत्ति, पुस्तक क्रय अनुदान तथा परीक्षा शुल्क मुक्ति प्रदान करने हेतु 86,635 रु 0 का अनुदान स्वीकृत किया गया ।

आयोजनागत छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत वर्ष 1976-77 में 1,60,000 रु 0 का प्राविधान था । उपलब्ध धनराशि के आधार पर नियमानुसार विभिन्न स्तरों में छात्रों को छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं ।



## अध्याय-7

### विविध

1--सामाजिक शिक्षा--शिक्षा प्रसार विभाग द्वारा अनुभव जनि तत्वों तथा विशिष्ट व्यक्तियों के माध्यम से साक्षरता के कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण अंचलों में 1,400 राजकीय ग्रामीण पुस्तकालय एवं 3,600 वाचनालय चलाये जा रहे हैं। सामाजिक शिक्षा के लिये चार संचल दल भी कार्य करते हैं। इस विभाग में एक चल चित्र निर्माण अनुभाग है जिसमें चल चित्रों का निर्माण, प्रादेशिक चल चित्रालय तथा श्रव्य-दृश्य प्रशिक्षण केन्द्र सम्मिलित हैं।

प्रदेश में स्वाध्याय की मुविधायें मूलभूत करने की दृष्टि से केन्द्रीय राज्य पुस्तकालय तथा 10 जिला राजकीय पुस्तकालय कार्य कर रहे हैं। पंचम पंचवर्षीय योजना में प्रदेश के उष्णकटि मार्वजनिक पुस्तकालयों को आवर्तक, अनावर्तक तथा भवन अनुदान दिया जा रहा है।

2--अनौपचारिक शिक्षा--सामाजिक एवं आर्थिक कारणों से बहुत से बच्चे अपनी प्राइमरी की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते तथा कालान्तर में निरक्षर हो जाते हैं। ऐसे बच्चों एवं युवकों की शिक्षा हेतु अनौपचारिक शिक्षा के निम्नलिखित कार्यक्रम 1974-75 में प्रारम्भ किये गये हैं।

अ--11-14 वय वर्ग के बच्चों के लिये अंशकालिक कक्षाएँ--इस योजना के अन्तर्गत प्रदेश के जनपदों में 35-35 केन्द्र चलाये जा रहे हैं। एक केन्द्र पर 40 बच्चों को शिक्षित करने का स्थान रखा गया है।

ब--15-25 वय वर्ग के लिये प्रौढ शिक्षा केन्द्रों की स्थापना--इस योजना के अन्तर्गत प्रदेश के जनपदों में 25-25 केन्द्र चल रहे हैं। प्रत्येक केन्द्र पर 40 व्यक्तियों को शिक्षित किया जाता है।

म--केन्द्रीय सरकार की किमान साक्षरता योजना--यह योजना प्रदेश के 16 जनपदों (लखनऊ, आगरा, रायबरेली, गाजीपुर, फैजाबाद, आजमगढ़, महारनपुर, तंजीताल, कातपुर, उदावा, झांसी, बदायूं, वाराणसी, अमोहा, पौड़ी गढ़वाल तथा प्रतापगढ़) में चल रही है। प्रत्येक जनपद में 60 केन्द्र हैं और एक केन्द्र पर 30 व्यक्तियों को शिक्षा देने का लक्ष्य रखा गया है।

3--संस्कृत शिक्षा--स्वतंत्रता के बाद उत्तर प्रदेश में प्राच्य संस्कृत शिक्षा पूर्णतया विक्रामोन्मुख एवं प्रदेश में स्थापित संस्कृत पाठशालाओं की संख्या में आशानीत प्रगति हुई है। वर्ष 1975-76 में स्वीकृत पाठशालाओं, सहायता प्राप्त संस्थाओं तथा छात्रों की संख्या क्रमशः 944, 845 एवं 54,850 रही है। 1976-77 में मैदानी क्षेत्र में 12 तथा पर्वतीय क्षेत्र के 2 संस्कृत पाठशालाओं को अनुदान सूची पर लाया गया। इसके अतिरिक्त वर्ष 1976-77 में 33 संस्कृत पाठशालाओं को 1,10,000 रु० का विकास अनुदान दिया गया था। विक्राम योजना के अन्तर्गत मैदानी तथा पर्वतीय क्षेत्र की अनेक संस्कृत पाठशालाओं को भवन सज्जा एवं पुस्तकालयों के निमित्त 19 संस्कृत पाठशालाओं को 1,10,500 रु० विकास अनुदान प्रदान किया गया। इसके साथ ही अपने आवाम पर ही संस्कृत का अध्यापन करने वाले 8 संस्कृत विद्वानों को 10,000 रु० की प्राविधानित धनराशि के अन्तर्गत आर्थिक सहायता प्रदान की गई। वर्ष 1975-76 में उत्तर प्रदेश वेतन आयोग की मंस्तुतियों के आधार पर प्रदेश के लगभग 5,000 संस्कृत अध्यापकों को नये वेतन मानों का लाभ दिया गया है और शासन द्वारा 43 संस्कृत पाठशालाओं को प्रोन्नत किया गया है। वर्ष 1976-77 में 10 बेंद पंडितों को 15,000 रु० की धनराशि से सम्मानित किया गया है। यह योजना वर्ष 1976-77 में लागू रहेगी।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रदेश के अनेक विद्वानों को आर्थिक सहायता विगत वर्षों की भांति वर्ष 1975-76 में भी प्रदान की गई। वर्ष 1975-76 में दो संस्कृत शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया है।

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा वर्ष 1975-76 में संस्कृत के साहित्यकारों एवं ख्याति प्राप्त विद्वानों को 98 हजार रुपये की धनराशि वितरित की गई जिनमें तीन विशिष्ट संस्कृत विद्वानों को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिये पन्द्रह पन्द्रह हजार ६० से सम्मानित किया गया। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्कृत शिक्षा के प्रोत्साहन हेतु छात्रों को योग्यता छात्रवृत्ति, निर्धन छात्रवृत्ति एवं हरिजन/पिछड़ी/जनजाति के छात्रों को भी छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

4--अरबी तथा फारसी शिक्षा प्रदेश में अरबी तथा फारसी मदरसों की संख्या 161 है जो विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। इनमें से 135 मदरसे अनुदान सूची पर हैं। विभाग द्वारा मदरसों को अनुपालन अनुदान, तदर्थ वेतन वृद्धि, अंतरिम सहायता तथा महंगाई भत्ता आदि दिया जाता है। सहायता प्राप्त मदरसों के अतिरिक्त राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मिर्जापुर में एक ओरियन्टल मेकेशन तथा राजकीय ओरियन्टल कालेज, (मदरसा आलिया) रामपुर शासन द्वारा संचालित है।

विभाग द्वारा अरबी तथा फारसी की 5 परीक्षाएँ होती हैं--फारसी को दो अर्थात् मुन्शी एवं कामिल, तथा अरबी की तीन अर्थात् मौलवी, आलिम और फाजिल। अरबी की अंतिम परीक्षा फाजिल है जो 5 विभिन्न विषयों में होती है अरबी, साहित्य, सुन्नी, थियोलॉजी, गिया थियोलॉजी, माकूलात (दर्शन शास्त्र) और तिव्व।

अरबी तथा फारसी परीक्षाओं के लिये शासन द्वारा गठित एक बोर्ड है जिसमें पुराने और नये दोनों प्रकार के अरबी शिक्षा के विशेषज्ञ होते हैं। यह बोर्ड आवश्यकतानुसार कार्यक्रम में सुधार प्रस्तावित करता है। उक्त परीक्षाओं में परीक्षार्थियों की जो वृद्धि हुई है, उसका अनुमान निम्नलिखित तालिका से किया जा सकता है।

वर्ष	पंजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या	सम्मिलित परीक्षार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या
1972-73	1475	981	503
1973	1578	1092	656
1974	2232	1538	999
1975	2338	1642	982
1976	2776	(अभी परीक्षाफल घोषित नहीं हुआ है)	

निरीक्षक अरबी मदरसाज उत्तर प्रदेश अरबी एवं फारसी परीक्षाओं के रजिस्ट्रार भी हैं। इनके साथ 2 उर्दू माध्यम के निरीक्षक भी सम्बद्ध हैं।

5--उर्दू शिक्षा--प्रदेश में उर्दू शिक्षा एवं उर्दू साहित्य के विकास, प्रसार तथा उन्नयन के लिये उर्दू अकादमी स्थापित की गई है। उर्दू अकादमी को वर्ष 1975-76 में शासन ने 5,10,000 रु० का अनुदान दिया। अन्जुमन-ए-तरक्की-ए-उर्दू को 6 बड़े शहरों में उर्दू माध्यम से 5वीं कक्षा तक माडल स्कूल खोलने हेतु तथा 6 से 10 जनपदों में प्रौढ माडल साक्षरता कक्षाएँ प्रारम्भ करने हेतु 80,000 रु० का एकमुश्त अनुदान स्वीकृत किया गया।

6--विशेष संस्थाएँ:--प्रदेश में इस समय 67 अंग्रेजी माध्यम शिक्षण संस्थाएँ हैं। इनमें एक शिक्षक प्रशिक्षण संस्था भी शामिल है। उपर्युक्त संस्थाओं में 45,807 बालक तथा 19,223 बालिकाय शिक्षा ग्रहण करती हैं। शिक्षण कार्य में 491 पुरुष तथा 1,351

महिलायें कार्यरत हैं। शिक्षा के पाठ्यक्रम में हिन्दी, संस्कृत, भारतीय इतिहास को वैकल्पिक विषय के रूप में स्थान दिया गया है। आंग्ल भारतीय विद्यालयों की अन्तिम परीक्षा कौंसिल फार इंडियन स्कूल सर्टीफिकेट इक्जामिनेशन, नई दिल्ली द्वारा संचालित होती है। वर्ष 1976 से कौंसिल द्वारा अब 10+2 वर्षीय पाठ्यक्रम प्रारम्भ कर दिया गया है। इस कारण कक्षा 10 एवं 12 के पश्चात् परीक्षायें, यह काउंसिल लेती है। छः स्कूलों को माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा भी मान्यता मिली हुई है। पांच विद्यालय केन्द्रीय सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा संचालित हैं शेष सभी विद्यालय निजी प्रबन्ध समितियों द्वारा चलाये जाते हैं। आख्यात वर्ष में केवल आठ विद्यालय आवर्तक अनुरक्षण अनुदान सूची में है। विद्यालयों के आय के स्रोत मुख्यतः छात्रों से लिये जाने वाले शुल्क हैं।

जनपद नैनीताल के जिला विद्यालय निरीक्षक इन विद्यालयों के निरीक्षण का कार्य करते हैं।

7—दक्षिण भारतीय भाषाओं तथा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की शिक्षा:—भावात्मक एवं राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से दक्षिण भारतीय भाषाओं के शिक्षण हेतु वर्ष 1976-77के आयोजनेतर बजट में 2,30,000 रु का प्राविधान था। मांती लाल मेमोरियल सोसाइटी लखनऊ द्वारा संचालित दक्षिण भारतीय भाषाओं के केन्द्र में तामिल एवं तेलगू का उच्च स्तरीय अध्ययन चल रहा है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार तथा प्रदेशीय शासन द्वारा प्रदान की गई आर्थिक सहायता से उक्त सोसाइटी द्वारा कन्नड़ तथा मलयालम भाषाओं की कक्षायें भी चलाई जा रही हैं।

8—कृषि शिक्षा—कृषि शिक्षा एवं उन्नत विधियों के प्रसार हेतु प्रदेश के जूनियर हाई स्कूलों तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में 2,150 प्रसाराध्यापक नियुक्त हैं। यह प्रसाराध्यापक कक्षा 6-8 में कृषि विषय के अध्यापन के अतिरिक्त उत्पादन, प्रसार एवं युवक मंगल दल का भी कार्य करते हैं। इस कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिये प्रत्येक जनपद से एक प्रसाराध्यापक को 15 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इन प्रसाराध्यपकों ने अपने विद्यालय में मृदा परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना की है। परीक्षणफल के आधार पर अधिक उत्पादन हेतु एक लाभकारी फसल योजना भी इन अध्यापकों द्वारा चलायी जाती है। पुनर्व्यवस्था योजना से स्थानीय उत्साही कृषकों को भी लाभ पहुंच रहा है।

विशिष्ट फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में सोयाबीन, मूरजमुखी, एवं मूंगफली की खेती को प्रोत्साहित किया गया है। 1976 की फसल में 585 एकड़ सोयाबीन, 380 एकड़ मूरजमुखी तथा 195 एकड़ मूंगफली की खेती की गई। 1976 की फसली वर्ष में उत्पादन से 76,24,878 रु की आय हुई।

9—पौष्टिक आहार योजना के अन्तर्गत स्कूल बाटिकाओं के संचालन, कुक्कुट पालन, मत्स्य पालन, भेड़-बकरी पालन, गूह बाटिका, उद्यान विज्ञान एवं तत्संबंधी उद्योगों पर विशेष बल दिया गया है।

वर्ष 1976-77 में प्रदेश के 85 विकास खण्डों में यह योजना चल रही है। 400 विद्यालयों में स्कूल बाटिकाओं की स्थापना की जा चुकी है। इस वर्ष अधिकारियों एवं अध्यापकों अध्यापिकाओं के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई।

इस योजना में सामुदायिक विकास एवं केन्द्रीय सरकार द्वारा 31 लाख रुपये (30,000 रु प्रति विकास खण्ड) का प्राविधान किया गया है।

पौष्टिक आहार शिक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु इस विषय को कक्षा 6 से 10 तक की बालिकाओं के पाठ्यक्रम में समायोजित कर दिया गया है। बालकों के पाठ्यक्रम में इस विषय को समावेश करन की कार्यवाही पहल की जा चुकी थी।

10—मनोविज्ञान सेवा की सुविधा—प्रदेश में मनोविज्ञानशाला, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद द्वारा मनोविज्ञान की शैक्षिक एवं व्यावसायिक क्षत्र में वैयक्तिक एवं सामूहिक निर्देशन के साथ-साथ प्रशिक्षण प्रवेश, चयन, शोधकार्य, प्रकाशन तथा व्यावसायिक सूचनाओं के प्रसारण का कार्य किया जाता है। इस वर्ष मनोविज्ञानशाला में आयोजित निम्नलिखित कार्य हुए।

(क) मण्डलीय मनोविज्ञान केन्द्र की स्थापना—सितम्बर, 1975 से कानपुर नगर में एक मण्डलीय मनोविज्ञान केन्द्र ने कार्य प्रारम्भ किया। मनोविज्ञानशाला उत्तर प्रदेश इलाहाबाद से उक्त केन्द्र को वांछित सामग्री साज-सज्जा तथा प्राविधिक निर्देशन प्रदान किया गया। आगरा बरेली, वाराणसी में भी ऐसे केन्द्रों की स्थापना की जा रही है जिससे विद्यालयी छात्रों को शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देश प्राप्त हो सके।

(ख) कैरियर मास्टर योजना—विभिन्न विद्यालयों में कार्यरत कैरियर मास्टर्स को वर्ष भर के कार्य का बजट भेजा गया। सोलह विद्यालयों में चुनाव परीक्षण भी दिये गये।

(ग) 1 अक्टूबर 1975 से 9 माह का गाइडेन्स साइकालोजिस्ट डिप्लोमा कोर्स प्रारम्भ किया गया। 1976-77 के सत्र में 11 व्यक्ति प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। प्रशिक्षणार्थियों को शाला के प्रयोगिक कार्यों से परिचित कराया गया।

11—अंग्रेजी भाषा शिक्षण संस्थान—इलाहाबाद स्थित संस्थान का मुख्य उद्देश्य अंग्रेजी शिक्षकों का आधुनिक विधियों के अनुसार प्रशिक्षण और अंग्रेजी की पुस्तकों का लेखन, प्रकाशन तथा अनुसंधान है। प्रशिक्षण विशेष रूप से अंग्रेजी पढ़ाने की आधुनिक विधियों के अनुसार होता है। आर्मी एजुकेशन कौर क लिये 5 स्थान सुरक्षित हैं। इलाहाबाद क वाहर की राजकीय संस्थाओं से आये हुए प्रशिक्षणार्थियों को 60 रु 0 मासिक छात्रवृत्ति भी दी जाती है।

वर्ष 1976-77 तक 39वें डिप्लोमा कोर्स को सम्मिलित करते हुए जो 30, अप्रैल 1976 का समाप्त हुआ, 1,438 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त 1,101 शिक्षक, शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी एवं प्रशिक्षण महाविद्यालयों के प्राध्यापकों ने ग्रीष्म-कालीन प्रशिक्षण या पुनर्प्रशिक्षण में भाग लिया। लगभग 2,570 अंग्रेजी के अध्यापकों ने विभिन्न जिलों क संस्थान के प्राध्यापकों की सहायता से संचालित प्रशिक्षण शिविरों में भाग लिया है।

वर्ष 1976-77 में भी दो डिप्लोमा कोर्स हुए जिनमें लगभग 160 शिक्षक प्रशिक्षित किये गये।

12—राज्य हिन्दी संस्थान—राज्य हिन्दी संस्थान के प्रमुख कार्य प्रशिक्षण, प्रकाशन तथा शोध हैं। प्रशिक्षण के अन्तर्गत 1976-77 में 440 शिक्षक एवं प्रति उप विद्यालय निरीक्षक प्रशिक्षित किये गये। इसके अतिरिक्त प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों को संस्थान में प्रशिक्षित करने की विशेष योजना है तथा हिन्दी स्तरोन्नयन हेतु विभिन्न जनपदों में हिन्दी शिक्षकों की अभिनवीकरण संगोष्ठियां आयोजित की गईं।

वर्ष 1976-77 में सोनियर बेसिक विद्यालय हिन्दी शिक्षक निर्देशिका (प्रेस मुद्रित) तथा बलिया, मिर्जापुर, जौनपुर, संगोष्ठियों क विवरण अलग-अलग (चक्रमुद्रित) एवं सम्मिलित विवरण प्रकाशित हुय।

13—राज्य शिक्षा संस्थान—प्रदेश के प्रारम्भिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु 1964 से राज्य शिक्षा संस्थान कार्य कर रहा है। शिक्षक प्रशिक्षकों तथा निरीक्षक वर्ग का पुनर्शिक्षण प्रारम्भिक शिक्षा में शोध, प्रकाशन एवं प्रसार, पत्राधारित प्रणाली तथा प्राविधिक इकाई संस्थान के मुख्य अंग है। कक्षा 1 से 8 तक की एक शोध पाठशाला भी संस्थान स सम्बद्ध है।

वर्ष 1975-76 में ह्रास एवं अवरोध निवारण पारयोजना के अन्तर्गत वाराणसी, जौनपुर सुल्तानपुर, बांदा तथा इलाहाबाद जनपदों में हर्जिन छात्रों का सर्वेक्षण कार्य हुआ। 1976-77 में इलाहाबाद के शंकरगढ़ विकास खण्ड में ह्रास एवं अवरोध को कम करने की विधि पर अध्ययन किया गया। इस क्षेत्र में विशेष रूप से इन योजना में सम्बंधित गोष्ठियों का गई तथा साहित्य का वितरण हुआ।

14—राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान—इस संस्थान द्वारा राज्य में विज्ञान की शिक्षा की उन्नति के लिए कार्यक्रम सम्पादित किए जाते हैं। वर्ष 1976 में इण्टर स्तरीय 15 दिवसीय प्रश्न बैंक कार्यशाला 3 जून से 17 जून 1976 तक आयोजित की गई। इसमें अध्यापकों ने प्रश्न एवं प्रतिदर्श प्रश्न पत्र तथा उत्तर निमित्त किये। इसी प्रकार हाई स्कूल स्तरीय 15 दिवसीय प्रश्न बैंक कार्यशाला 18 जून से 3 जुलाई, 1976 तक आयोजित की गई इसमें प्रश्न पत्र एवं प्रतिदर्श प्रश्न पत्र उत्तर महित निमित्त किये गये।

सभी जनपदों में विज्ञान शिक्षा में मन्वय स्थापित करने हेतु जिला विद्यालय निरीक्षकों के कार्यालय में एक सहायक पर्यवेक्षक को विज्ञान पर्यवेक्षक के रूप में मनोनीत किया गया। इन विज्ञान पर्यवेक्षकों को विज्ञान मन्थान में दो मप्ताह का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रदेश के 55 दीक्षा विद्यालयों को विज्ञान प्रशिक्षण हेतु विशेष रूप से चुना गया। इन विद्यालयों के दो विज्ञान अध्यापकों को विज्ञान का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

यूनिसेफ की सहायता से प्रदेश के समस्त उप विद्यालय निरीक्षक/निरीक्षिकाओं तथा जिला व्रेसिक शिक्षा अधिकारियों का त्रिदिवसीय विज्ञान प्रशिक्षण जनवरी/फरवरी 1976 में आयोजित किया गया।

जनपद तथा मण्डल स्तर के साथ साथ प्रदेशीय स्तर पर भी एक बृहत् विज्ञान प्रदर्शनों का आयोजन नवम्बर, 1976 में इलाहाबाद में किया गया। इसके साथ छात्र वैज्ञानिक अनुसन्धान प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

15—शारीरिक शिक्षा, खेल-कूद एवं युवक कल्याण (क) शारीरिक शिक्षा सामान्य शिक्षा के साथ साथ शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद की प्रगति पर विशेष बल दिया जा रहा है। शारीरिक शिक्षा के लिये प्रशिक्षित अध्यापक मुलभ करने हेतु राजकीय शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय में डी० पी० एड० तथा सी० पी० एड० कक्षाओं में क्रमशः 50 तथा 50 छात्राध्यापकों की संख्या में वृद्धि कर दी गई है। इस समय प्रदेश में दो राजकीय (रामपुर में पुरुषों के लिये तथा इलाहाबाद में माहलाओं के लिये) तथा दो अराजकीय (एक लखनऊ में और एक ममोधपुर जिला जौनपुर में) शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय है, जहां क्रमशः डी० पी० एड० और सी० पी० एड० का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही राष्ट्रीय शारीरिक स्वस्थता दल योजना के प्रदेश में कार्यरत 782 अनुदेशकों को प्रदेशीय शासन के अन्तर्गत शिक्षा विभाग में स्थायी रूप से शारीरिक शिक्षा अनुदेशक के पद नाम से खपा दिया गया है। यह सभी अनुदेशक पूर्ववत् विभिन्न विद्यालयों में पदस्थ हैं जो विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद के कार्यों को शारीरिक शिक्षा अध्यापकों की भांति कर रहे हैं।

राष्ट्रीय शारीरिक कुशलता अभियान कार्यक्रम को समस्त विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा की भांति अनिवार्य कर दिया गया है, तथा प्रदेश भर में 600 केन्द्र स्थापित किये गये हैं। 1976-77 में इस कार्यक्रम को प्रदेशीय प्रतियोगिता अलीगढ़ में आयोजित की गई जहां पुरुष अवर वर्ग (जूनियर) के चार प्रतियोगियों को प्रदेशीय पुरस्कार तथा इसी वर्ग के चार प्रतियोगियों को सफलता पूर्वक भाग लेने के प्रमाण-पत्र, महिला अवर वर्ग की दो प्रतियोगियों को प्रदेशीय पुरस्कार तथा पुरुष अवर वर्ग (सीनियर) के चार प्रतियोगियों को प्रदेशीय पुरस्कार में अलंकृत किया गया।

(ख) खेदकूद ग्रामीण क्षेत्रों में खेलकूद को लोकप्रिय बनाने के लिये प्रदेशीय शीतकालीन खेलकूद प्रतियोगिता का एक भाग जिसमें छात्र, छात्राओं की बैडमिन्टन जिमनास्टिक्स तथा छात्रों की कुश्ती प्रतियोगिता लखनऊ मण्डल के ग्रामीण क्षेत्र महमूदाबाद, जिला सीतापुर में आयोजित किया गया। 1976-77 के राष्ट्रीय विद्यालयी शीतकालीन खेल-कूद प्रतियोगिता वाराणसी में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रदेशीय टीम को 18 स्वर्ण पदक, 20 रजत पदक तथा 11 कांस्य पदक प्राप्त हुए। ऐथलेटिक्स और जिमनाटिक्स में व्यक्तिगत और कुस्ती में दल का सर्व विजेता (चैम्पियन शिप) का सम्मान इस राज्य को प्राप्त हुआ।

पुरस्कार एवं छात्रवृत्तियाँ—प्रदेश के हर जनपद और मंडल के प्रत्येक खेल के एक-एक सर्वश्रेष्ठ छात्र एवं छात्रा (खिलाड़ी) को क्रमशः 60 रु और 120-रु की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक विजेताओं को क्रमशः 200, 175 और 150 रु की छात्रवृत्तियाँ दी जाती हैं। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक विजेता छात्र/छात्राओं को विभाग की ओर से पुरस्कृत करके सम्मानित किया जाता है।

(ग) युवक कल्याण—प्रदेश के छात्र-छात्राओं को अपना देश अपना प्रदेश जानो” कार्यक्रम के अन्तर्गत इस वर्ष आठ निम्नलिखित राजकीय विद्यालयों (बालक, बालिकाओं) के छात्र-छात्राओं को शक्ति भ्रमण हेतु प्रदेश एवं देश के विभिन्न भागों में भेजा गया जिसके रेल एवं बस के किराये के व्यय हेतु विभाग द्वारा आठ राजकीय विद्यालयों को तीन-तीन हजार रुपए की धनराशि प्रदान की गई।

16 - राष्ट्रीय वचत योजना—विद्यालयों में छात्रों को वचत की आदत डालने के उद्देश्य से संचायिका योजना के अन्तर्गत वर्ष 1976-77 में लगभग दो लाख सदस्य बनाये गये। शिक्षा संस्थाओं के अध्यापकों अधिकारियों एवं छात्रों ने राष्ट्रीय वचत योजनाओं में 1083. 600 लाख रु इस वर्ष जमा किया जो निर्धारित लक्ष्य से कहीं अधिक था।

17 - राष्ट्रीय अध्यापक कल्याण प्रतिष्ठान—राष्ट्रीय अध्यापक कल्याण प्रतिष्ठान योजना का मुख्य उद्देश्य ऐसे अध्यापकों और उनके आश्रितों की सहायता देना है जिनकी आर्थिक स्थिति दयनीय है। इस प्रतिष्ठान के प्रबन्ध और प्रशासन के लिये केन्द्रीय स्तर पर भारत सरकार शिक्षा मन्त्रालय नई दिल्ली में एक मन्वय समिति गठित है। प्रदेशीय स्तर पर इस कार्य के लिये कार्यकारिणी समितियाँ भी हैं। इस राज्य में प्रदेशीय कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष शिक्षामन्त्री एवं सचिव-कोषाध्यक्ष, शिक्षा निदेशक, उत्तर प्रदेश हैं। 1975-76 तक इस योजनान्तर्गत 2594 अभ्यर्थियों को अध्यापक कल्याण कोष से आर्थिक सहायता की जा चुकी है।

18 - भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद को अपनी सेवाओं को विस्तृत करने एवं कार्य कलापों को सुचारूप से संचालित करने के लिये वर्ष 1976-77 में 70,000 रुपया आयोजनेतर आय-व्ययक से तथा 2,00,000 रु आयोजनागत आय-व्ययक से स्वीकृत किया गया। प्रदेश में कक्षा 6-8 में स्काउटिंग को अनिवार्य कर दिया गया है।

19 -शिक्षकों को राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार—वर्ष 1976-77 में भारत सरकार ने 8 प्राथमिक, 4 माध्यमिक, 2 संस्कृत तथा 1 अरबी-फारसी विद्यालयों के अध्यापकों को राष्ट्रीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया है।

उत्तर प्रदेश शासन ने भी वर्ष 1976-77 में 8 प्राथमिक, 4 माध्यमिक स्तर, 3 संस्कृत तथा 2 अरबी- फारसी विद्यालयों के शिक्षकों को राज्य पुरस्कार देकर सम्मानित करने का निश्चय किया है।

20—वेद पंडितों को पुरस्कार—वर्ष 1975-76 में 10 वेद पंडितों को पुरस्कृत करने हेतु शासन ने प्रति वेद पंडित को रु 1,111 रु नरुद तथा 389 रु के मूल्य का उता पत्तो के लिये एक साड़ी एक बत्ताउज पीस तथा एक ऊनी शाल देने को सुविधा प्रदान की है। इस प्रकार उक्त कुल 15,000 रु 0 क धनराशि स्वीकृत की गई है।

21—बालाहार एवं विशेष पौष्टाहार की योजनायें—बच्चों को प्रोटीनयुक्त संतुलित आहार देने और अपर्याप्त से पोषण के कुप्रभाव से बचाने के लिये न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रमके अन्तर्गत पिछड़े हुए वर्गों के पूर्व-विद्यालयीन बच्चों, गर्भवती स्त्रियों, एवं धात्री माताओं को पौष्टाहार देने के लिये शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के 13 मैदानी तथा 2 पर्वतीय जनपदों में विशेष पौष्टाहार कार्यक्रम की योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के अन्तर्गत पिछड़े वर्ग के लगभग 1.52 लाख बच्चे तथा महिलायें लाभान्वित हो रही हैं। इन 15 जनपदों के 4 जनपदों में केयर संस्था द्वारा तथा 4 जनपदों में विश्व खाद्य कार्यक्रम से खाद्यान्न उपहार स्वरूप प्राप्त हो रहा है तथा शेष जनपदों में शासन द्वारा स्वीकृत धनराशि के अन्तर्गत खाद्यान्न त्रय करके दिया जा रहा है।

राज्य के 41 जनपदों में प्राइमरी विद्यालयों के निर्बल वर्ग के छात्र/छात्राओं को मध्याह्न स्वल्पाहार देने की योजना भी विभाग द्वारा कार्यान्वित हो रही है। इसके अन्तर्गत 9.93 लाख बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं जिनमें से 36 जनपदों के 8.63 लाख बच्चों को केयर संस्था द्वारा तथा 5 जनपदों के 1.30 लाख बच्चों को विभाग द्वारा खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। विशेष पौष्टाहार कार्यक्रम पर आयोजनागत बजट से 47.00 लाख रुपये तथा बालाहार योजना हेतु आयोजनागत बजट से लगभग 59.00 लाख रुपये तथा आयोजनतर बजट से 68 लाख रुपये व्यय हो रहा है।

22—स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास की सामग्री का संकलन एवं प्रकाशन—उत्तर प्रदेश में स्वतंत्रता संग्राम इतिहास की स्रोत सामग्री बिखरी पड़ी हुई है। अतः उस स्रोत सामग्री को संकलित कर प्रकाशित करने का निश्चय किया गया है। इस दिशा में कुछ कार्य हो चुका है और पर्याप्त कार्य अवशेष है। अतः स्रोत सामग्री को संकलित एवं सम्पादित कर प्रकाशित कराने हेतु सरकार ने एक समिति का गठन कर दिया है और इस ओर कार्य प्रगति पर है।

23—बाल भवन—आधुनिक समाज में बच्चों के माता-पिता कार्य में इतने व्यस्त रहते हैं कि वे अपने बच्चों के विकास की आर पर्याप्त समय नहीं दे पाते। अल्प आयु बच्चों के सम्बन्धनशील मस्तिष्क को विकसित करने के लिये तथा उनकी मनोवृत्ति का मूल्यांकन कर उन्हें सही दिशा में अप्रमत्त करने के लिये समुचित सुविधायें उपलब्ध नहीं हैं। इसका यह परिणाम होता है कि इन बच्चों का विकास अवरुद्ध हो जाता है। अतः राज्य सरकार ने निश्चय किया कि प्रदेश में 5-15 वर्ष की आयु के बच्चों के लिये बाल भवन की स्थापना की जाय। एक बाल भवन में लगभग 200 बच्चों को सुविधा दी जाय जिसमें 10 प्रतिशत सुविधा पिछड़े निर्बल वर्ग के बच्चों के लिये सुरक्षित किया जाना प्रस्तावित है।

बाल भवन की स्थापना के उद्देश्य निम्नांकित हैं:

- (1) बच्चों के क्रियात्मक कौशल का निखार।
- (2) उनकी अभिरुचि का विकास।
- (3) बच्चों को अपनी क्षमता का अनुभव कराने के लिये प्रोत्साहित करना।
- (4) बच्चों को खेल-कूद तथा मनोरंजन की सुविधायें देना।

24—निर्धारित मूल्यों पर पुस्तकें तथा लेखन सामग्री—वर्ष 1974-75 में उत्तर प्रदेश के विद्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रियायती दर पर दिये गये कागज से बनी कापियां उपलब्ध कराई जा रही हैं।

यह आदेश जारी कर दिये गये हैं कि सभी कापियों का मूल्य समान होगा, चाहे उनमें कोई भी कागज प्रयोग हुआ हो। कापी निर्माताओं द्वारा महंगे कागज से बनायी गयी कापियों का अधिक मूल्य पर बेचने से रोकने के उद्देश्य से आदेश जारी किये गये ताकि श्रेणी भेद को दूर किया जा सके। कापियों

पर अधिक मूल्य छापा जाना या उन्हें अधिक मूल्य पर बेचने के उद्देश्य से स्टॉक में रखना एक अपराध होगा। कागज के उचित प्रयोग तथा कापियों के उत्पादन और बिक्री पर जिला अधिकारी द्वारा निगाह रखी जाती है। वे बाजार में कापियों की निरन्तर उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं। स्टॉक चेक करने और तलाशी लेने का अधिकार उन्हें प्राप्त है।

पाठ्य-पुस्तकों के मूल्य में भी कमी करने की कार्यवाही की गयी। कक्षा 1 से 12 तक की कक्षाओं की लगभग 1,500 पुस्तकों का मूल्य निर्धारित किया गया था, जिसमें अधिकांशतः 20 से 30 प्रतिशत की कमी की गयी है।

पुस्तकों के नवीन संस्करणों का मूल्य निर्धारित किया जा रहा है। बिक्री के मूल्यों में यथासंभव कमी जारी रहेगी। शासन ने निर्णय लिया कि उर्दू पुस्तकों का मूल्य हिन्दी पुस्तकों की भांति ही रखा जाय और उनके मूल्य का अन्तर शासन द्वारा वहन किया जाय।

25--307 कालेजों में पुस्तक बैंक स्थापित किये जा चुके हैं। 1,782 सहायता प्राप्त तथा 207 राजकीय इण्टरमीडिएट कालेजों, 1,514 सहायता प्राप्त तथा 187 राजकीय हाई स्कूलों, 207 राजकीय जूनियर हाई स्कूलों और विसिक परिषद् के 735 जूनियर हाई स्कूलों में पुस्तक बैंक स्थापित करने की कार्यवाही की गयी है। पुस्तकें, सेट के रूप में, केवल जरूरतमंद विद्यार्थियों को ही पूरे सत्र के लिए उधार दी जायेंगी और परीक्षा के पूर्व वापस नहीं ली जायेंगी। इन बुक-बैंकों से लगभग चार लाख विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। विद्यार्थियों में इन पुस्तकों के लिये अपनत्व की भावना पैदा करने के लिये पुस्तकों के मूल्य के एक प्रतिशत की दर से शुल्क लिया जायेगा।

26 -छात्रावासों में आवश्यक खाद्यान्न—छात्रावासों में आवश्यक खाद्यान्न सस्ते दामों पर उपलब्ध कराने के लिये प्रदेश के 729 छात्रावासों को अनाज एवं चीनी थोक भाव पर दिलाई जा रही हैं। अन्य स्थानों पर, जहां सामूहिक रूप से छात्र रहते हैं संस्थागत राशन कार्ड बनवा दिये गये हैं। विश्व-विद्यालयों में 32 सहकारी उपभोक्ता भण्डार चलाये गये हैं जहां पर छात्रों को दैनिक उपभोग सामग्री उपलब्ध रहती है। इससे लगभग 84,000 छात्र छात्राएं लाभान्वित हो रही हैं।

27--वृक्षारोपण--1976-77 में शिक्षा विभाग द्वारा वृक्षारोपण का एक बृहद कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उद्देश्य यह है कि एक छात्र एक पेड़ लगाये। इस वर्षा ऋतु में 27 लाख, 18 हजार पौधे लगाये गये हैं।

28--निरक्षरता निवारण—अनेक आर्थिक, सामाजिक तथा अन्य कारणों से कुछ बालक, बालिकाएं प्राइमरी की अपनी शिक्षा को पूरी नहीं कर पाते और बीच ही में पढ़ना छोड़ देते हैं। कालान्तर में वे निरक्षर हो जाते हैं। ऐसे 11 से 14 वय वर्ग के निरक्षर बच्चों को अनौपचारिक शिक्षा देने के लिए प्रत्येक जनपद में 35 अंशकालिक कक्षाएँ संचालित की गयी हैं। प्रत्येक केन्द्र पर 40 बच्चे शिक्षित किये जाते हैं। इनको भाषा ज्ञान, अंक ज्ञान और स्थानीय शिक्षा देने की व्यवस्था है।

15-25 वय वर्ग की अवस्था के प्रौढ़ों के लिए प्रत्येक जनपद में 25 प्रौढ़ साक्षरता केन्द्र संचालित हैं।

किसानों को शिक्षित करने और उन्हें अद्यतन कृषि प्रयोगों तथा तरीकों की जानकारी कराने के लिए 'किसान साक्षरता योजना' नामक एक क्रियाशील कार्यक्रम चलाया जा रहा है। यह योजना 16 जिलों में चल रही है। प्रत्येक जिले में 30 कृषिकों को शिक्षित करने वाले 60 केन्द्र हैं।



प्रदेश में व्याप्त निरक्षरता को दूर करने तथा अनौपचारिक एवं प्रौढ़ शिक्षा के कार्यक्रम में तीव्रता लाने के उद्देश्य से शासन ने "राज्य निरक्षरता उन्मूलन समिति" के नाम से एक पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। यह समिति वर्तमान कार्यक्रमों का विस्तृत अध्ययन व मूल्यांकन कर समस्या के निदान हेतु शासन को अपनी संस्तुति 6 मास के भीतर प्रस्तुत करेगी।

29. अन्य कार्यक्रम: - त्रुण छात्रों के सर्वतोमुखी विकास का बढ़ावा देने के लिये शारीरिक व्यायाम, खेल-कूद तथा समाज सेवा की अनेक योजनाएं चलायी गयीं।

स्कार्टिंग को कक्षा 6 से 8 तक अनिवार्य कर दिया गया है और इसके लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। छात्र-छात्राओं को समाजोपयोगी बनाने के लिये जूनियर रेडक्रास का प्रशिक्षण कक्षा 8 तक अनिवार्य कर दिया गया है। योगिक आसनों पर आधारित उपयोगी भारतीय व्यायामों को तथा प्राइमरी तथा जूनियर स्कूलों की शारीरिक शिक्षा को कार्यक्रम का पूरक बना दिया गया है।

विकासोन्मुख खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिये खेल-कूद में प्रतिभाशाली लड़कों तथा लड़कियों को छात्रवृत्ति देने की योजना चालू की गयी। विभिन्न खेल-कूद तथा कमरतों के शिक्षण के नियमित कार्यक्रम में तेजी लायी गयी।

विद्यार्थियों की शक्ति का रचनात्मक एवं उपयोगी कार्यों में लगाने और उनमें श्रम की महत्ता का भाव जागृत करने के लिये योजनाएं चलायी गयीं। इस वर्ष राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में विद्यार्थियों द्वारा 10 लाख वृक्ष लगाये गये। जून 1976 में लगभग 300 विद्यार्थी 45 दिनों तक बहुराइच तथा लखीमपुर जिलों में नहरें बनाने में लगे थे।

## सारणी-1

### शिक्षा के लिए निर्दिष्ट बजट

वर्ष	बालकों की शिक्षा के लिए बजट	बालिकाओं की शिक्षा के लिए बजट	शिक्षा के लिये सम्पूर्ण बजट
1	2	3	4
	₹०	₹०	₹०
1946-47 .. ..	2,50,32,561	68,17,239	3,18,49,800
1950-51 .. ..	6,61,14,800	76,29,400	7,37,44,200
1955-56 .. ..	9,30,63,300	89,53,200	10,20,16,500
1960-61 शिक्षा ..	12,17,33,000	1,18,23,200	13,35,56,200
1960-61 शिक्षा नियोजन ..	* *	* *	3,87,41,000
1965-66 शिक्षा ..	24,36,60,500	2,53,76,200	26,90,36,700
1965-66 शिक्षा नियोजन ..	14,42,21,200	2,13,46,000	16,55,67,200
1968-69 शिक्षा ..	46,30,92,200	5,35,93,100	51,66,85,300
1968-69 शिक्षा नियोजन ..	6,31,67,100	38,56,600	6,70,23,700
1973-74 शिक्षा ..	1,02,99,58,800	7,27,21,800	1,10,26,80,600
1973-74 शिक्षा नियोजन ..	43,15,52,400	1,28,90,700	44,44,43,100
1974-75 शिक्षा ..	1,55,13,92,400	8,39,02,100	1,63,52,94,500
1974-75 शिक्षा नियोजन ..	10,44,29,800	61,19,000	11,05,48,800
1975-76 शिक्षा ..	1,89,92,90,900	5,92,17,200	1,95,85,08,100
1975-76 शिक्षा नियोजन ..	9,69,55,700	64,80,000	10,34,35,700
1976-77 शिक्षा ..	1,87,04,56,900	13,48,22,200	2,00,52,79,100
1976-77 शिक्षा नियोजन ..	14,37,92,800	4,27,000	14,42,19,800

टिप्पणी: -इसके अतिरिक्त बालकों की शिक्षा के लिये बजट में बालिकाओं की शिक्षा पर व्यय सम्मिलित है। \*विभक्ति बजट में उपलब्ध नहीं है।

सारणी  
शिक्षा के विभिन्न

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66
1	2	3	4	5	6
<b>शिक्षा----</b>					
	रु०	रु०	रु०	रु०	रु०
1 प्रारम्भिक	1,21,72,100	3,32,18,200	4,24,73,600	5,69,27,000	10,30,06,400
2 माध्यमिक	99,16,800	1,65,95,000	2,35,46,400	3,36,10,200	6,53,67,800
3 विश्वविद्यालय					
तथा डिग्री कालेज	26,91,900	47,77,100	89,47,700	1,13,62,000	1,91,07,100
4 ट्रेनिंग	18,14,200	5,99,400	9,14,900	9,83,400	13,96,900
5 अन्य	52,54,800	1,85,54,500	2,61,33,900	3,06,73,600	8,01,58,500
6 विशेष शिक्षा	..	..	..	..	..
7 प्राविधिक शिक्षा	..	..	..	..	..
8 क्रीड़ा एवं युवक कल्याण	..	..	..	..	..
9 सामान्य शिक्षा	..	..	..	..	..
10 एकमुश्त प्राविधान	..	..	..	..	..
<b>योग</b>	<b>3,18,49,800</b>	<b>77,37,44,200</b>	<b>10,20,16,500</b>	<b>13,35,56,200</b>	<b>26,90,36,700</b>
<b>शिक्षा नियोजन—</b>					
1—प्रारम्भिक	..	..	..	2,54,76,900	6,75,47,200
2—माध्यमिक	..	..	..	63,67,000	3,20,95,900
3—विश्वविद्यालय तथा डिग्री कालेज	..	..	..	41,17,000	1,47,51,200
4—ट्रेनिंग	..	..	..	13,06,000	75,21,200
5—अन्य	..	..	..	14,74,100	4,36,51,700
6—विशेष शिक्षा	..	..	..	..	..
7—प्राविधिक शिक्षा	..	..	..	..	..
8—क्रीड़ा एवं युवक कल्याण	..	..	..	..	..
9—सामान्य शिक्षा	..	..	..	..	..
10—एकमुश्त प्राविधान	..	..	..	..	..
<b>योग</b>	..	..	..	<b>3,87,41,000</b>	<b>16,55,67,200</b>

ट्रेनिंग से सम्बन्धित बजट वर्ष 1974-75 में विश्वविद्यालय तथा डिग्री कालेजों में

--2

## शीर्षकों के लिए वजट

1968-69	1973-74	1974-75	1975-76	1976-77
7	8	9	10	11
₹0	₹0	₹0	₹0	₹0
22,24,05,500	35,43,83,200	88,11,48,300	1,03,28,32,500	1,04,10,69,100
14,38,30,100	25,53,04,000	40,41,87,300	48,13,29,500	50,38,54,800
5,00,94,000	5,08,76,300	9,10,24,600	10,84,76,400	22,36,10,500
26,12,200	30,12,300	..	..	..
9,77,43,500	43,91,04,800	..	..	..
..	..	1,15,43,300	1,62,51,100	1,81,25,200
..	..	3,81,95,200	4,29,43,900	4,78,20,300
..	..	2,03,63,000	2,02,99,500	2,42,73,000
..	..	32,800	32,200	26,200
..	..	18,88,00,000	25,63,43,000	14,65,00,000
51,66,85,300	1,10,26,80,600	1,63,52,94,500	1,95,85,08,100	2,00,52,79,100
2,63,96,100	31,02,30,900	6,17,41,500	5,58,56,000	7,70,90,000
1,08,00,300	2,70,01,300	1,65,61,000	1,73,32,000	2,49,44,200
81,88,000	1,65,93,100	1,18,90,200	1,04,52,000	1,12,94,000
7,17,600	13,17,300	..	..	..
2,09,21,700	8,92,95,500	..	..	..
..	..	41,29,000	52,49,500	30,98,600
..	..	1,01,59,300	95,03,900	1,00,30,000
..	..	39,67,800	44,38,300	81,58,000
..	..	1,00,000	..	..
..	..	20,00,000	6,04,000	6,05,000
6,70,23,700	44,44,43,100	11,05,48,800	10,34,35,700	14,42,19,800

सम्मिलित कर दिया गया है।

सारणी--3

व्यय के स्रोत

वर्ष तथा स्रोत	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1973-74
1	2	3	4	5	6	7	8
राजकीय निधि से	3,27,57,222	7,39,18,773	12,31,39,959	23,44,40,547	46,82,88,678	66,23,13,109	1,30,58,08,110
स्थानीय निकाय निधि से	81,51,669	1,85,36,569	2,10,74,826	2,76,41,516	4,21,19,854	4,32,48,893	4,98,85,300
विश्वविद्यालय शुल्क से	(क) 1,81,16,766	(क) 3,99,80,104	(क) 7,24,00,440	(क) 9,12,94,133	1,08,34,387	89,62,861	26,60,43,70
प्राभूति एवं अन्य निधि से	1,20,19,858	3,08,42,455	3,70,68,823	4,36,27,313	5,70,28,689	7,12,25,891	8,50,59,405
योग ..	7,10,45,515	16,32,77,901	25,36,04,048	39,70,03,509	72,16,09,741	97,16,67,805	1,70,28,82,483

(क) इन वर्षों की धनराशि प्रतिभूति एवं अन्य निधि की राशि में सम्मिलित है।

सारणी—4

प्रवन्धानुसार शिक्षा संस्थायें सामान्य शिक्षा

		1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1973-74*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
राजकीय	.. बालक	108	942	834	1,119	1,821	1,846	694
	.. बालिका	93	152	171	222	545	570	337
स्थानीय निकाय	.. बालक	15,200	27,879	28,745	34,418	47,903	48,917	51,585
	.. बालिका	1,473	2,444	2,725	4,908	11,020	11,609	13,992
विश्वविद्यालय*	.. बालक	5	6	6	9	9	11	14
	.. बालिका	..	..	..	..	..	..	..
सहायता प्राप्त	.. बालक	4,347	3,072	2,765	3,198	4,059	4,858	5,270
	.. बालिका	674	508	478	558	726	822	909
असहायता प्राप्त	.. बालक	493	825	1,315	1,747	2,912	3,546	5,041
	.. बालिका	37	44	69	100	248	321	476
योग	.. बालक	20,148	32,724	33,665	40,491	56,704	59,178	62,604
	.. बालिका	2,277	3,148	3,444	5,908	12,539	13,322	15,714

टिप्पणी:— (1) विश्वविद्यालयों की संख्या वर्ष 1946-47, 1950-51, 1955-56 तथा 1960-61 में सहायता प्राप्त संस्थाओं की संख्या में सम्मिलित थी।

— (2) \*दो विश्वविद्यालय मानी गई संस्थायें सम्मिलित नहीं हैं।

(i) काशी विद्यापीठ, वाराणसी।

(ii) गुरुकुल कांगड़ी, विश्वविद्यालय, सहारनपुर।

(iii) वर्ष 1973-74 में एक विश्वविद्यालय मानी गई संस्था कांगड़ी हरिद्वार सहारनपुर सम्मिलित नहीं है।

(3) राजकीय विद्यालय स्थानीय निकायों को हस्तान्तरित होने के कारण कमी हुई है।

सारणी—5

विभिन्न प्रकार की मान्यता प्राप्त शिक्षा संस्थान प्रथम तीन स्तर

		46-47	50-51	55-56	60-61	65-66	68-69	73-74	76-77*
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (लड़के) —	सब	415	833	1,253	1,489	2,050	2,484	3,519	3,782
	ग्रामीण क्षेत्रों में	55	304	590	743	1,185	1,537	2,122	2,659
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (लड़कियाँ) —	सब	91	154	221	282	451	528	646	670
	ग्रामीण क्षेत्रों में	..	1	2	6	27	43	128	112
योग ..	{ सब	506	987	1,474	1,771	2,501	3,012	4,165	4,452
	{ ग्रामीण क्षेत्रों में	55	305	592	749	1,212	1,580	2,250	2,771
सीनियर बेसिक स्कूल (लड़के)	सब	1,344	2,386	3,128	3,674	4,945	6,168	7,492	7,639
	ग्रामीण क्षेत्रों में	836	1,854	2,661	3,025	4,242	5,269	5,755	6,724
सीनियर बेसिक स्कूल (लड़कियाँ) —	सब	506	468	512	661	1,209	1,530	2,584	2,707
	ग्रामीण क्षेत्रों में	363	130	195	247	708	969	1,817	2,002
योग ..	{ सब	1,850	2,854	3,640	4,335	6,154	7,698	10,076	10,346
	{ ग्रामीण क्षेत्रों में	1,199	1,984	2,856	3,272	4,950	6,238	7,572	8,726

जूनियर बेसिक स्कूल (लड़के)---		सब	18,370	29,459	29,202	35,156	49,443	50,219	51,313	52,063
		ग्रामीण क्षेत्रों में	15,533	22,106	26,503	31,656	45,360	46,327	46,288	48,607
जूनियर बेसिक स्कूल (लड़कियाँ)---		सब	1,678	2,520	2,696	4,927	10,800	11,171	12,382	13,268
		ग्रामीण क्षेत्रों में	968	1,604	1,897	3,646	8,895	9,213	8,732	11,224
योग ..		सब	20,048	31,979	31,898	40,083	60,243	61,390	63,695	65,331
		ग्रामीण क्षेत्रों में	16,501	23,710	28,400	35,302	54,255	55,540	55,020	59,831
नर्सरी स्कूल (लड़के)		सब	..	6	19	55	110	126	87	69
		ग्रामीण क्षेत्रों में	..	..	..	..	..	..	..	2
नर्सरी स्कूल (लड़कियाँ)		सब	..	..	7	18	43	46	42	53
		ग्रामीण क्षेत्रों में	..	..	..	..	..	..	..	..
योग ..		सब	..	6	26	73	153	172	129	122
		ग्रामीण क्षेत्र	..	..	..	..	..	..	..	2

\*आंकड़े अस्थायी हैं।



## सारणी-6

विभिन्न प्रकार के मान्यता प्राप्त शिक्षा संस्थायें (अन्तिम दो स्तर)

		1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1973-74	1976-77
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
विश्वविद्यालय	लड़के	5	6	6	9	9(क)	11	14(ख)	19(ख)
	लड़कियां	..	..	..	..	..	..	..	..
	योग:	5	6	6	9	9(क)	11	14(ख)	19(ख)
डिग्री कालेज (ग)	लड़के	14	34	57	108	147	170	242	272
	लड़कियां	2	6	8	20	36	47	62	74
	योग:	16	40	65	128	183	217	304	346

\*आंकड़े अस्थायी हैं।

(क) विश्वविद्यालय मानी गई संस्थायें सम्मिलित नहीं हैं।

(i) गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, सहारनपुर, काशी विद्यापीठ, वाराणसी।

(ख) विश्वविद्यालय मानी गई एक संस्था गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, सहारनपुर सम्मिलित नहीं है।

(ग) ये केवल सामान्य शिक्षा के डिग्री कालेज हैं, एग्रीकल्चर ट्यूटोरियल कालेज तथा ट्रेनिंग कालेज की संख्या सम्मिलित नहीं है।

सारणी-  
संस्था के अनुसार

		1946-47	1950-51	1955-56
1	2	3	4	5
विश्वविद्यालय**	लड़के	9,760	19,105	24,616
	लड़कियां	758	1,671	2,802
	योग	10,518 (अ)	20,776	27,418
डिग्री कालेज	लड़के	20,643 (ब)	27,294	45,725
	लड़कियां	1,700 (ब)	2,504	4,874
	योग	22,343 (ब)	29,798	50,599
उच्चतर माध्यमिक स्कूल	लड़के	1,77,562 (द)	3,59,580	5,56,530
	लड़कियां	25,663 (द)	57,825	87,599
	योग	2,03,225 (द)	4,17,405	6,44,129
सीनियर बेसिक स्कूल	लड़के	1,64,667	2,78,339	3,55,266
	लड़कियां	83,174	69,798	71,759
	योग	2,47,841	3,48,137	4,27,025
जूनियर बेसिक स्कूल	लड़के	13,86,453	23,92,175	22,53,231
	लड़कियां	1,89,055	3,34,948	4,84,596
	योग	14,75,508	27,27,123	27,37,827
नर्सरी स्कूल	लड़के	..	644	1,507
	लड़कियां	..	162	991
	योग	..	806	2,498

(द) इण्टर कक्षाओं के विद्यार्थी सम्मिलित नहीं हैं ।

(अ) यह केवल विज्ञान और कला के विद्यार्थियों की संख्या है ।

(ब) इस संस्थाओं में समस्त इण्टर कला के विद्यार्थी सम्मिलित हैं ।

\*आंकड़े अस्थाई हैं ।

\*\*माने गये विश्वविद्यालयों के छात्रों की संख्या सम्मिलित नहीं है ।

(क) अनुमानित है ।

-7

## छात्रों की संख्या

1960-61	1965-66	1968-69	1973-74	1976-77*
6	7	8	9	10
29,785	37,628	47,047	68,263	70,841 (क)
4,033	8,208	11,610	15,794	16,790 (क)
33,818	45,836	58,657	84,057	87,631 (क)
58,959	74,295	1,16,760	1,96,137	2,11,012 (क)
8,743	20,263	31,707	49,794	57,039 (क)
67,702	94,558	1,48,467	2,45,931	2,68,051 (क)
7,57,592	12,71,038	16,26,323	21,59,045	22,47,894
1,54,485	2,87,862	3,89,488	5,08,127	5,64,106
9,12,077	15,58,900	20,15,811	26,67,172	28,12,000
4,46,139	7,88,905	9,64,037	11,60,607	12,03,243
1,03,688	1,94,945	2,27,489	3,11,840	3,13,053
5,49,827	9,83,850	11,91,526	14,72,447	15,16,296
31,70,868	57,64,857	63,39,584	73,03,060	73,04,571
7,87,960	30,23,248	36,00,221	42,40,023	42,50,002
39,58,828	87,88,105	99,39,805	1,154,3083	1,15,54,573
4,486	11,882	12,927	15,398	10,359
3,068	7,745	8,935	9,306	8,652
7,554	19,627	21,862	24,704	19,011

**सारणी**  
**संस्थानुसार अध्यापकों**

		1946-47	1950-51	1955-56
1	2	3	4	5
विश्वविद्यालय**	पुरुष	839 (क)	1,201	1,331
	महिला	56 (क)	71	114
	योग	895 (क)	1,272	1,445
डिग्री कालेजों में	पुरुष	441 (क)	1,175	2,155
	महिला	37 (क)	74	172
	योग	478 (क)	1,249	2,327
उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में	पुरुष	7,610	15,453	24,541
	महिला	1,577	2,774	4,130
	योग	9,187	18,227	28,671
सीनियर बेसिक स्कूलों में	पुरुष	7,960	11,605	16,734
	महिला	3,421	2,900	3,262
	योग	11,381	14,505	19,996
जूनियर बेसिक स्कूलों में	पुरुष	39,358	65,110	70,641
	महिला	2,961	5,189	6,934
	योग	42,319	70,299	77,575
नर्सरी स्कूलों में	पुरुष	..	8	35
	महिला	..	14	149
	योग	..	22	184

\*आंकड़े अस्थाई हैं।

\*\*विश्वविद्यालय मानी गई संस्थाओं के अध्यापकों की संख्या सम्मिलित नहीं है।

(क) विश्वविद्यालय तथा डिग्री कालेज के आंकड़े उपलब्ध न होने के कारण अनुमानित किये गये हैं।

-8

की संख्या

1960-61	1965-66	1968-69	1973-74	*1976-77
6	7	8	9	10
2,089	2,797	3,405	3,791	4,412
159	234	358	504	644
2,248	3,031	3,763	4,295	5,056
3,113	4,640	5,903	8,646	9,652 (₹)
331	793	1,083	1,638	2,252 (₹)
3,444	5,433	6,986	10,284	11,904 (₹)
30,222	45,717	56,710	79,699	83,954
5,854	10,697	12,982	16,918	17,764
36,076	56,414	69,692	96,617	1,01,718
19,057	28,865	37,577	44,172	45,288
4,202	7,002	8,975	12,970	12,721
23,259	35,867	46,552	57,142	58,009
87,340	1,44,659	1,59,996	1,95,908	1,97,621
11,714	23,918	29,584	39,031	39,119
99,054	1,68,577	1,98,580	2,34,939	2,36,740
51	199	282	199	212
348	723	836	752	790
399	922	1,125	951	1,002

सारणी  
स्तरानुसार छात्रों की संख्या तथा

		1964-65	1965-66
	1	2	3
			4
1—छात्रों की संख्या प्री प्राइमरी स्तर	कुल	24,393	25,815
	बालिका	9,417	10,535
जूनियर बेसिक स्तर (कक्षा 1-5)	कुल	81,13,761	90,17,914
	बालिका	26,47,447	37,39,237
सीनियर बेसिक स्तर (कक्षा 6-8)	कुल	13,51,129	15,14,037
	बालिका	2,16,983	2,55,618
हाई/हायर सेकेंडरी स्तर (कक्षा 9-12)	कुल	7,00,172	8,02,656
	बालिका	90,170	1,11,982
स्नातक स्तर	कुल	60,354	74,232
	बालिका	12,593	17,127
स्नातकोत्तर स्तर	कुल	18,051	19,755
	बालिका	3,578	4,210
2—ग्रध्यापकों की संख्या (प्री प्राइमरी स्तर)	कुल	901	1,045
	महिला	677	833
जूनियर बेसिक स्तर (कक्षा 1-5)	कुल	1,60,555	1,74,377
	बालिका	25,061	26,841
सीनियर बेसिक स्तर (कक्षा 6-8)	कुल	44,477	49,965
	महिला	7,929	8,677
हाई/हायर सेकेंडरी स्तर (कक्षा 9-12)	कुल	33,285	36,730
	बालिका	5,114	5,983

- (1) प्री प्राइमरी स्तर स्कूलों, वर्ष 1964-65, 1965-66 व 1966-67 के आंकड़ों में इन संस्थाओं के वे छात्र सम्मिलित हैं जो कक्षा 1-5 में पढ़ते हैं जबकि 1967-68 व आगे के वर्षों में इन्हें सम्मिलित नहीं किया गया है। अतः 1964-65 से 1966-67 तथा 1967-68 व 1968-69 के आंकड़े विस्तार क्षेत्र विभिन्न होने के कारण तुलनीय नहीं हैं।
- (2) हाई/हायर सेकेंडरी स्तर के छात्रों में डिग्री कालेजों से सम्बन्ध कक्षा 11 व 12 के छात्रों की संख्या वर्ष 1964-65 से 1968-69 तक सम्मिलित नहीं है।
- (क) अनुमानित है।
- \*आंकड़े अस्थायी हैं।

-9

## अध्यापकों की संख्या

1966-67	1967-68	1968-69	1973-74	1976-77*
5	6	7	8	9
30,747	25,872	27,540	33,669	35,635 (क)
12,689	10,455	11,368	13,363	14,007 (क)
95,79,995	99,15,153	1,01,70,669	1,17,98,906	1,19,19,906 (क)
34,00,569	35,72,497	37,27,453	43,42,162	43,78,162 (क)
16,34,498	17,80,136	19,11,969	24,27,658	24,67,658 (क)
2,74,446	3,03,891	3,34,770	4,90,515	5,05,515 (क)
8,79,799	9,69,145	10,58,151	14,52,681	14,78,681 (क)
1,17,162	1,40,089	1,51,282	2,23,129	2 38,129 (क)
81,632	94,936	1,24,327	1,98,350	2,06,305 (क)
19,833	22,018	27,355	41,559	42,595 (क)
21,186	25,099	29,188	50,366	71,240 (क)
4,840	6,040	7,094	12,036	19,595 (क)
1,139	1,144	1,285	1,097	1,430 (क)
847	845	973	865	1,142 (क)
1,81,661	1,88,255	1,95,202	2,40,748	2,40,874 (क)
28,421	30,017	31,830	41,093	41,127 (क)
57,714	61,703	64,399	83,645	90,719 (क)
10,491	11,361	11,822	17,533	17,848 (क)
39,946	43,300	46,063	64,159	64,446 (क)
6,524	7,238	7,752	10,180	10,277 (क)

सारणी—10

माध्यमिक शिक्षा परिषद् की परीक्षाओं के लिए मान्यता प्राप्त विद्यालयों की संख्या

	1946-	1950-	1955-	1960-	1965-	1968-	1973-	1974-	1975-	1976-
	47	51	56	61	66	69	74	75	76	77
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
<b>हाई स्कूल परीक्षा—</b>										
लड़कों की शिक्षा संस्थायें ..	428	746	1,175	1,404	1,837	2,372	3,217	3,459	3,636	3,716
लड़कियों की शिक्षा संस्थायें ..	73	130	197	257	354	488	601	608	625	630
योग	501	879	1,372	1,661	2,191	2,860	3,818	4,067	4,261	4,346
<b>इण्टरमीडिएट परीक्षा—</b>										
लड़कों की शिक्षा संस्थायें ..	168	334	652	786	1,002	1,275	1,753	1,869	1,920	2,001
लड़कियों की शिक्षा संस्थायें ..	15	41	111	148	214	276	328	160	363	367
योग	183	375	763	934	1,216	1,551	2,081	2,229	2,283	2,368



**सारणी--11 (अ)**  
**हाई स्कूल परीक्षा में परीक्षार्थियों की संख्या**

	1947	1951	1956	1961	1966	1969	1974	1975	1976	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
<b>हाई स्कूल परीक्षा में पंजीकृत संख्या</b>										
लड़के ..	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	1,67,549	2,15,252	3,14,578	4,05,856	5,80,624	5,77,015	6,07,126	
लड़कियां ..	"	"	16,488	22,620	41,826	68,170	1,01,577	1,05,984	1,34,963	
<b>योग ..</b>	<b>33,923</b>	<b>1,10,581</b>	<b>1,84,037</b>	<b>2,37,872</b>	<b>3,56,404</b>	<b>4,74,026</b>	<b>6,82,201</b>	<b>6,82,999</b>	<b>7,42,089</b>	
(क)										
<b>परीक्षा में सम्मिलित होने वालों की संख्या--</b>										
लड़के ..	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	1,55,285	2,04,315	2,95,036	3,85,294	5,44,482	5,43,411	5,68,268	
लड़कियां ..	"	"	14,301	21,526	38,605	95,079	97,169	95,471	1,24,194	
<b>योग ..</b>	<b>31,506</b>	<b>98,534</b>	<b>1,69,586</b>	<b>2,25,841</b>	<b>3,33,641</b>	<b>4,50,373</b>	<b>6,41,651</b>	<b>6,38,882</b>	<b>6,92,452</b>	
<b>उत्तीर्ण होने वालों की संख्या--</b>										
लड़के ..	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	68,589	89,880	1,30,277	1,69,410	1,79,102	2,13,604	2,03,066	
लड़कियां ..	"	"	8,528	13,860	25,187	43,892	67,626	67,437	74,507	
<b>योग ..</b>	<b>19,937</b>	<b>58,234</b>	<b>77,117</b>	<b>1,03,740</b>	<b>1,55,464</b>	<b>2,13,302</b>	<b>2,46,728</b>	<b>2,81,041</b>	<b>2,77,573</b>	

(क) संगोधित आंकड़े हैं।

सारणी—11 (ब)

इन्टरमीडिएट परीक्षा के परीक्षार्थियों की संख्या

	1947	1951	1956	1961	1966	1969	1974	1975	1976
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
इन्टरमीडिएट परीक्षा में पंजीकृत संख्या—									
लड़के .. अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	78,457	99,600	1,48,785	2,27,474	3,08,408	3,10,703	3,39,37
लड़कियां ..	"	"	8,344	13,745	27,912	42,392	69,774	70,608	86,959
योग .. अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	41,009	87,801	1,13,345	1,76,697	2,69,866	3,78,182	3,87,371	4,26,330
परीक्षा में सम्मिलित होने वालों की संख्या—									
लड़के .. अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	69,858	89,542	1,29,269	2,06,854	2,78,771	2,90,250	3,06,374
लड़कियां ..	"	"	8,219	12,282	24,151	38,812	63,020	65,064	80,045
योग .. अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	34,464	78,077	1,01,824	1,53,420	2,45,666	3,42,391	3,55,314	3,86,419
उत्तीर्ण होने वालों की संख्या—									
लड़के .. अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	36,376	35,645	54,381	1,01,781	1,47,152	1,56,978	1,43,201
लड़कियां ..	"	"	5,058	6,557	13,299	25,969	39,811	40,930	42,077
योग .. अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	20,523	41,434	42,202	67,680	1,27,750	1,86,663	1,97,908	1,85,278

सारणी—12

संस्कृत पाठशालाओं की संख्या और राजकीय सहायता

	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1973-74	1976-77*
1	2	3	4	5	6	7	8
स्वीकृत पाठशालाएँ .. .. .	1,400	1,014	1,050	900	900	900	944
छात्र संख्या .. .. .	34,093	39,901	42,892	47,287	48,528	54,211	54,850
अध्यापक .. .. .	3,603	4,482	4,644	3,829	4,064	4,420	4,490
सहायता प्राप्त पाठशालाएँ .. .. .	332	408	637	776	800	815	872
राज्य से प्राप्त सहायता (रु० में) .. .. .	2,53,512	4,64,448	9,62,953	22,14,020	28,20,273	64,32,341	67,76,117

\*आंकड़े अस्थायी हैं।

सारणी—13

अरेविक मदरसों की संख्या और राजकीय सहायता

	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1973-74	1976-77*
1	2	3	4	5	6	7	8
स्वीकृत मदरसे .. .. .	86	89	104	120	121	153	161
छात्र संख्या .. .. .	..	14,190	16,710	25,981	30,267	32,320	32,400
अध्यापक .. .. .	620	627	726	955	997	1,606	1,628
सहायता प्राप्त मदरसे .. .. .	86	89	104	120	121	127	135
राज्य से प्राप्त सहायता (रु० में) .. .. .	90,672	1,02,394	1,24,164	2,56,454	2,44,840	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध

\*आंकड़े अस्थायी हैं।

सारणी-14

प्रशिक्षण संस्थान तथा सम्बद्ध प्रशिक्षण कक्षाएँ (छात्र संख्या)

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1973-74	1976-77
1	2	3	4	5	6	7	8	9
ट्रेनिंग कालेज (एल 0 टी 0 स्तर) (एक वर्ष)---								
पुरुष .. .. .	2	4	6	7	6	7	11	11
महिला .. .. .	1	5	2	3	4	4	2	2
योग .. .. .	3	9(II)	8	10	10	11	13	13
विश्वविद्यालयों के प्रशिक्षण विभाग (बी 0 एड 0 तथा एम 0 एड 0) पुरुष तथा महिला सम्मिलित .. .. .								
	2	..	3	5	5	5	6	6
डिप्री कालेजों की प्रशिक्षण कक्षाएँ (एल 0 टी 0 स्तर)								
पुरुष .. .. .	..	8	10	28	36	41	48	48
महिला .. .. .	..	1	2	2	6	6	9	9
योग .. .. .	..	9	12	30	42	47	57	57

जूनियर बेसिक ट्रेनिंग कालेज तथा अन्य सी० टी० स्तर की प्रशिक्षण संस्थाएँ—									
पुरुष	..	2	अनुपलब्ध	5	5	5	7	8	8
महिला	..	2	..	7	6	8	11	12	12
योग	..	4	..	12	11	13	18	20	20
जे० टी० सी० कालेज (2 वर्ष) —									
पुरुष	..	..	109	33	33	42	..	..	..
महिला	..	..	24	1	4	11	..	..	..
योग	..	..	133 (च)	34	37	53	..	..	..
नार्मल स्कूल (2 वर्ष) —									
पुरुष	..	65 (द)	अनुपलब्ध	45	95	121	(-)	(-)	(-)
महिला	..	25 (द)	..	16	22	42	(-)	(-)	(-)
योग	..	90 (द)	..	61	117	163	(-)	(-)	(-)
बी० टी० सी० (1 वर्ष) —									
पुरुष	..	..	..	..	..	..	230	194	119
महिला	..	..	..	..	..	..	89	67	59
योग	..	..	..	..	..	..	319	261	178

(द) इस संख्या में 3 सेन्ट्रल ट्रेनिंग स्कूल और 26 ट्रेनिंग क्लब्स सम्मिलित हैं जिसमें 1 वर्ष का कोर्स था।

(ग) इस संख्या में 9 ट्रेनिंग क्लब्स सम्मिलित हैं जिनमें 1 वर्ष का कोर्स था।

(च) इनमें नार्मल स्कूल भी सम्मिलित है।

(-) ये संस्थाएँ अब बी० टी० सी० में परिवर्तित हो गयी हैं।

\* आंकड़े अस्थायी हैं।

सारणी-15

प्रशिक्षण संस्थायें तथा सम्बद्ध प्रशिक्षण कक्षायें (छात्र संख्या)

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1973-74	1976-77*
1	2	3	4	5	6	7	8	9
<b>ट्रेनिंग कालेज (एल0टी0 स्तर)---</b>								
पुरुष ..	295	226	415	500	540	594	995	1,008
महिला ..	117	337	311	520	621	763	540	400
योग ..	412	563 (ल)	726	1,020	1,161	1,357	1,535	1,408
<b>विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण विभाग (बी0एड0 तथा एम0एड0)---</b>								
पुरुष ..	..	312	257	356	272	442	450	456
महिला ..	..	107	127	144	354	279	282	288
योग ..	..	419	384	500	626	721	732	744
<b>डिग्री कालेजों की प्रशिक्षण कक्षायें (एल0टी0 स्तर)---</b>								
पुरुष ..	..	520	956	2,413	2,797	2,837	2,940	2,988
महिला ..	..	68	289	509	1,140	1,310	1,375	1,398
योग ..	..	586	1,245	2,922	3,937	4,147	4,315	4,386

जे० बी० टी० सी० कालेज आदि (दो वर्ष सी० टी० स्तर) —									
पुरुष	..	127	..	315	597	361	299	545	580
महिला	..	77	..	252	254	344	537	485	497
योग	..	204	..	567	851	705	836	1,030	1,077
जे० टी० सी० कालेज (दो वर्ष) —									
पुरुष	..	..	15,166	1,361	2,350	2,225	..	..	..
महिला	..	..	639	106	341	787	..	..	..
योग	..	..	15,805 (ज)	1,467	2,691	3,012 (क)	..	..	..
नार्मल स्कूल (दो वर्ष) —									
पुरुष	..	2,523	..	3,773	9,569	16,205	..	..	..
महिला	..	608	..	567	1,311	4,210	..	..	..
योग	..	3,131 (य)	..	4,340	10,880	20,415 (ख)	..	..	..
बी० टी० सी० (एक वर्ष) —									
पुरुष	..	..	..	..	..	17,946	14,106	14,200	..
महिला	..	..	..	..	..	6,589	4,618	4,668	..
योग	..	..	..	..	..	24,535	18,724	18,868	..

(ज) इनमें नार्मल स्कूल के छात्र भी सम्मिलित हैं।

(ल) इनमें सी० टी० के छात्र भी सम्मिलित हैं।

(य) इस संख्या में 552 लड़के, 171 लड़कियां बी० टी० सी० कोर्स भी सम्मिलित हैं।

\*ग्रां कड़े अस्थायी हैं।

(क) इस संख्या में जे० टी० सी० यूनिट के छात्रों की संख्या ही सम्मिलित है।

(ख) इस संख्या में एच० टी० सी० यूनिट्स के छात्रों की संख्या भी सम्मिलित है।

सारणी—16

प्रशिक्षण संस्थायें एवं सम्बद्ध प्रशिक्षण कक्षायें छात्र उत्तीर्ण होने वाले छात्राध्यापकों और छात्राध्यापिकाओं की संख्या

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1972-73	1974-75	1976-77*
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
एल०टी०, बी०टी० तथा									
बी०एड० (एक वर्ष) —									
पुरुष ..	289	880	1,386	3,032	3,222	4,234	765(क)	899(क)	834(क)
महिला ..	108	208	511	977	1,735	2,122	434(क)	184(क)	302(क)
योग ..	397	1,088	1,897	4,009	4,957	6,356	1,199(क)	1,083(क)	1,136(क)
एम० ए० (एक वर्ष) —									
पुरुष ..	4	58	36	74	92	94	(-)	(-)	(-)
महिला ..	1	25	42	66	66	81	(-)	(-)	(-)
योग ..	5	83	78	116	156	175	(-)	(-)	(-)
बे० बी० टी० सी० (दो वर्ष)									
(सी० टी० स्तर)									
पुरुष ..	108	32	167	110	94	278	360	603	362
महिला ..	67	155	253	116	217	331	333	389	402
योग ..	175	187	420	326	311	609	693	989	764



एच 0टी 0सी 0 (दो वर्ष) --									
पुरुष ..	अनुपलब्ध	994	949	999	1,592	54	समाप्त	समाप्त	समाप्त
महिला ..	अनुपलब्ध	3	68	147	294	21	समाप्त	समाप्त	समाप्त
योग ..	अनुपलब्ध	997	1,017	1,146	1,886	75	समाप्त	समाप्त	समाप्त

एच 0टी 0सी 0 (दो वर्ष) तथा									
बी 0टी 0सी 0 (एक वर्ष) --									
पुरुष ..	1,008	10,576	1,751	4,173	6,129	16,717	15,996	17,549	11,785
महिला ..	309	636	294	547	1,553	3,570	4,951	5,975	5,187
योग ..	1,317	11,212 (र)	2,045	4,720	7,682	20,287	20,947	23,524	16,972

(क) कवल एल 0 टी 0 परीक्षाफल है ।

(-) आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं ।

\* आंकड़े प्राविजनल हैं ।

(र) सचल विद्यालय क छात्राध्यापक भी सम्मिलित हैं । यह योजना बाद में बन्द हो गयी है ।

सारणी—17

जिलेवार 1971 की जनसंख्या, साक्षरता का प्रतिशत तथा सितम्बर 30, 1976 की विद्यालयों की संख्या

क्रम- संख्या	जिले का नाम	1971 साक्षरता का प्रतिशत				विद्यालय की संख्या								
		जनसंख्या (लाख में)	पुरुष	महिला	समस्त जनपद में	हाई/हायर सेकेण्डरी स्कूल			सीनियर बेसिक स्कूल			जूनियर बेसिक स्कूल		
						बालक	वालिका	योग	बालक	वालिका	योग	बालक	वालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1	फैजाबाद	19.27	29.73	8.09	19.32	66	10	76	140	17	157	1,092	284	1,376
2	बहराइच	17.37	18.84	4.28	12.19	29	4	33	100	57	157	929	276	1,205
3	गोण्डा	23.02	22.19	4.74	14.04	45	6	51	112	39	151	1,386	354	1,740
4	प्रतापगढ़	14.23	31.18	6.02	18.50	57	2	59	113	47	160	766	198	964
5	मुल्तानपुर	16.43	28.66	6.72	17.86	55	3	58	145	54	1,99	1,56	270	1,426
6	गोरखपुर	30.38	30.43	8.20	19.77	124	17	141	234	90	324	1,455	347	1,802
7	आजमगढ़	28.57	29.96	8.21	19.11	123	8	131	200	65	265	1,320	281	1,601
8	बस्ती	29.84	25.64	5.18	15.61	109	6	115	219	70	289	1,653	286	1,939
9	देवरिया	28.12	29.38	6.03	17.95	124	9	133	256	40	296	1,637	320	1,957
10	वाराणसी	28.52	39.99	13.28	27.27	118	37	155	294	109	403	1,309	349	1,658
11	बलिया	15.89	33.25	9.80	21.67	79	4	83	162	46	208	992	235	1,227
12	गाजीपुर**	15.2	30.75	9.29	20.14	67	5	72	149	30	179	787	217	1,004
13	जौनपुर	20.05	34.52	8.80	21.23	111	7	118	206	58	264	948	245	1,193
14	मिर्जापुर	15.41	29.61	8.08	19.39	50	6	56	132	57	189	1084	246	1,330
15	इलाहाबाद	29.37	35.65	10.76	23.88	149	30	179	208	72	280	1437	400	1,837
योग पूर्वी ..						1306	154	1,460	2,670	851	3,521	17,951	4,308	22,259

1	गढ़वाल	5.53	49.32	16.52	32.00	81	6	87	111	31	142	831	150	981
2	चमोली	2.93	48.92	9.59	28.67	44	2	46	72	6	78	539	38	577
3	देहरादून	5.77	51.71	33.40	43.74	39	16	55	65	36	101	467	101	568
4	देहरी-गढ़वाल	3.97	36.38	4.92	19.29	32	2	34	87	34	121	553	129	682
5	उत्तरकाशी	1.48	37.02	5.37	22.04	15	1	16	41	2	43	317	16	333
6	नैनीताल	7.90	41.33	20.17	31.94	52	16	68	120	46	166	742	102	844
7	अल्मोड़ा	7.50	45.89	11.53	28.08	78	6	84	103	43	146	863	67	930
8	पिथौरागढ़	3.14	49.68	14.63	31.87	47	6	53	93	9	102	633	88	724
योग, पर्वतीय						388	55	443	692	207	899	4,948	691	5,639
1	झांसी	8.70	35.65	12.72	24.98	39	11	50	93	28	121	631	159	790
2	लखितपुर	5.37	..	..	..	11	3	14	52	18	70	459	96	555
3	हमीरपुर	9.88	31.15	7.83	20.25	24	4	28	61	49	110	802	241	1,043
4	गढ़वा	8.13	40.20	12.40	37.36	52	7	59	104	34	138	723	168	891
5	बांदा	11.82	29.31	5.84	13.39	39	5	44	150	23	173	898	227	1,125
योग, वृन्देखण्ड						165	30	195	460	152	612	3,513	891	4,404
1	आगरा	23.09	37.46	16.52	27.97	95	32	127	236	101	337	1,048	235	1,283
2	अलीगढ़	21.12	35.09	12.65	24.89	108	19	127	217	59	276	1,125	334	1,459
3	एटा	15.71	30.59	11.01	21.69	72	9	81	178	34	212	776	220	996
4	मैनपुरी	14.46	33.74	12.83	24.24	57	7	64	181	49	230	988	190	1,178

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
5	मथुरा	12.90	36.60	10.51	24.83	86	12	98	106	26	132	849	240	1,089
6	वरेली	17.80	24.27	9.92	17.82	59	16	75	148	27	175	1,101	214	1,315
7	विजनाौर	14.90	28.35	10.58	20.17	59	13	72	38	40	78	621	248	869
8	बदायूं	16.46	18.19	5.85	12.66	37	11	48	73	55	128	843	303	1,146
9	मुरादाबाद	24.29	23.47	9.54	17.13	83	25	108	136	58	224	1339	325	1,664
10	पीलीभीत	7.52	24.14	7.78	16.73	15	3	18	64	41	105	486	161	647
11	रामपुर	9.01	17.70	7.17	12.90	25	9	34	45	18	63	456	150	606
12	शाहजहांपुर	12.86	24.09	8.31	17.09	27	10	37	103	51	154	971	217	1,188
13	मेरठ	33.67	38.21	16.01	28.14	216	58	274	225	99	324	1,715	532	2,247
14	बुलन्दशहर	20.73	32.81	9.16	21.92	154	19	173	91	51	142	1,030	334	1,364
15	मुजफ्फरनगर	18.02	30.93	12.65	22.64	73	18	91	101	61	162	870	556	1,426
16	सहारनपुर	20.55	31.53	13.52	23.41	86	24	110	132	74	206	1,030	369	1,399
17	इटावा	14.48	38.98	16.61	28.86	88	8	96	177	44	221	786	208	994
18	फर्रुखाबाद*	15.57	34.31	13.85	25.11	87	15	102	200	70	270	829	210	1,039
योग, पश्चिमी						1,427	308	1,735	2,451	988	3,439	16,863	5,046	21,909
1	लखनऊ	16.18	41.91	24.52	33.97	67	37	104	95	29	124	830	362	1,192
2	हरदोई	18.50	27.83	8.86	19.25	45	4	49	176	36	212	1,071	225	1,296
3	खीरी	24.87	21.41	6.40	14.63	33	5	38	84	45	129	1,016	189	1,205

4	रायवरेली	15.11	28.63	7.41	18.33	39	5	44	137	52	189	724	192	916
5	सीतापुर*	18.84	24.27	7.03	16.45	38	9	47	182	57	239	938	230	1,168
6	उन्नाव	14.84	29.00	9.09	19.63	45	6	51	165	44	209	956	168	1,124
7	बाराबंकी	16.36	21.65	5.54	14.25	32	2	34	92	51	143	1,025	297	1,322
8	फतेहपुर	12.78	31.71	8.90	20.90	57	4	61	116	53	169	658	171	829
9	कानपुर	29.96	45.77	25.37	36.63	108	34	142	317	137	454	1,566	496	2,062
योग, केन्द्रीय						464	106	570	1,364	504	1,868	8,784	2,330	11,114
ग्रान्ठ भारतीय विश्वविद्यालय						32	17	49	2	5	7	4	2	6
योग उत्तर प्रदेश		83,34,1144	31.50%	10.55%	21.70%	3,782	670	4,452	7,639	2,707	10,346	52,063	13,268	65,331

\*वर्ष 1973-74 के आंकड़े हैं।

\*\*वर्ष 1974-75 के आंकड़े हैं।

सारणी-18

30 सितम्बर, 1976 का जिलेवार संस्था के अनुसार छात्र संख्या

क्रम- संख्या	जनपद का नाम	उच्चतर माध्यमिक विद्यालय			सीनियर बेसिक स्कूल			जूनियर बेसिक स्कूल		
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	इलाहाबाद	89,423	10300	105923	42127	11107	53234	215623	140198	355821
2	आजमगढ़	71734	10971	82705	37457	3559	41016	280844	186471	467315
3	बहराइच	17779	3803	21582	17640	1127	18767	99633	99523	199156
4	बलिया	46966	5246	52212	38478	5769	44247	151219	99835	251054
5	बस्ती	60985	3866	64851	38876	8003	46879	279484	156001	435485
6	देवरिया	79080	6310	85590	54998	5803	60801	255760	222340	478100
7	फैजाबाद	41894	7266	49160	23433	4751	28184	211446	109375	320821
8	गाजीपुर	43473	4416	47889	25956	7997	33953	144856	94505	239361
9	गोण्डा	31241	4331	35572	18850	3844	22694	277093	128788	405881
10	गोरखपुर	101230	27694	128924	31897	5973	37870	275315	170918	446233
11	जौनपुर	62712	6005	68717	43352	5141	48493	168110	70498	238098
12	मिर्जापुर	26672	4056	30728	16087	3217	19304	139027	96739	235766
13	प्रतापगढ़	34390	2139	36529	22377	3341	25718	140018	85807	226825

	फानपुर	28648	2474	31122	30780	3167	33947	138973	62959	201932
15	वाराणसी	85161	20854	106015	51765	12722	64487	173959	68137	242096
	योग ..	821388	125931	947319	494073	85521	579594	2951360	1793094	4744454
16	अल्मोड़ा	25282	4987	30269	7746	2004	9750	54437	28677	83114
17	पिथौरागढ़	14726	3228	17954	6133	1299	7432	33496	19487	52983
18	देहरादून	24216	17868	42084	9023	5909	14932	59660	33091	92751
19	पौड़ी गढ़वाल	25551	4580	30131	8143	2616	10759	57800	40200	98000
20	चमोली	9680	1272	10952	2930	573	3503	25112	13717	38829
21	नैनीताल	21774	11228	33002	7523	5027	12550	50994	29456	80450
22	देहरी गढ़वाल	7462	1071	8533	5373	808	6181	30284	8259	38543
23	उत्तरकाशी	3117	502	3619	1514	168	1682	10715	4405	15120
	योग ..	131808	44736	176544	48385	18404	66789	322498	177292	499790
1	बांदा	21367	2857	24224	12173	1864	14037	93284	61613	154897
2	हमीरपुर	16239	2427	10666	5354	1504	6858	53112	30688	83800
3	जालौन	22939	3950	26889	17943	4092	22035	140990	37119	178109
4	झांसी	26811	7712	34523	6356	778	7344	62515	36777	99292
5	ललितपुर	5228	1963	7191	2551	750	3301	35350	22771	58121
	योग	92,584	18,909	1,11,493	44,587	8,988	53,575	385251	1,88,968	5,74,219

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	आगरा	63,455	33,056	96,511	72,273	39,212	1,11,485	1,99,265	96,018	2,95,283
2	अलीगढ़	75,806	18,684	94,490	27,201	7,004	34,205	2,02,408	1,13,530	3,15,938
3	बरेली	41,003	24,988	65,991	11,283	4,614	15,897	1,39,353	1,32,847	2,72,200
4	बिजनौर	36,730	10,234	46,964	6,101	4624,	10,725	1,03,246	59,146	1,62,392
5	बदायूं	22,933	7,060	29,993	9,559	1,371	10,930	1,731,25	81,510	2,54,635
6	बुलन्दशहर	91,368	17,035	1,08,403	12,048	3,093	15,141	1,44,817	49,819	1,94,636
7	एटा	38,999	7,352	46,351	19,544	3,134	22,678	1,18,587	65,666	1,84,253
8	इटावा	62,815	11,440	74,255	18,800	6,584	25,384	1,13,935	62,447	176382
9	फर्रुखाबाद	45,259	12,526	57,785	23,792	8,495	32,287	1,55,594	66,842	1,82,436
10	मैनपुरी	41,881	8,788	50,669	22,342	5,379	27,721	1,04,965	74,820	1,79,725
11	मथुरा	48,415	16,820	65,233	14,387	2,942	17,329	1,13,219	55,193	1,68,412
12	मेरठ	1,45,706	43,082	1,88,788	51,102	16,240	67,342	269096	1,33,933	4,03,029
13	मुरादाबाद	46,302	16,555	62,857	20,775	3,365	24,140	2,09,411	1,19,706	3,29,117
14	मुजफ्फरनगर	50,632	15,496	66,128	16,887	6,489	23,376	1,35,636	57,138	1,92,774
15	पीलीभीत	11,517	2,604	14,121	8,475	1,590	10,065	47,942	23,874	71,816
16	रामपुर	10,070	4,797	14,867	5,700	1,240	6,940	82,317	41,560	1,23,877
17	सहारनपुर	26,781	9,349	36,130	16,211	7,103	23,314	1,40,807	71,672	2,12,479
18	शाहजहाँपुर	15,234	7,025	22,259	14,862	4,092	18,954	94,731	56,038	1,50,769
	योग	8,74,906	2,66,891	11,41,797	3,71,342	1,26,571	4,91,913	25,08,394	13,61,759	38,70,153



1	बाराबंकी	19,861	1,881	21,742	11,633	1,770	13,403	1,12,574	88,747	2,01,321
2	फतेहपुर	17,659	1,154	18,813	27,179	5,332	32,511	85,236	56,581	1,41,181
3	हरदोई	28,065	2,229	30,294	27,935	4,453	32,388	1,23,090	72,285	1,95,375
4	कानपुर	87,946	40,717	1,28,663	82,969	38,747	1,21,716	2,02,817	1,36,962	3,39,779
5	खीरी	19,446	4,419	23,865	12,732	1,801	14,533	1,02,307	43,619	1,45,926
6	लखनऊ	48,603	27,923	76,526	14,411	6,233	20,644	1,31,154	91,842	2,22,996
7	रायबरेली	26,680	4,354	31,034	19,694	4,178	23,872	1,09,543	69,546	1,79,089
8	सीतापुर	25,541	5,947	31,488	16,828	4,104	20,932	1,46,244	91,821	2,38,065
9	उन्नाव	28,263	2,717	30,980	29,215	5,340	34,555	1,23,731	76,861	2,00,592
योग:		3,02,064	91,341	3,93,405	2,42,596	71,958	3,14,554	11,36,696	7,28,264	18,64,960
ग्रामल भारतीय विद्यालय		25,144	16,298	41,442	2,260	1,611	3,871	372	625	997
योग, उत्तर प्रदेश		22,47,894	5,64,106	2,81,2000	12,03,243	3,13,053	19,16,296	73,04,571	42,50,002	1,15,54,573

सारणी—19

30 सितम्बर, 1976 को जिलेवार संस्थानुसार अध्यापक संख्या

क्र० सं०	जनपद का नाम	उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में			सीनियर बेसिक स्कूलों में			जूनियर बेसिक स्कूलों में		
		पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	इलाहाबाद	3,124	783	3,907	1,187	576	1,763	5,197	1,587	6,784
2	अजमेर	2,794	203	2,997	1,889	297	2,186	7,681	1,102	8,783
3	बड़वाड़	608	110	718	4683	64	747	3,737	529	4,256
4	बलिया	1,734	107	1,841	1,182	247	1,429	4,221	727	4,948
5	बस्ती	2,439	107	2,546	1,013	191	1,204	6,697	699	7,396
6	देवरिया	3,020	107	3,127	1,735	190	19,25	6,693	1,205	7,898
7	फैजाबाद	1,637	237	1,874	1,072	163	1,235	48.14	793	5,607
8	गाजीपुर	1539	83	1,622	965	147	111,2	4,014	7 3	4,717
9	गोण्डा	1,182	173	1,355	675	112	787	4,330	425	4,755
10	गोरखपुर	3,176	481	3,657	1,280	265	1,545	6,276	1,284	7,560
11	जौनपुर	2,425	126	2,551	1,306	250	1,556	5,214	887	6,101
12	मिर्जापुर	850	118	968	685	270	955	3,451	957	4,408
13	प्रतापगढ़	1,240	43	1,283	716	131	847	3,687	346	4,033
14	सुल्तानपुर	1,062	74	1,136	1,009	171	1,180	4,442	537	4,979
15	वाराणसी	2,871	591	3,462	2,008	377	2,385	6,283	1,280	7,563
	योग . .	29701	3,343	33,044	17,405	3,451	20,856	76,727	13,061	89,788

16 अल्मोड़ा	1,282	164	1,446	481	109	590	2,571	507	3,078
17 पिथौरागढ़	733	91	824	437	30	467	1,510	333	1,843
18 देहरादून	776	747	1,523	342	162	504	1,119	421	1,540
19 पौड़ी गढ़वाल	1,088	139	1,227	573	116	689	2,144	370	2,514
20 चमोली	672	36	708	304	37	341	980	166	1,146
21 नैनीताल	933	400	1,333	522	184	706	1,979	304	2,223
22 टोहरी गढ़वाल	458	32	490	400	52	452	7,019	177	1,256
23 उत्तर काशी	239	25	264	195	10	205	466	52	518

योग .. 6,181 1,634 7,815 3,254 700 3,954 11,788 2,330 14,118

24 बांदा	783	95	878	805	145	950	3,275	402	3,677
25 हमीरपुर	652	104	756	227	95	322	2,223	415	2,638
26 जालौन	1,160	240	1,400	545	121	666	1,916	380	2,296
27 झांसी	941	271	1,212	338	111	449	2,010	363	2,373
28 ललितपुर	209	69	278	150	64	214	963	215	1,178

योग .. 3,745 779 4,524 2,065 536 2,601 10,387 1,775 12,162

29 आगरा	2,183	1,028	3,211	2,112	13,82	3,494	4,427	1,306	5,733
30 अलीगढ़	2,848	591	3,439	952	172	1,124	4,569	921	5,490
31 बरेली	1,323	375	1,698	752	229	981	3,021	565	3,586
32 बिजनौर	1,309	303	1,612	217	100	317	2,449	631	3,080
33 बदायूँ	780	212	992	551	115	666	3,447	754	4,201
34 कुलन्दशहर	3,420	435	3,855	524	187	711	4,733	731	5,464
35 एटा	1,389	203	1,592	784	164	948	3,075	472	3,547

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
36	इटावा	2,056	309	2,365	879	216	1,095	3,427	588	4,015
37	फर्रुखाबाद	1,847	372	2,219	1,023	293	1,316	3,611	798	4,409
38	मैनपुरी	1,548	177	1,725	807	163	970	3,206	476	3,682
39	मथुरा	1,879	251	2,130	697	144	841	3,041	632	3,673
40	मेरठ	5,057	1,363	6,420	1,405	540	1,945	7,385	1,927	9,312
41	मुरादाबाद	1,832	602	2,434	999	521	1,520	5,433	1,135	6,568
42	मुजफ्फरनगर	2,075	475	2,550	679	191	870	3,834	497	4,331
43	पीलीभीत	356	86	442	353	112	465	1,554	414	1,968
44	रामपुर	480	189	669	377	131	508	1,504	243	1,747
45	सहारनपुर	2,001	536	2,537	596	293	889	3,881	978	4,859
46	शाहजहाँपुर	557	242	799	537	114	651	2,480	439	2,919
	योग ..	32,940	7,749	40,689	14,244	5,067	19,311	65,077	13,507	78,584
47	बाराबंकी	603	44	647	437	96	533	3,507	426	3,933
48	फतेहपुर	1,150	58	1,208	576	83	659	2,857	420	3,277
49	हरदोई	815	144	959	1,173	232	1,405	4,381	701	5,082
50	कानपुर	3,164	1,151	4,315	2,343	1,536	3,879	5,351	3,143	8,494
51	खीरी	677	135	812	492	111	603	3,328	491	3,819
52	लखनऊ	1,788	1,221	3,009	554	287	841	3,566	1,682	5,248
53	रायबरेली	1,049	103	1,152	774	116	890	4,077	4,23	4,500
54	सीतापुर	817	186	1,003	1,133	243	1,376	3,270	618	3,888
55	उन्नाव	883	119	1,002	813	139	952	3,302	484	3,786
	योग ..	10,946	3,161	14,107	8,295	2,843	11,138	33,639	8,388	42,027
	प्रांगल भारतीय विद्यालय	441	1,098	1,539	25	124	149	3	58	61
	स्टेट यू०पी० योग	83,954	17,764	10,718	45,988	12,721	58,009	1,97,621	39,119	2,36,740

**भाग 2**

**उत्तर प्रदेश**

**में**

**प्राविधिक शिक्षा की प्रगति**

**1976-77**

प्राविधिक शिक्षा निदेशालय,  
उत्तर प्रदेश,  
कानपुर

## सामान्य पर्यवेक्षण

पांचवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ में प्राविधिक शिक्षा के विकास की विशेषता यह रही कि राष्ट्र हमों में समग्रानुकूल परिवर्तन करके उन्हें उद्योग आधारित तथा व्यवसायोन्मुख बनाया गया। इसके अतिरिक्त प्रदेश के पिछड़े क्षेत्रों में नई संस्थाओं की स्थापना कर क्षेत्रीय आवश्यकताओं की पूर्ति पर वन दिया गया। प्राविधिक शिक्षा के क्षेत्र में वर्ष 1976-77 में मुख्य तल वर्ष 1975-76 में खोली गई नई संस्थाओं के एकीकरण, गुणात्मक सुधार, नये प्रोडक्शन केन्द्रों की स्थापना, व टेक्नालाजी को ग्राम को ओर ले जाने पर दिया गया। वर्ष 1976-77 की दूसरी प्रमुख विशेषता 20 सूत्री कार्यक्रमों में प्राणानीत मफलता जिममें छात्रों को पुस्तकों की सुविधाये देना तथा मैनपावर सर्वेक्षण की आवश्यकता को ध्यान में रखकर सभी संस्थाओं द्वारा पिछले 10 वर्षों में पास किये छात्रों के सेवायोजन का सर्वेक्षण जो पहले कभी नहीं हुआ था। इसी वर्ष महोबा में एक नई बहुधन्धी संस्था की भी स्थापना की गई।

इस प्रकार 1976-77 में शिक्षा संस्थाओं के माध्यम से ग्रामीणों तथा समाज के अन्य कमजोर वर्ग को आर्थिक, शैक्षिक एवं प्रशिक्षणात्मक सहायता देकर प्रदेश में समाजवादी व्यवस्था लाने में माननीय प्रधान मंत्री जो द्वारा घोषित 20 सूत्रीय आर्थिक कार्यक्रम, को अमल में लाने की दिशा में प्राविधिक शिक्षा के क्षेत्र में पूरा प्रयास किया गया।

प्रखिय भारतीय प्राविधिक शिक्षा परिषद् की संस्तुति पर डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट स्तर पर प्राविधिक शिक्षा क सुव्यवस्थित विकास हेतु प्राविधिक शिक्षा निदेशालय की स्थापना वर्ष 1961-62 में हुई थी। इससे पूर्व यह विभाग उद्योग निदेशालय, उत्तर प्रदेश, कानपुर का एक अनुभाग मात्र था।

निदेशालय की स्थापना के बाद प्रदेश में प्राविधिक शिक्षा का विकास भारत सरकार की संस्तुतियों के अनुमार होता चला आ रहा है। प्राविधिक व्यक्तियों की कमी को पूरा कर सामूहिक एवं निजी क्षेत्रों को उपयुक्त कुशल एवं प्रशिक्षित व्यक्ति उपलब्ध कराने के निमित्त संस्थाओं का विस्तार, विकास तथा पुनर्गठन निरन्तर किया जा रहा है और उत्तर प्रदेश इस दिशा में देश में अग्रणी है।

वर्तमान समय में प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत निम्न प्रकार की संस्थायें चल रही हैं :

- 1--डिग्री स्तर के राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्थान।
- 2--बहुधन्धी संस्थायें एवं विशिष्ट पाठ्यक्रम सम्बन्धी संस्थायें।
- 3--राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय।

### डिग्री संस्थायें

आजादी के पूर्व केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त सम्पूर्ण प्रदेश में केवल एक ही इंजीनियरिंग कालेज था जो थामसन इंजीनियरिंग कालेज के नाम से विश्वविख्यात था और उसमें 65 छात्रों की सिविल, इलेक्ट्रिकल एण्ड मैकेनिकल इंजीनियरिंग में उच्च शिक्षा देने का प्रबन्ध था। इस इंजीनियरिंग कालेज को प्रथम पंचवर्षीय योजना में इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय में परिणित करके उसकी प्रवेश क्षमता 120 कर दी गई। इसके अलावा दूसरी संस्था एच० वी० टी० आई०, कानपुर थी जिसमें केवल टेक्नालाजी विषयों के अध्ययन की व्यवस्था थी। इस संस्था की प्रवेश क्षमता 27 थी। इसके बाद प्रथम पंचवर्षीय योजना में एक निजी इंजीनियरिंग कालेज, दयालबाग, आगरा की स्थापना हुई।

द्वितीय पंचवर्षीय योजना काल के उपरान्त राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्थान कानपुर, मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज, गोरखपुर तथा मोतीलाल नेहरू रीजनल इंजीनियरिंग कालेज, इलाहाबाद की स्थापना हुई और रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की में आर्किटेक्चरल एवं टेलीकम्युनिकेशन, इंजीनियरिंग विभागों की स्थापना की गई।

वर्ष 1966-67 में पंतनगर में पंत कालेज आफ टेक्नालाजी की स्थापना की गई। इस प्रकार तीसरी पंचवर्षीय योजना के अन्त तक रुड़की विश्वविद्यालय सहित डिग्री स्तर की संस्थाओं की संख्या 7 एवं उनकी प्रवेश क्षमता 1,105 हो गई जो वर्ष 1967-68 में बढ़ाकर 1,565 कर दी गई ताकि छात्रों का एक बड़ा समुदाय इस शिक्षा से लाभान्वित हो सके। बाद में इंजीनियरों में बेकारी की समस्या उत्पन्न हो जाने के कारण शासन के निर्णय पर 1968-69 से डिग्री पाठ्यक्रमों की प्रवेश क्षमता 1,565 से कम करके 980 कर दी गई।

डिग्री पाठ्यक्रमों के अलावा रुड़की विश्वविद्यालय तथा मोतीलाल नेहरू रीजनल इंजीनियरिंग कालेज, इलाहाबाद में विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा चुकी है। एच 0 वी 0 टी 0 आई 0, कानपुर और मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज, गोरखपुर में सेवारत इंजीनियरों की सुविधा के लिये ग्रंथकालीन स्नातकोत्तर कक्षाएँ चल रही हैं। परिणामस्वरूप अब प्रदेश विभिन्न इंजीनियरिंग विषयों में स्नातकोत्तर तथा पी 0 एच 0 डी 0 व्यक्तियों की मांग की पूर्ति के सम्बन्ध में आत्मनिर्भर हो गया है।

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना के दौरान डिग्री स्तर की कोई नई संस्था नहीं खोली गई थी किन्तु वर्तमान संस्थाओं में चल रहे डिग्री पाठ्यक्रमों के सुदृढ़ीकरण हेतु आवश्यक एवं अनावश्यक अनुदान का प्राविधान किया गया था और आवश्यकतानुसार नवीन पाठ्यक्रम आरम्भ किये गये थे।

वर्ष 1975-76 में मैनमेड फाइबर टेक्नालोजी में डिग्री स्तर का पाठ्यक्रम राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर में 10 की प्रवेश क्षमता से चलाया गया।

वर्ष 1976-77 से रुड़की विश्वविद्यालय के विज्ञान विभाग के विकास की एक बड़ी योजना कार्यान्वित की गई है जिसके अन्तर्गत इंजीनियरिंग एवं विज्ञान में अन्तर्क्रिया बढ़ाने के उद्देश्य से एवं विज्ञान के विशेषज्ञों की मांग की पूर्ति हेतु विभिन्न नये स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किये गये हैं। इसी वर्ष सुलतानपुर में एक इंजीनियरिंग कालेज की स्थापना की गई जिसमें सिविल, इलेक्ट्रिकल तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम चलाये गये। इसकी प्रवेश क्षमता 50 है। उपरोक्त के अलावा डिग्री स्तर की सभी इंजीनियरिंग संस्थाओं में औद्योगिक कन्सलटेन्सी सेन्टर भी स्थापित कर दिये गये हैं।

1976-77 में डिग्री स्तर की संस्थाओं की प्रवेश क्षमता 1,130 हो गई है। संस्थावार पाठ्यक्रमों का विवरण परिशिष्ट-1 में दिया हुआ है।

पांचवीं पंचवर्षीय योजना में समस्त डिग्री संस्थाओं के लिये 321.600 लाख रुपये का परिव्यय निर्धारित किया गया था जिसे योजना आयोग द्वारा पुनरीक्षित कर 254.500 लाख कर दिया गया है जिसमें वर्ष 1976-77 के लिये 55.270 लाख रुपये का बजट प्राविधान किया गया है।

राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर को छोड़कर अन्य सभी डिग्री स्तर की इंजीनियरिंग संस्थाएँ स्वयं अधिकार ग्रहीत हैं। राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर का प्रशासनिक नियंत्रण प्राविधिक शिक्षा निदेशालय कानपुर द्वारा होता है। वर्ष 77-78 से राजकीय चर्म संस्थान, कानपुर में 10 प्रवेश क्षमता से लेदर टेक्नालोजी में डिग्री पाठ्यक्रम चलाने का विचार है जिसे कुछ औपचारिकताओं की पूर्ति न होने के कारण 76-77 में चलाया न जा सका।

## डिप्लोमा स्तर

स्वतंत्रता के पूर्व उत्तर प्रदेश में सिविल इंजीनियरिंग स्कूल जो आजकल लखनऊ पालीटेकनिक, लखनऊ के नाम से जाना जाता है तथा हीवेट इंजीनियरिंग स्कूल जिसका नाम आजकल हीवेट पाली-टेकनिक है तथा रुड़की ओवर सियर स्कूल में डिप्लोमा स्तर तथा सर्टीफिकेट स्तर की पढ़ाई होती है। वर्ष 1950-51 में राज्य में डिप्लोमा प्रदान करने वाली 11 संस्थायें थी जिनमें से डिप्लोमा स्तर पर सिविल, इलेक्ट्रानिक्स, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, टेक्सटाइल केमिस्ट्री, टेक्सटाइल टेकनालाजी आदि की शिक्षा का प्रबन्ध किया गया था और 655 छात्रों के प्रवेश की व्यवस्था थी। प्रथम पंचवर्षीय योजना अवधि में इनके अतिरिक्त छात्रों के प्रवेश की व्यवस्था नहीं की गई किन्तु वर्तमान सुविधाओं को ही सुदृढ़ आधार प्रदान करने का प्रयास किया गया। इसके अतिरिक्त स्टाफ, साज-सज्जा और भवन आदि का प्रबन्ध किया गया।

दूसरी पंचवर्षीय योजना में बरेली, झांसी और खुर्जा में एक-एक पालीटेकनिक की स्थापना की गई। प्रत्येक में 120 छात्रों के प्रवेश की सुविधा थी। इनके अतिरिक्त चन्दौली, हन्डिया, नैनीताल, हाथरस में सिविल इंजीनियरिंग के स्कूल भी खोले गये। बाद में एम0 जी0 पाली टेकनिक, हाथरस का विस्तार कर वहां सिविल, इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई।

केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रारम्भ की गई एक और योजना के अन्तर्गत मिर्जापुर, फैजाबाद तथा कानपुर में भी एक-एक पालीटेकनिक खोलने की स्वीकृति दी गई थी जिनमें क्रमशः 120, 120 और 240 विद्यार्थियों के प्रवेश की व्यवस्था थी। इनके लिए कुछ साज-सज्जा भी खरीदी गई तथा भवन प्रादि के निर्माण का काम हाथ में लिया गया किन्तु प्रशिक्षण सम्बन्धी पूरी व्यवस्था न हो पाने के कारण ये संस्थायें दूसरी योजनावधि में काम प्रारम्भ नहीं कर सकी। वर्ष 1956-57 में इलाहाबाद में प्रिंटिंग टेकनालोजी इंस्टीट्यूट की स्थापना की गई।

द्वितीय पंचवर्षीय योजना में डिप्लोमा स्तर पर प्रशिक्षण सुविधाओं का जो प्रसार हुआ उसके फलस्वरूप 2,980 विद्यार्थियों के प्रवेश की व्यवस्था हो गई और संस्थाओं की संख्या वर्ष 1960-61 तक 27 हो गई।

तीसरी पंचवर्षीय योजना में शासन द्वारा पांच नये पालीटेकनिक स्वीकृत किये गये थे जिसके फलस्वरूप प्रवेश क्षमता में 660 विद्यार्थियों की वृद्धि हो गई। इनमें से चार संस्थायें बस्ती, गोण्डा और आजमगढ़ तथा एक मुरादाबाद में खोली गई। राजकीय बहुधन्धी संस्था, श्रीनगर (गढ़वाल) को योजनावधि में प्रारम्भ नहीं किया जा सका। इनके अतिरिक्त पहले से चली आ रही पालीटेकनिक संस्थाओं में भर्ती किये जा सकने वाले विद्यार्थियों की संख्या भी बढ़ाई गई। इसी अवधि में लखनऊ में महिलाओं को तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के निमित्त एक पालीटेकनिक खोला गया। इस पालीटेकनिक में इलेक्ट्रानिक्स, आर्कीटेक्चरल असिस्टेंटशिप, स्टैनोग्राफी और सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस में डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाये गये।

चमड़ा उद्योग को प्रोत्साहन प्रदान करने की दृष्टि से आगरा में लेंदर इंस्टीट्यूट की स्थापना की गयी और इसमें लेंदर टेकनालाजी (टेनिंग) तथा लेंदर गूडस मेन्यूफैक्चरिंग एवं फुटवियर टेकनालार्जा के दो डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये और इनकी प्रवेश क्षमता 30 रखी गई। स्वीडन सरकार की सहायता से सहारनपुर में एक स्कूल आफ पेपर टेकनालाजी स्थापित किया गया इसमें डिप्लोमा और सर्टीफिकेट स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण का प्रबन्ध है। इस स्कूल में 100 प्रशिक्षार्थियों के प्रवेश की व्यवस्था है। काम करने वाले श्रमिकों की सुविधा के लिये राजकीय पालीटेकनिक, कानपुर तथा हीवेट पालीटेकनिक, लखनऊ में सिविल, इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग का चार वर्षीय पार्ट टाइम डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया था। प्रत्येक संस्था की प्रवेश क्षमता 100 थी। राजकीय बहुधन्धी संस्था, लखनऊ तथा नैनीताल बहुधन्धी संस्था, नैनीताल में 1963-64 से



त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के स्थान पर सिविल, विद्युत एवं यांत्रिक अभियन्तण में द्विवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम चालू किया गया। टेक्निकल कालेज, दयालबाग, आगरा में आटोमोबाइल इंजीनियरिंग का एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी प्रारम्भ किया गया। इसमें प्रति वर्ष 30 छात्रों के प्रवेश की सुविधा रखी गई।

इस प्रकार तीसरी योजना की अवधि समाप्त होने तक प्रदेश में डिप्लोमा स्तर पर 4,860 विद्यार्थियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था हो गई। सन् 1966-67 में डिप्लोमा स्तर पर कोई नया पाली-टेकनिक नहीं खोला गया किन्तु सेन्ट्रल वर्किंग ग्रुप की सिफारिशों के अनुसार राजकीय पालीटेकनिक, कानपुर, फाँजाबाद, आजमगढ़, बरेली, झाँसी तथा मुरादाबाद एवं इलाहाबाद पालीटेकनिक, इलाहाबाद, डी० एन० पालीटेकनिक, मेरठ, के० ए० ल० पालीटेकनिक, रुड़की तथा लखनऊ पालीटेकनिक, लखनऊ में प्रवेश स्थानों में वृद्धि की गई जिसके फलस्वरूप प्रवेश क्षमता में 960 प्रवेश स्थानों की वृद्धि हुई और सन् 1966-67 के अन्त तक पालीटेकनिकों में विद्यार्थियों की प्रवेश क्षमता 4,860 से बढ़कर 5,690 हो गई।

राजकीय पालीटेकनिक, श्रीनगर (गढ़वाल) में वर्ष 1968-69 से प्रशिक्षण कार्य प्रारम्भ किया गया। प्रारम्भ में इस संस्था में 60 छात्रों के प्रवेश की व्यवस्था की गई थी। प्रशिक्षण सुविधायें पूर्ण रूपेण उपलब्ध हो जाने के बाद वर्ष 1974-75 में प्रवेश क्षमता 60 से 120 कर दी गई। वर्ष 1968-69 में डिप्लोमा स्तर पर 5,750 छात्रों को प्रवेश देने की व्यवस्था की गई।

चौथी पंचवर्षीय योजना में सिंचाई एवं विद्युत योजनाओं में विकास, सड़कों का निर्माण, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अन्य निर्माण कार्यों में वृद्धि, यातायात में भारी तथा हल्की गाड़ियों के अधिकाधिक उपयोग डीजल तथा पेट्रोल इंजिनों का अधिकाधिक प्रयोग, खाद्य उद्योग को एयर कंडीशनिंग एवं रेफ्रिजेशन में कुशल तकनीकियों की आवश्यकता, रेडियो, ट्रांजिस्टर तथा टेलीविजन का उपयोग दिन प्रतिदिन बढ़ने के कारण परम्परागत पाठ्यक्रमों की प्रवेश क्षमता में वृद्धि न करके उद्योगों की आवश्यकतानुसार आटोमोबाइल इंजीनियरिंग तथा रेफ्रिजेशन एवं एयरकंडीशनिंग इलेक्ट्रानिक्स तथा एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग आदि के नये डाइवर्सिफाइड डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाये गये। चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में डिप्लोमा स्तर पर प्रवेश क्षमता 6,240 थी। इस योजना काल में वर्षवार निम्न डिप्लोमा एवं पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाये गये:

क्रम- संख्या	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि (वर्ष)	प्रवेश क्षमता
1970-71				
1	इलाहाबाद पाली०, इलाहाबाद ..	डिजाइन एवं ड्राफ्टिंग (पोस्ट डिप्लोमा)	1	10
2	राजकीय पाली०, गोरखपुर ...	इलेक्ट्रानिक्स केमिकल आपरेटर	3 4	30 30
3	राजकीय पाली०, कानपुर ..	इंस्ट्रुमेंट टेकनालाजी (पोस्ट डिप्लोमा)	1	10
4	पी० एम० वी० पाली०, मथुरा ..	आटोमोबाइल इंजीनियरिंग (पी० डि०)	1	10

क्रम- संख्या	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि (वर्ष)	प्रवेश क्षमता
1971-72				
1	राजकीय पालीटेकनिक, कानपुर } के० एल० पाली०, रुड़की } लखनऊ पालीटेकनिक, लखनऊ }	इलेक्ट्रानिक्स	3	30 प्रति संस्था
2	राजकीय पालीटेकनिक, लखनऊ . . बरेली, झांसी ।	आटोमोबाइल इंजी०	3	30 प्रति संस्था
3	इलाहाबाद पाली०, इलाहाबाद . .	रेफ्रीजरेशन एवं एयरकंडीश- निंग (पी० डि०)	1	10
1972-73				
1	पी० एम० वी० पाली०, मथुरा . .	आटो इंजीनियरिंग	3	30
2	राजकीय पालीटेकनिक, खुर्जा . .	ग्लास एवं सिरैमिक्स टेकना- लाजी ।	3	30
3	राजकीय महिला पाली०, लखनऊ . .	कास्ट्यूम डिजाइन एवं ड्रेस मेकिंग ।	3	30
4	राजकीय पाली०, बरेली । . .	रेफ्रीजरेशन एवं एयर कंडी० (पोस्ट डिप्लोमा)	1	10
5	डी० एन० पाली०, मेरठ । . .	तदेव	1	10
6	राजकीय पालीटेकनिक, झांसी . .	इलेक्ट्रानिक्स	3	30
7	नैनीताल पालीटेकनिक, नैनीताल . .	कामशियल प्रैक्टिस	2	30
1973-74				
1	इलाहाबाद पालीटेकनिक, इलाहा- बाद ।	1--प्रोडक्शन इंजीनियरिंग 2--कामशियल प्रैक्टिस 3--आटो० इंजी० 4--कास्ट्रेक्शन टेकनालाजी 5--इस्ट्रूमेंटेशन एवं कंट्रोल	3 2 3 3 3	30 30 30 30 30
2	चन्दौली पालीटेकनिक, चन्दौली . .	एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग	3	30
3	एम० जी० पालीटेकनिक, हाथरस . .	इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रानिक्स (पोस्ट डिप्लोमा)	1	10
4	राजकीय पालीटेकनिक, गोरखपुर . .	रेफ्रीजरेशन एवं एयर कंडी- निंग (पी० डि०)	1	10
5	राजकीय पालीटेकनिक, मिर्जापुर . .	इण्डस्ट्रियल इंजीनियरिंग (पोस्ट डिप्लोमा)	1	10

डिप्लोमा स्तर की योजना जो तृतीय पंचवर्षीय योजना में चालू की गई थी और योजनाकाल में पूरी नहीं हो सकी थी उनके लिये चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में बहुधन्धी संस्थाओं में एकीकरण योजना के अन्तर्गत साज-सज्जा तथा भवन निर्माण का प्राविधान किया गया। परम्परागत पाठ्यक्रमों (सिविल इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल) को उद्योगों के लिये उपयोगी बनाने के उद्देश्य से उनमें प्रयोगात्मक प्रशिक्षण को बढ़ाया गया और इलेक्टिव विषयों का समावेश किया गया। इस पुनरीक्षित पाठ्यक्रम को वर्ष 1969-70 से चालू किया गया।

वर्ष 1974-75 में भी नई बहुधन्धी संस्थायें स्थापित नहीं की गईं परन्तु उद्योग आधारित निम्न डाइवर्सिफाइड डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाये गये और प्रवेश क्षमता 6,240 से बढ़कर 6,540 हो गई।

संस्था का नाम	पाठ्यक्रम का नाम	प्रवेश क्षमता
1 राजकीय पाली 0, श्रीनगर (गढ़वाल) } 2 टाउन पालीटेकनिक, बलिया । }	आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	30 प्रति संस्था
3 गांधी पालीटेकनिक, मुजफ्फरनगर . .	आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	30
4 नैनीताल पालीटेकनिक, नैनीताल . .	इलेक्ट्रानिक्स	30
5 इलाहाबाद पालीटेकनिक, इलाहाबाद . .	1—पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग 2—टूल इंजीनियरिंग 3—प्लास्टिक इंजीनियरिंग	30 30 30
6 एम 0 जी 0 पालीटेकनिक, हाथरस . .	रेफ्रीजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग	30

वर्ष 1975-76 में प्रदेश के पिछड़े मैदानी एवं पर्वतीय क्षेत्रों में प्राविधिक शिक्षा के प्रसार हेतु मैदानी क्षेत्र में दो सहायता प्राप्त बहुधन्धी संस्थायें महमूदाबाद (सीतापुर) तथा रायबरेली में तथा पर्वतीय क्षेत्र में पांच राजकीय बहुधन्धी संस्थायें काशीपुर (नैनीताल), द्वारा हाट (अल्मोड़ा), नरेन्द्र-नगर (टिहरी गढ़वाल), उत्तर काशी तथा लोहाघाट (पिथौरागढ़) में स्थापित की गईं। इन पाली-टेकनिकों में क्षेत्रीय आवश्यकतानुसार लड़कों तथा महिलाओं के लिए नये पाठ्यक्रमों का समावेश किया गया है। पाठ्यक्रमों का विवरण परिशिष्ट 2 में उल्लिखित है।

इन संस्थाओं के अतिरिक्त गाजियाबाद में महिलाओं के लिये एक प्राइवेट पालीटेकनिक सेठ जय प्रकाश ट्रस्ट द्वारा स्थापित किया गया है जिसे वर्ष 1977-78 से अनुदानित संस्था में परिवर्तन करने का विचार है। निम्न संस्थाओं में उनके सम्मुख उल्लिखित नये डाइवर्सिफाइड पाठ्यक्रम भी चलाये गये:

संस्था का नाम	पाठ्यक्रम का नाम	प्रवेश क्षमता
1 इलाहाबाद पालीटेकनिक, इलाहाबाद	1—ट्यूबवेल इंजीनियरिंग 2—सेल्समैन शिप 3—मैटेरियल मैनेजमेन्ट 4—रेफ्रीजरेशन एवं एयर कंडी 0	30 20 20 30
2 राजकीय पालीटेकनिक, गोरखपुर	1 रेफ्रीजरेशन मैकेनिक (प्रमाण-यत्न स्तर)	20
3 एम 0 जी 0 पालीटेकनिक, हाथरस . .	1 तदेव	20
4 एम 0 जी 0 पालीटेकनिक, हाथरस . .	2 इलेक्ट्रानिक्स में तीन वर्षीय डिप्लोमा	30

इस प्रकार वर्ष 1975-76 में डिप्लोमा संस्थाओं की संख्या 34 से बढ़कर 41 हो गई और इनकी प्रवेश क्षमता बढ़कर 6,540 हो गई ।

वर्ष 1976-77 में प्रदेश के बुन्देलखण्ड में क्षेत्रीय आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु महोबा (हमीरपुर) में एक राजकीय पालीटेकनिक की स्थापना शासनविश्व संख्या 4136 ईडी/18 घ-146 (एम) ईडी/1976 दिनांक 22-7-76 द्वारा की गई है जिसमें इलेक्ट्रानिक्स, इलेक्ट्रीकन इंजीनियरिंग तथा आटोमोबाइल इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाये गये । इस पालीटेकनिक की प्रवेश क्षमता 90 है । इसके अतिरिक्त निम्न नये डाइवर्सिफाइड पाठ्यक्रम वर्ष 1976-77 में चलाये गए :

1—राजकीय महिला पाली 0, लखनऊ	आर्किटेक्चरल असिस्टेन्टशिप	30 प्रवेश क्षमता
2—एम 0 जी 0 पालीटेकनिक, हाथरस	कृषि अभियंत्रण	30 ,,
3—फिरोजगांधी पालीटेकनिक, रायबरेली	स्टेनोग्राफी एवं सेक्रे 0 प्रैक्टिस	30 ,,
4—राजकीय पालीटेकनिक, काशीपुर (नं नीताल)	आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	30 ,,
5—जवाहरलाल नेहरू पालीटेकनिक, महमूदा- बाद (सीतापुर)	1—इलेक्ट्रानिक्स में डिप्लोमा	30 ,,
	2—मोटर मैकेनिक (प्रमाण-पत्र)	20 ,,
6—गांधी पालीटेकनिक, मुजफ्फरनगर	1—स्टेनोग्राफी एवं सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस में डिप्लोमा ।	30 ,,

इस प्रकार वर्ष 1976-77 में डिप्लोमा स्तर की संस्थायें 42 और इनकी प्रवेश क्षमता 6,540 से बढ़कर 8,080 हो गई परन्तु कुछ पाठ्यक्रम वर्ष 76-77 में प्रारम्भ न होने के कारण वास्तविक प्रवेश क्षमता 7,480 ही रही । इस प्रवेश क्षमता में सेठ जयप्रकाश मुकुन्द नाल गर्ल्स पालीटेकनिक, गाजियाबाद की क्षमता सम्मिलित नहीं है ।

महिलाओं तथा समाज के अन्य कमजोर वर्ग के छात्रों को प्रशिक्षण सुविधायें उपलब्ध कराकर उनके आर्थिक स्तर को ऊंचा उठाने का प्रयास किया गया । रायबरेली तथा महमूदाबाद में तकनीकी प्रदर्शनियों का आयोजन कर उद्योगों एवं तकनीकी संस्थाओं को निकट लाने का प्रयास किया गया ।

### माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय

उद्योगों को विकसित मस्तिष्क वाले श्रेणी के युवा कुशल कारीगरों को उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से माध्यमिक तकनीकी स्कूलों का कार्यक्रम भारत सरकार के वैज्ञानिक शोध एवं सांस्कृतिक मामलों के मन्त्रालय द्वारा प्रारम्भ किया गया था तदनुसार वर्ष 1959-60 में दौराला, गाजीपुर, जौनपुर, झांसी तथा इलाहाबाद में जूनियर टेकनिकल स्कूलों की स्थापना की गई जिनका नाम बाद में राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय कर दिया गया । प्रत्येक विद्यालय की प्रवेश क्षमता 60 थी ।

तृतीय पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत 8 अतिरिक्त माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, लखनऊ, बरेली, मिर्जापुर, आजमगढ़, फैजाबाद व गोरखपुर, गोण्डा एवं मुरादाबाद में राजकीय बहुधन्वी संस्थाओं से सम्बद्ध करके खोले गये ।

हिन्दी, अंग्रेजी, गणित तथा विज्ञान विषयों के अतिरिक्त इन संस्था में मशीनशाप, फिटिंग, टर्निंग, ब्लैक स्मिथ, मोल्डिंग, वल्डिंग, कारपन्ट्री तथा शीटमेटल टूडर्स में 3 वर्षीय क्राफ्ट्समैन स्तर के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम पर प्रशिक्षण दिया जाता है । तृतीय पंचवर्षीय योजना के अन्त में इन संस्थाओं की संख्या 13 तथा प्रवेश क्षमता 780 थी ।

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में कोई राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय नहीं खोला गया। इन विद्यालयों में चल रहे पाठ्यक्रमों को हाई स्कूल के समकक्ष मान्यता प्राप्त न होने एवं नेशनल अप्रेंटिसशिप ऐक्ट के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त न होने और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में सेवा आदि की कठिनाइयों से प्रदेश में कमी आ जाने के कारण वर्ष 1970-71 से शासन द्वारा बन्द करने का निर्णय लिया गया। हाई स्कूल के समकक्ष तथा नेशनल अप्रेंटिसशिप के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त होने के दृष्टिकोण से इस विषय पर विचार किया गया और वर्ष 1972-73 से राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, जौनपुर को छोड़कर 12 राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय पुनः चालू किये गये। राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, जौनपुर वर्ष 1972-73 में ही कृषि विभाग को हस्तान्तरित कर दिया गया। इन विद्यालयों को अधिक उपयोगी बनाने हेतु पाठ्यक्रमों में कुछ संशोधन किये गये हैं जिनमें इलेक्ट्रीशियन ट्रेड का समावेश व विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना प्रमुख है।

इस प्रकार चौथी पंचवर्षीय योजना के अन्त में इन विद्यालयों की संख्या घटकर 12 रह गई परन्तु इनकी प्रवेश संख्या 780 के स्थान पर 1120 हो गई है क्योंकि मोटर मैकेनिक, रेफ्रीजरेशन मैकेनिक, पम्प मैकेनिक, फार्म मैकेनिक के सर्टिफिकेट स्तर के नये पाठ्यक्रम कुछ संस्थाओं में चलाये गये हैं।

### अंशकालीन पाठ्यक्रम

नीकरी पेशा कारीगरों के ज्ञानवर्धन एवं उद्योगों को कुशल कारीगर उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से प्रारम्भ में हीवेट पालीटेकनिक, लखनऊ तथा राजकीय पालीटेकनिक, कानपुर में सिविल, इलेक्ट्रिकल तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 4 वर्षीय अंशकालिक पाठ्यक्रम राज्य की वित्तीय सहायता से प्रारम्भ किये गये थे जिन्हें बाद में बन्द कर दिया गया। वर्ष 1974-75 में प्रदेश की कई अन्य संस्थाओं में यह पाठ्यक्रम स्वावलम्बी आधार पर प्रारम्भ किये गये। इन पाठ्यक्रमों की क्षायें शाम को लगती हैं जिनमें अधिक संख्या में कारीगर प्रशिक्षण ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण से कारीगरों की कार्यकुशलता में वृद्धि ही नहीं होती अपितु जहां पर वह कार्य करते हैं उनमें उन्हें प्रोन्नति के अवसर भी मिलते हैं। इस समय ये पाठ्यक्रम निम्नलिखित संस्थाओं में चल रहे हैं :—

- 1—राजकीय पालीटेकनिक, लखनऊ।
- 2—लखनऊ पालीटेकनिक, लखनऊ।
- 3—राजकीय पालीटेकनिक, कानपुर।
- 4—के 0 एल 0 पालीटेकनिक, रुड़की।
- 5—राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर।

वर्ष 1976-77 में यह पाठ्यक्रम हीवेट पालीटेकनिक, लखनऊ में भी चलाया गया।

### प्रशिक्षण युक्त उत्पादन केन्द्र

प्राविधिक शिक्षा संस्थाओं में छात्रों को उद्योगों के निकट लाने, संस्थाओं में औद्योगिक वातावरण तैयार करने व संस्थाओं के कर्मचारियों को उत्पादन कार्य में लगाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण युक्त उत्पादन केन्द्रों की कुछ संस्थाओं में स्थापना की गई है। यह केन्द्र मुख्य रूप से रिपेयर आदि के जाव कार्य व साथ ही साथ नये कार्य भी लेते हैं। राजकीय पालीटेकनिक, कानपुर में एक कोल्ड स्टोरेज का निर्माण छिब्रामऊ (फर्रुखाबाद) में किया है तथा गंगापुल, जाजमऊ की रोलिंग तथा ड्रेनेज स्पाउट्स बनाने का भी कार्य किया है। राजकीय पालीटेकनिक, लखनऊ में स्टील फैब्रिकेशन का कार्य चल रहा है। लखनऊ पालीटेकनिक, लखनऊ तथा इलाहाबाद पालीटेकनिक, इलाहाबाद में एग्रीकलचरल इम्प्लीमेंट्स का प्रोडक्शन कार्य हो रहा है। राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्था, कानपुर ने कपड़ा बनाने तथा राजकीय चर्म संस्था, कानपुर ने लेदर गुड्स के उत्पादन का कार्य किया है।

## शिक्षक प्रशिक्षण योजना

प्राविधिक शिक्षा के क्रमिक विकास के साथ-साथ उचित स्तर के डिप्लोमा संस्थाओं के अध्यापकों की उपलब्धता में कठिनाई का अनुभव किया गया जिसकी पूर्ति के लिए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा देश के उत्तरी क्षेत्र चण्डीगढ़ में टीचर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना की गई। उन संस्था में पालीटेकनिकों के अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए 28 स्थानों का प्राविधान है।

इस इंस्टीट्यूट में वर्ष 1967-68 से अब तक प्रशिक्षण पाये हुए अध्यापकों की संख्या निम्नवत् है :-

1967-68	..	..	..	..	18
1968-69	..	..	..	..	15
1969-70	..	..	..	..	13
1970-71	..	..	..	..	13
1971-72	..	..	..	..	12
1972-73	..	..	..	..	28
1973-74	..	..	..	..	28
1974-75	..	..	..	..	5
1975-76	..	..	..	..	16
1976-77	..	..	..	..	30

इस दीर्घकालीन प्रशिक्षण के अतिरिक्त वर्ष 1976-77 में राजगिरा पाली टेकनिक, कानपुर में रेफीजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग तथा एम0जी0 पालीटेकनिक, हाथरस में कंक्रिट टेकनालाजी में अल्पकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाये गये जिनमें क्रमशः 12 एवं 13 अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया। अभी तक प्रदेश में लगभग 725 शिक्षकों को अल्पकालीन प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

## औद्योगिक प्रदर्शनियों का आयोजन

प्रदेश की तकनीकी शिक्षा के विकास के साथ औद्योगिक विकास सम्बद्ध है। अतः तकनीकी शिक्षा तथा उद्योगों के विकास के लिये दोनों में समन्वय होना आवश्यक है। प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनियों का आयोजन के माध्यम से इस लक्ष्य की पूर्ति होना संभव है। प्रदर्शनियों में संस्थाओं की नई तकनीक तथा उद्योगों के उत्पादन का प्रदर्शन करके उद्योगों एवं तकनीकी शिक्षा पद्धति में सामंजस्य स्थापित करना सम्भव होगा।

इसी उद्देश्य से वर्ष 1974 में इलाहाबाद बहुबंधी संस्था, इलाहाबाद में टेकनो "74" इण्डस्ट्रियल एवं टेकनालजिकल प्रदर्शनी" 1975-76 में लखनऊ में टेकनो 75 प्रदर्शनी आयोजित की गई थी।

वर्ष 1976-77 में फिरोज गांधी पालीटेकनिक के शिलान्यास के अवसर पर एक तकनीकी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था जिसमें प्रदेश की विभिन्न इंजीनियरिंग एवं पालीटेकनिक संस्थाओं में भाग लिया। वर्ष 1976-77 में ही जवाहर लाल नेहरू पालीटेकनिक, महमूदाबाद (सीतापुर) में भी एक तकनीकी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

## टेकनालोजी को ग्रामीणों के लाभ हेतु गांव तक ले जाना

पिछले 25 वर्षों में देश में तकनीकी व टेकनालजिकल विकास तो हुआ है पर इससे ग्रामीण जनता को वांछित लाभ नहीं पहुंचा है। टेकनालोजी के गांवों तक लाने का उद्देश्य की पूर्ति हेतु वर्ष 1976-77 में यह निर्णय लिया गया कि प्रत्येक संस्था अपने पास के दो ग्रामों के विकास को योजना बनाय और वहां की सड़कों की मरम्मत, सस्ते व स्वच्छ शौचालय, गोबर गैस प्लान्ट, कुटीर उद्योगों की स्थापना की और सक्रिय कार्यवाही कर और साथ ही साथ संस्था के अधिकारी को प्रसार अधिकारी नामांकित करे। इसी उद्देश्य से डिप्लोमा की अन्तिम वर्ष की कक्षाओं की परीक्षा में निर्धारित प्रोजेक्ट को भी ग्रामीण आधारित रखने का निर्णय लिया गया है।

इस योजना में राजकीय पालीटेकनिक, कानपुर ने अमलिहा ग्राम, राजकीय पालीटेकनिक, लखनऊ ने खड़कपुर फरीदी ग्राम तथा इलाहाबाद पालीटेकनिक, इलाहाबाद ने कोदसर, गो रई, काजी गंज, सीनेट तथा तहटा ग्रामों में अपनी योजना के अनुसार कार्य प्रारम्भ कर दिया, बाकी पालीटेकनिकों ने ग्रामों का चुनाव कर लिया है और कार्य प्रारम्भ कर रहे हैं। विभिन्न संस्थाओं द्वारा चुने हुए गांवों का विवरण निम्नलिखित है :—

क्रम-संख्या	संस्था का नाम	प्रसार हेतु अग्रगण्य जाने वाले ग्रामों का नाम
1	2	3
1	राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर	.. सौरा, जिला उन्नाव ।
2	राजकीय चर्म संस्था, आगरा	.. 1 गढ़ी चंदनी 2 गढ़ी हुसेनी ।
3	राजकीय पालीटेकनिक, कानपुर	.. अमलिहा ।
4	राजकीय पालीटेकनिक, गोरखपुर	.. 1 ब्रह्मपुर । 2 मुंडेरी (विचाराधीन) ।
5	राजकीय पालीटेकनिक, बरेली	.. 1 खराना । 2 मथुरापुर ।
6	राजकीय पालीटेकनिक, झांसी	.. 1 अम्बावाय 2 ईसागढ़ ।
7	राजकीय पालीटेकनिक, मुरादाबाद	.. 1 प्रेम नगर 2 मोरा ।
8	राजकीय पालीटेकनिक, आजमगढ़	.. सूचना अपेक्षित ।
9	राजकीय चर्म संस्थान, कानपुर	.. 1 उत्तरीपूरा 2 सिंहपुर 3 मसवानपुर ।
10	राजकीय पालीटेकनिक, लखनऊ	.. 1 खरकपुर 2 फरीदी नगर ।
11	राजकीय पालीटेकनिक, फैजाबाद	.. 1 मिर्जापुर 2 मुमताज नगर ।
12	राजकीय पालीटेकनिक, बस्ती	.. 1 जिगिना 2 धरमुयिग्रा ।
13	राजकीय पालीटेकनिक, उत्तरकाशी	.. 1 जोशियाड़ा 2 कन्सेण ।
14	राजकीय पालीटेकनिक, महोबा (हमीरपुर)	.. 1 लाडपुर 2 हुल रहाड़ ।
15	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, इलाहाबाद	.. 1 नारी बारी 2 इस्त बारी ।
16	रा० मा० प्रा० विद्यालय, गाजीपुर	.. 1 गंगा बिशुनपुर 2 युव रांगसुर ।

1	2	3
17	राजकीय मा० प्रा० विद्यालय, दौराला (मेरठ)	.. 1 इकलोटा 2 मोहम्मदपुर ।
18	सेठ गंगासागर जटिया पाली०, खुर्जा	.. 1 करोरा 2 नंगला शेलू ।
19	हीवेट पालीटेकनिक, लखनऊ ..	.. 1 बाघा
20	इलाहाबाद पालीटेकनिक, इलाहाबाद ..	.. 1 कोरसण्ड 2 सेवइत 3 गोहरी 4 हाजीगंज 5 बादलपुर 6 लेहरी 7 बाजीराबाद
21	के० एल० पालीटेकनिक, षड़की ..	.. 1 सुनहरा 2 रामपुर ।
22	एम० जी० पालीटेकनिक, हाथरस ..	.. 1 गढ़ी तमना 2 लहरा ।
23	पी० एम० वी० पालीटेकनिक मथुरा ..	.. 1 जयसिक पुरा 2 धीरेरा ।
24	डी० एन० पालीटेकनिक, मेरठ ..	.. 1 परतापुर 2 कुण्डा ।
25	नैनीताल पालीटेकनिक, नैनीताल ..	.. 1 नारायननगर 2 खुरपाताल ।
26	चन्दौली पालीटेकनिक, चन्दौली ..	.. 1 फगड़या
27	गांधी पालीटेकनिक, मुजफ्फरनगर ..	.. 1 कुदड़ा 2 कुकड़ी ।
28	एम० पी० पालीटेकनिक, गोरखपुर ..	.. 1 पहन विचाराधीन 2 बनकव्वा 3 वरगढ़वा 4 मंगल बहादुर अली ।
29	डी० जे० पालीटेकनिक, बड़ौत (मेरठ)	.. 1 लोहइहा 2 बड़का ।
30	टेक्नीकल कालेज, दयालबाग, आगरा ..	.. 1 जगनपुर 2 तलफकी का नगला ।
31	जवाहरलाल नेहरू पाली०, महमूदाबाद (सीतापुर) ।	.. 1 सहजनियां 2 महमूदाबाद ।
32	फिरोज गांधी पालीटेकनिक, रायबरेली ..	.. 1 रायपुर ।
33	स्कूल आफ पेपर टेकनालाजी, सहारनपुर ..	.. 1 दाव को जनारदार 2 पवारका ।



पालीटेकनिकों एवं अन्य प्राविधिक शिक्षा संस्थाओं में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के छात्रों को निःशुल्क शिक्षा, आवाम और पुस्तकीय महायता की सुविधायें उपलब्ध कराई गईं ।

प्रदेश में महिलाओं के लिये प्राविधिक शिक्षा, उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सर्वप्रथम 1963-64 में राजकीय महिला पालीटेकनिक, लखनऊ की स्थापना की गई थी जिसमें इलेक्ट्रानिक, स्टेनोग्राफी, एवं मैक्रोटैरियल प्रैक्टिस तथा आर्कीटेक्चरल अभिस्टेन्टशिप डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का समावेश किया गया । तकनीकी शिक्षा के प्रति महिलाओं की बढ़ती हुई रुचि का देखते हुए प्रदेश में अतिरिक्त महिला पालीटेकनीकों की आवश्यकता का अनुभव पिछले कई वर्षों में किया जा रहा था । फिरोजगांधी पालीटेकनिक, रायवरेली, जवाहरलाल नेहरू पालीटेकनिक, महमूदाबाद (सीतापुर), राजकीय पालीटेकनिक, देहरी गढ़वाल, उत्तरकाशी और द्वारा हाट (अल्मोड़ा) में भी महिलाओं के प्रशिक्षण के लिए पाठ्यक्रम चलाये गये । वर्ष 1976-77 में भी प्रदेश की महिलाओं को प्राविधिक शिक्षा के प्रशिक्षण में समुचित सुविधा प्रदान की गई है ।

### गुणात्मक सुधार

आकस्मिक व्यय में अभी तक शासन द्वारा 100 रुपये प्रति छात्र प्रतिवर्ष स्वीकृत किया जाता था जिसमें प्रशिक्षण को सुचारूप में चलाने में कठिनाई होती थी । इस कठिनाई को ध्यान में रखते हुए शासन ने वर्ष 1976-77 में उपरोक्त दर को 100 रुपये से बढ़ाकर 165 रुपये प्रति छात्र प्रतिवर्ष स्वीकृत किया है और आशा है इस बढ़ोतरी में प्रशिक्षण में गुणात्मक सुधार होगा । साथ ही साथ संस्थाओं के निरीक्षण पर अधिक से अधिक बल देने के उद्देश्य में निदेशालय के सुदृढीकरण के प्रस्ताव शासन के विचाराधीन हैं ।

### शिक्षा का व्यवसायीकरण

सामान्य शिक्षा में स्नातकों में बढ़ती हुई बेरोजगारी को देखते हुए सामान्य शिक्षण संस्थाओं में कुछ तकनीकी पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की एक योजना विचाराधीन है । इस योजना के अन्तर्गत छात्रों की संस्थाओं में कामशियल प्रैक्टिस, विजनेस मैनेजमेन्ट, तथा इलेक्ट्रानिक्स आदि पाठ्यक्रम तथा महिला संस्थाओं में कास्ट्यूम डिजाइन एवं ड्रेस मेकिंग अथवा स्टेनोग्राफी एवं सेक्रेटैरियल प्रैक्टिस पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने का सुझाव है ।

### हिन्दी पाठ्य पुस्तकों का प्रकाशन

तकनीकी संस्थाओं के छात्रों द्वारा पाठ्यक्रम एवं प्रशिक्षण को भली भांति समझ पाने के लिए हिन्दी भाषा में विभिन्न विषयों की पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिये त्वरित गति से कार्यवाही एवं सम्यक् प्रगति के लिये निदेशक प्राविधिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में हिन्दी बहु-विषयक नामिका की बैठक दिनांक 8-2-77 को निदेशालय प्राविधिक शिक्षा, कानपुर में सम्पन्न हुई जिसमें उपनिदेशक, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली, निदेशक, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, 30 प्र० लखनऊ, निदेशक प्रशिक्षण एवं सेवायोजन 30 प्र०, लखनऊ के प्रतिनिधि सहित निदेशालय के अन्तर्गत संस्थाओं के विषय विशेष के ज्ञाता प्रधानाचार्यों एवं निदेशालय के अधिकारियों ने भाग लिया ।

सुचारूप से इंजीनियरिंग विषयों की हिन्दी किताब लेखन को प्रारम्भ किये जाने के दृष्टिकोण से उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के तत्वावधान में राजकीय पालीटेकनिक, कानपुर में दिनांक 10 से 15 मई, 1977 तक एक वर्कशॉप होगी जिसमें इंजीनियरिंग मेटैरियल विषय पर एक पुस्तक लिखाने का प्रयास किया जायगा । इसके अतिरिक्त केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय द्वारा प्राप्त कापीराइट की तीन पुस्तकों के अनुवाद हेतु अनुवादक अध्यापकों का चयन किया गया ।

## बहुधंधी संस्थाओं से पास किये छात्रों के सेवायोजन का अध्ययन

प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत विभिन्न तकनीकी संस्थाओं के उत्तीर्ण छात्रों की सेवा-योजन स्थिति की जानकारी रखने, अर्ध रोजगार में लगे हुए तथा बेरोजगार छात्रों को रोजगार दिलाने की व्यवस्था हेतु फाखी अप रिकार्ड संस्थाओं द्वारा अप-ट्रू-डेट करने के दृष्टिकोण से इस दिशा में कार्यवाही की प्रगाढ़ता के लिए संस्थाओं को विगत 10 वर्षों के रिकार्ड तैयार करने के निर्देश दिए गए। डी० एन० पालीटेकनिक, मेरठ तथा टैकिनकल कालेज, दयालबाग, आगरा द्वारा इस विषयक उपलब्ध सूचना को संकलित कर पुस्तिका रूप में तैयार किया है। अन्य संस्थाओं द्वारा भी सूचना एकत्र एवं संकलित की जा रही है।

बेरोजगार छात्रों को रोजगार में लगाने हेतु तथा इस कार्य के लिए विभिन्न उद्योगों से एवं अन्य सरकारी विभागों से घनिष्ठ सम्पर्क हेतु संस्थाओं में ट्रेनिंग-क्रम-प्लेसमेंट आफिसर के पद के सृजन के लिये शासन का प्रस्ताव भी प्रेषित किया गया है जो विचारणीय है।

## प्राविधिक शिक्षा के अन्तर्गत प्रदत्त सुविधायें

### (अ) प्राविधिक शिक्षा—

उत्तर प्रदेश शासन ने वर्ष 1950-51 में प्राविधिक शिक्षा योजना प्रारम्भ की थी। इस योजना को प्रारम्भ करने का शासन का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश के माधनहीन, अमहाय मेधावी छात्रों को तकनीकी शिक्षा ग्रहण करने के लिए सहायता प्रदान करना था।

योजना के अन्तर्गत 7,000 रुपये तक भारत में और 15,000 रुपये तक का ऋण विदेश में प्राविधिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए 8-1/2% (साढ़े आठ प्रतिशत) व्याज की दर पर स्वीकृत किया जाता है किन्तु प्रदत्त ऋण का प्रतिदान नियमानुसार निर्धारित तिथियों पर होने से 3-1/2% व्याज की दर में छूट प्रदान करने का प्राविधान है। प्रथम योजना काल में 3.071 लाख रुपये, द्वितीय योजनाकाल में 20.712 लाख रुपये, तृतीय योजना काल में 91.312 लाख रुपये तथा चतुर्थ पंचवर्षीय योजनाकाल में 70.885 लाख रुपये का ऋण वितरित किया गया।

इस योजना के अन्तर्गत पांचवी पंचवर्षीय योजना में 99.300 लाख रुपये का प्राविधान था जिसे पुनरीक्षित कर 60.000 लाख रुपये किया गया है जिसके विरुद्ध वर्ष 1974-75 में 13.00 लाख रुपये, वर्ष 1975-76 में इस योजना के अन्तर्गत 13.00 लाख रुपये का ऋण दिया गया। वर्ष 1976-77 में 10.00 लाख रुपये का प्राविधान किया गया है।

विदेशों में शिक्षा ग्रहण करने वाले उत्तर प्रदेश के विद्यार्थियों को ऋण की स्वीकृति शासन द्वारा दी जाती है। ऋण स्वीकृति हेतु प्राप्त प्रार्थना-पत्र संस्तुति के साथ शासन को प्रेषित कर दिये जाते हैं।

ऋण की वसूली विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम पूर्ण करने के एक वर्ष बाद से प्रारम्भ होती है। दिये गये ऋण की पूर्ण धनराशि 7 वार्षिक किस्तों में वसूल की जाती है। विशेष परिस्थितियों में प्राविधिक शिक्षा ऋण नियमावली के अन्तर्गत ऋण प्राप्त कर्ता को ऋण की वापसी में 1 वर्ष का समय और प्रदान करने का भी प्राविधान है। अभी तक ऋण प्राप्तकर्ताओं की कुल संख्या 11,976 हो गई है और 166.00 लाख रुपये की वसूली की जा चुकी है।

### शुल्क मुक्ति

प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत समस्त बहुधंधी एवं डिग्री संस्थानों में 15 प्रतिशत पूर्ण शुल्क तथा 30 प्रतिशत अर्ध-शुल्क की छूट का प्राविधान है।

## वृत्ति एवं छात्रवृत्तियां

सम्पूर्ण बहुधंधी संस्थाओं के मेधावी छात्रों को वृत्ति एवं छात्रवृत्तियां दी जाती हैं। राज्य के बाहर प्राविधिक शिक्षा के अध्ययन हेतु जाने वाले छात्रों को वृत्तियों की सुविधायें भी प्रदत्त की जाती हैं। प्रदेश के बाहर इंडियन स्कूल आफ माइन्स एवं जियोलोजी धनबाद, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ माइन्स, बंगलौर, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टैक्नालाजी, खरगपुर तथा सर जे 0 जे 0 स्कूल आफ आर्ट्स, बम्बई में अध्ययन करने वाले छात्रों हेतु 50 रु0 प्रति मास की दर से 30 वृत्तियों का प्राविधान है। माध्यमिक प्राविधिक विद्यालयों में वृत्तियां प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में क्रमशः 20 एवं 30 रुपये प्रतिमाह की दर से प्रदान की जाती हैं। राजकीय महिला बहुधंधी संस्थान, लखनऊ में इलेक्ट्रानिक्स के लिए वृत्ति की दर 50 रुपये प्रति माह है तथा स्टेनोग्राफी एवं सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस हेतु 20 रुपये प्रतिमाह। मेरिट-केम-मीन्स छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत 25 रु0 प्रतिमाह की दर से 10 प्रतिशत छात्रों को छात्रवृत्तियां दी जाती हैं।

## विद्यार्थियों को सुविधायें

प्रत्येक संस्था में छात्रों के लिए साइकिल स्टैन्ड, डिस्पेंसरी, एन 0 सी 0 सी 0 ब्लाक तथा कैंटीन की सुविधायें उपलब्ध हैं। इस योजना के अन्तर्गत निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। शेष कार्य को पूरा करने के लिये पांचवी पंचवर्षीय योजना में 11. 300 लाख रुपये का परिव्यय रखा गया है।

## आवास-गृहों का निर्माण

प्राविधिक शिक्षा संस्थाओं में आवास-गृह का निर्माण-कार्य चल रहा है। जिसके लिये पांचवी योजना में 30. 00 लाख रुपये का प्राविधान है।

## प्रवेश स्थानों का आरक्षण

सम्पूर्ण संस्थानों में प्रवेश योग्यता के आधार पर किये जाते हैं। डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के प्रवेश के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता गणित तथा विज्ञान (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान) विषयों में कम से कम 40 प्रतिशत प्राप्तांकों के साथ दसवीं कक्षा उत्तीर्ण तथा प्राविधिक माध्यमिक विद्यालयों में जूनियर हाई स्कूल अथवा आठवीं कक्षा उत्तीर्ण। राजकीय एवं अनुदानित संस्थानों में प्रवेश के लिए आरक्षित स्थानों का विवरण निम्नवत् है:

राजाज्ञा संख्या तथा तिथि	आरक्षित स्थानों की संख्या	आरक्षण का स्वरूप/प्रकार
1	2	3
1—3508 ईडी/18-घ, .. दिनांक 24/9, 1965	प्रवेश स्थानों का 18 प्रतिशत	परिगणित जाति के छात्र।
2—6763 ईडी/18-घ, .. 400 ईडी 196-आई 0 डी 0, दि 0 10-1-63	12 प्रवेश स्थान नैनीताल पाली 0 नैनीताल तथा 4 प्रवेश स्थान अन्य बहुधंधी संस्थानों में।	सीमान्त क्षेत्र के छात्र।
3—3894 ईडी/18-घ, .. 400 ईडी/67, दि 0 17-8-63।	उत्तर क्षेत्रीय मुद्रण औद्योगिक संस्थान, इलाहाबाद में राजकीय सेन्ट्रल टैक्सटाइल इंस्टीट्यूट में 20 तथा राजकीय चर्म संस्थान, कानपुर में 1 स्थान।	सीमांत क्षेत्र के छात्र

1	2	3
4—4527 (1) ईडी 18 घ-365 ईडी-61, दिनांक 29 अगस्त, 1963	राजकीय बहुधंधी संस्था, गोरखपुर में विद्युत एवं यंत्र अभियंत्रण पाठ्यक्रम में 2 स्थान तथा राजकीय सेन्ट्रल टैक्सटाइल इंस्टीट्यूट में टैक्सटाइल टेक 0 के पाठ्यक्रम में 1 स्थान।	जम्मू तथा कश्मीर राज्य के छात्र।
5—2420 ईडी/18-घ-41 ईडी-65, दिनांक 7-12-1965।	सम्पूर्ण बहुधंधी संस्थाओं एवं माध्यमिक प्राविधिक विद्यालयों में 1 स्थान।	पूर्वी अफ्रीकी देशों तथा सीनोन से आये हुए शरणार्थी छात्र।
6--1964 ईडी 18-घ .. 344 ईडी 65, दिनांक 6-7-1965।	माध्यमिक प्राविधिक विद्यालयों में 2 स्थान।	सीमान्त क्षेत्र के छात्र।
7--4670 ईडी/18-घ .. 1976-180 (एम) ईडी/ 1976, दिनांक 9-8-76।	समस्त डिप्लोमा स्तर की, प्राविधिक संस्थाओं में 5 प्रतिशत स्थान।	स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों तथा मिलिट्री परमनल के आश्रित तथा अभिरक्षित के लिए।

भारत सरकार के पत्र संख्या एफ 0 49 50 एन 0 आर 0 ओ 10/ईडी, दिनांक 21 मितम्बर, 1957 के आदेशानुसार उत्तर क्षेत्रीय मुद्रण औद्योगिक संस्थान, इलाहाबाद में निम्नलिखित आरक्षण स्वीकृत हैं:

1—उत्तर प्रदेश .. .. .	50 प्रतिशत
2—राजस्थान .. .. .	15 प्रतिशत
3—पंजाब .. .. .	15 प्रतिशत
4—दिल्ली .. .. .	15 प्रतिशत
5—हिमांचल प्रदेश .. .. .	1 प्रतिशत
6—जम्मू एवं कश्मीर .. .. .	4 प्रतिशत

### पर्वतीय क्षेत्र का विकास

वर्ष 1974-75 तक पर्वतीय क्षेत्र में एक डिग्री संस्था तथा दो डिप्लोमा संस्थायें चल रही थीं जिनकी प्रवेश क्षमता क्रमशः 140; 250 तथा 150 थी। वर्ष 1975-76 में पर्वतीय क्षेत्र के उत्थान हेतु काशीपुर (नैनीताल), द्वाराहाट (अल्मोड़ा), नरेन्द्रनगर (टिहरी-गढ़वाल), उत्तरकाशी और लोहाघाट (पिथौरागढ़) में राजकीय बहुधंधी संस्थाओं की स्थापना की गई जिनमें लड़कों तथा लड़कियों दोनों के लिये प्रशिक्षण की व्यवस्था है। इन पांचों पालीटेकनिकों में से चार पालीटेकनिकों में 120 छात्र प्रति संस्था तथा एक पालीटेकनिक में 60 छात्रों को प्रवेश देने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान समय में पर्वतीय क्षेत्र में डिप्लोमा स्तर की 7 संस्थायें हैं। संस्थावार पाठ्यक्रमों का विवरण परिशिष्ट '2' में दिया हुआ है। अभी यह संस्थायें किराये के भवनों पर प्रशिक्षण कार्य कर रही हैं।

नैनीताल पालीटेकनिक, नैनीताल में प्रशिक्षण युक्त उत्पादन केन्द्रों की स्थापना की गई है। नैनीताल पालीटेकनिक, नैनीताल में इस केन्द्र के अन्तर्गत जीप गाड़ी का निर्माण, होल बेराज का निर्माण तथा अन्य जाव वर्ग के कार्य किये जा रहे हैं।

नैनीताल पालीटेकनिक, नैनीताल में चल रहे सिविल इलेक्ट्रिकल तथा मेकेनिकल इंजीनियरिंग परम्परागत डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त वर्ष 1972-73 में कामशियल प्रैक्टिस तथा वर्ष 1975-76 में इलेक्ट्रानिक्स में डार्डवर्सोफाइड डिप्लोमा का पाठ्यक्रम चलाये गये। राजकीय पालीटेकनिक, श्रीनगर (गढ़वाल) में 1974-75 में आटोमोबाइल इंजीनियरिंग में तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम आरम्भ किया गया है।

इस प्रकार अधिकाधिक शिक्षा संस्थाओं के माध्यम से पर्वतीय क्षेत्र को प्रशिक्षण सुविधायें प्रदत्त कर क्षेत्रीय लोगों के आर्थिक ढांचे को ऊंचा उठाने का प्रयत्न किया जा रहा है।

### 1—बुक बैंक की स्थापना—

वर्ष 1975-76 में निदेशालय के अन्तर्गत चलाये गये विभिन्न संस्थाओं में 15 प्रतिशत निर्धन छात्रों को पुस्तकीय सहायता उपलब्ध कराने हेतु बुक बैंक की स्थापना की गई है। इसके अतिरिक्त छात्रों को सस्ते मूल्य पर स्टेशनरी और किताबें संस्थाओं की सहकारी समितियों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश के अन्तर्गत चल रही 50 संस्थाओं में बुक बैंक की स्थापना की जा चुकी है। इस योजना से 3,000 छात्र लाभान्वित होंगे।

### 2—तकनीकी संस्थाओं द्वारा सामान्य शिक्षा संस्थाओं के छात्रों को वर्क एक्सपीरियेन्स प्रदान करना

अभी हाल ही में केन्द्रीय विद्यालय, आई 0 आई 0 टी 0, कानपुर के साथ यह निर्णय लिया गया कि कानपुर में स्थापित प्राविधिक शिक्षण संस्थायें केन्द्रीय विद्यालय की नवीं व दसवीं कक्षा के छात्रों को वर्क एक्सपीरियेन्स प्रदान करने की सुविधा देगी। यह वर्क एक्सपीरियेन्स, फीन्सी लेदर गुड्स बनाने, सिल्क स्क्रीन प्रिंटिंग, बटिक कार्य, इलेक्ट्रानिक्स वॉल्टेज, शीट मेटल आदि कार्य से संबंधित होगा। इस प्रकार केन्द्रीय विद्यालय, कानपुर के साथ यह प्रयास किया जा रहा है।

### 3—छात्रों को पुस्तकें तथा स्टेशनरी आदि कन्ट्रोल दर पर उपलब्ध कराना

प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत विभिन्न डिप्लोमा संस्थाओं में सहकारी समितियां स्थापित की जा चुकी हैं, जिनके द्वारा अधिकतम संभव छूट के साथ पुस्तकें, लेखन सामग्री, प्रैक्टिकल इक्युपमेन्ट आदि छात्रों को उपलब्ध करायी जा रही हैं।

### औद्योगिक सम्पर्क परिषद्

तकनीकी शिक्षा का उद्योगों से घनिष्ठ सम्पर्क स्थापित करने के उद्देश्य से माननीय मुख्य मंत्री जी की अध्यक्षता में औद्योगिक सम्पर्क परिषद् का गठन वर्ष 1972 में किया गया जिसमें प्रदेश के प्रमुख उद्योगपति भी सदस्य हैं। यह परिषद् अपनी क्षेत्रीय समितियों के माध्यम से उद्योगों से सम्पर्क, उनकी तकनीकी समस्याओं के समाधान करने, उनको टेस्टिंग की सुविधा प्रदान करने, संस्था के छात्रों के लिये उद्योगों में विशेष प्रतिनिधियों से विशेषित विषयों पर व्याख्यान व विचार-विमर्श की व्यवस्था करने में कार्यरत है।

परिषद् के कार्य कलापों को अधिक उपयोगी एवं प्रगतिशील बनाने के उद्देश्य से निम्नलिखित क्षेत्रीय समितियां स्थापित की गई है जिनसे उनके सम्मुख उल्लिखित बहुधंधी संस्थाओं को सम्बद्ध किया गया है :

क्रम सं०	इंजीनियरिंग कालेजों का नाम	सम्बद्ध पालीटेकनिक का नाम
1	एल 0 एच 0 इंजीनियरिंग कालेज, मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़	1—सेठ गंगासागर जटिया पालीटेकनिक, खुर्जा। 2—गांधी पालीटेकनिक, मुजफ्फरनगर। 3—डी 0 एन 0 पालीटेकनिक, मेरठ। 4—डी 0 ज 0 पालीटेकनिक, बड़ौत (मेरठ)।

क्रम-संख्या	इंजीनियरिंग कालेज का नाम	सम्बद्ध पालीटेकनिक का नाम
1	2	3
2	इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालाजी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।	1—चन्दीली पालीटेकनिक, चन्दीली । 2—राजकीय पालीटेकनिक, मिर्जापुर । 3—राजकीय पालीटेकनिक, फैजाबाद । 4—टाउन पालीटेकनिक, बलिया ।
3	मोतीलाल नेहरू रीजनल इंजी० कालेज, इलाहाबाद ।	1—इलाहाबाद पालीटेकनिक, इलाहाबाद । 2—हंडिया पालीटेकनिक, हंडिया । 3—एन० आर० इंस्टीट्यूट आफ प्रिंटिंग टेक्नालाजी, इलाहाबाद ।
4	मदनमोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज, गोरखपुर ।	1—राजकीय पालीटेकनिक, गोरखपुर । 2—राजकीय पालीटेकनिक, गोण्डा । 3—राजकीय पालीटेकनिक, वस्ती । 4—राजकीय पालीटेकनिक, आजमगढ़ । 5—एम० पी० पालीटेकनिक, गोरखपुर ।
5	रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की ..	1—राजकीय पालीटेकनिक, मुरादाबाद । 2—के० एल० पालीटेकनिक, रुड़की । 3—स्कूल आफ पेपर टेक्नालाजी, महारनपुर । 4—राजकीय पालीटेकनिक, उत्तरकाशी । 5—सेठ जय प्रकाश मुकुन्दलाल पालीटेकनिक, गाजियाबाद । 6—राजकीय पालीटेकनिक, टेहरी गढ़वाल ।
6	इंजीनियरिंग कालेज, दयालबाग, आगरा ।	1—राजकीय चर्म संस्थान, आगरा । 2—पी०एम०बी० पालीटेकनिक, मथुरा । 3—टेकनिकल कालेज, दयालबाग, आगरा । 4—एम० जी० पालीटेकनिक, हाथरस ।
7	जी० बी० पंत कालेज आफ, इंजी० एवं टेक०, पंतनगर (नैनीताल) ।	1—नैनीताल पालीटेकनिक, नैनीताल । 2—राजकीय पालीटेकनिक, श्रीनगर (गढ़वाल) । 3—राजकीय पालीटेकनिक, बरेली । 4—राजकीय पालीटेकनिक, काशीपुर (नैनीताल) । 5—राजकीय पालीटेकनिक, द्वाराहाट (अल्मोड़ा) । 6—राजकीय पालीटेकनिक, लोहाघाट (पिथौरागढ़) ।
8	एच०बी०टी०आई०, कानपुर ..	1—राजकीय चर्म संस्थान, कानपुर । 2—राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर । 3—राजकीय पालीटेकनिक, कानपुर । 4—हीवेट पालीटेकनिक, लखनऊ । 5—लखनऊ पालीटेकनिक, लखनऊ । 6—राजकीय महिला पालीटेकनिक, लखनऊ । 7—राजकीय पालीटेकनिक, लखनऊ । 8—राजकीय पालीटेकनिक, झांसी । 9—जवाहरलाल नेहरू पालीटेकनिक, महमूदाबाद (सीतापुर) । 10—फिरोज गांधी पालीटेकनिक, रायबरेली ।

## परिशिष्ट 1

क्रम-सं०	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम का नाम	स्वीकृत प्रवेश क्षमता
1.	2	3	4
1	इंजीनियरिंग कालेज, दयालबाग, आगरा	1—विद्युत् अभियंत्रण	30
		2—यांत्रिक अभियंत्रण	30
		योग ..	60
2	मोतीलाल नेहरू डीजल इंजी० कालेज, इलाहाबाद।	1—नागरिक अभियंत्रण	60
		2—विद्युत् अभियंत्रण	70
		3—यांत्रिक अभियंत्रण	70
		योग ..	200
3	मदन मोहन मालवीय इंजी० कालेज, गोरखपुर।	1—नागरिक अभियंत्रण	50
		2—विद्युत् अभियंत्रण	35
		3—यांत्रिक अभियंत्रण	35
		4—इलेक्ट्रानिक्स	20
		योग ..	140
4	पंत कालेज आफ इंजी० टेकनालाजी, पंतनगर।	1—सिविल अभियंत्रण	20
		2—विद्युत् अभियंत्रण	35
		3—यांत्रिक अभियंत्रण	35
		4—कृषि अभियंत्रण	50
		योग ..	140
5	रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की	1—सिविल अभियंत्रण	45
		2—वातावरण अभियांत्रिकी	15
		3—विद्युत् अभियंत्रण	60
		4—यांत्रिक अभियंत्रण	40
		5—इन्डस्ट्रियल स्टेट	20
		6—इलेक्ट्रानिक्स एवं कम्प्युनिकेशन	35
		7—आर्किटेक्चर	25
		8—कैमिकल इंजीनियरिंग	35
		9—मेटलर्जी	30
		योग ..	305

1	2	3	4
6	एच 0 बी 0 टी 0 आई 0, कानपुर ..	1—नागरिक अभियंत्रण .. 2—विद्युत् अभियंत्रण .. 3—यांत्रिक अभियंत्रण .. 4—केमिकल इंजीनियरिंग .. 5—वार्ड केमिकल टेक 0 ..	20 30 30 40 75
		योग ..	195
7	राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्था, कानपुर ..	1—टेक्सटाइल टेकनालाजी .. 2—टेक्सटाइल केमिस्ट्री .. 3—मैन मेड फाइबर टेकनालाजी	20 10 10
		योग ..	40
8	कमला नेहरू इंस्टीट्यूट आफ साइंस एन्ड टेकनालाजी, मुल्तानपुर ।	1—सिविल इंजीनियरिंग .. 2—मेकेनिकल इंजीनियरिंग .. 3—इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग ..	15 15 20
		योग ..	50
		कुल योग ..	1,130



## परिशिष्ट 2

वर्ष 1976-77 में डिप्लोमा संस्थाओं के पाठ्यक्रमवार छात्रों की प्रवेश देने हेतु वास्तविक प्रवेशक्षमता तथा प्रवेश संख्या:

संस्था का नाम	पाठ्यक्रम	प्रवेश क्षमता	छात्रों की प्रवेश संख्या
1	2	3	4
1 राजकीय बहुधन्वी संस्था, लखनऊ।	नागरिक अभियंत्रण	90	106
	विद्युत् अभियंत्रण	105	118
	यांत्रिक अभियंत्रण	105	115
	आटोमोबाइल इंजी०	30	32
	योग	330	371
2 राजकीय बहुधन्वी संस्था, गोरखपुर।	नागरिक अभियंत्रण	90	98
	विद्युत् अभियंत्रण	105	114
	यांत्रिक अभियंत्रण	105	105
	कैमिकल अपरेटर	10	11
	आटोमोबाइल अभियंत्रण	30	32
योग	340	360	
3 राजकीय बहुधन्वी संस्था, बरेली।	नागरिक अभियंत्रण	60	66
	विद्युत् अभियंत्रण	90	97
	यांत्रिक अभियंत्रण	90	95
	आटोमोबाइल इंजी०	30	35
	योग	270	293
4 राजकीय बहुधन्वी संस्था, झांसी।	नागरिक अभियंत्रण	60	69
	विद्युत् अभियंत्रण	90	98
	यांत्रिक अभियंत्रण	90	95
	आटोमोबाइल अभियंत्रण	30	30
	इलेक्ट्रानिक्स	30	32
योग	300	324	
5 राजकीय बहुधन्वी संस्था, फैजाबाद।	नागरिक अभियंत्रण	30	36
	विद्युत् अभियंत्रण	75	43
	यांत्रिक अभियंत्रण	75	46
	योग	180	125

1	2	3	4
6 राजकीय बहुधन्धी संस्था, कानपुर ।	नागरिक अभियंत्रण ..	60	66
	विद्युत् अभियंत्रण ..	120	138
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	120	138
	केमिकल ऑपरेटर ..	10	8
	इलेक्ट्रानिक्स ..	30	35
	पोस्ट डि 0 इंस्ट्रुमेन्ट मैकेनिक ..	10	..
	योग ..	350	385
7 राजकीय बहुधन्धी संस्था, मिर्जापुर ।	नागरिक अभियंत्रण ..	30	66
	विद्युत् अभियंत्रण ..	75	66
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	75	64
	योग ..	180	196
8 सेठ गंगा सागर जटिया पालीटेकनिक, खुर्जा ।	नागरिक अभियंत्रण ..	60	63
	विद्युत् अभियंत्रण ..	60	63
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	60	63
	सिरेमिक्स टेकनालाजी ..	30	30
	योग ..	210	219
9 राजकीय बहुधन्धी संस्था, आजमगढ़ ।	नागरिक अभियंत्रण ..	30	32
	विद्युत् अभियंत्रण ..	75	81
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	75	82
	योग ..	180	195
10 राजकीय बहुधन्धी संस्था, गोण्डा ।	नागरिक अभियंत्रण ..	30	31
	विद्युत् अभियंत्रण ..	45	50
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	45	46
	योग ..	120	127
11 राजकीय बहुधन्धी संस्था, बस्ती ।	नागरिक अभियंत्रण ..	30	82
	विद्युत् अभियंत्रण ..	45	48
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	45	47
	योग ..	120	177

1	2	3	4	
12	राजकीय बहुधन्धी संस्था, मुरादाबाद	नागरिक अभियंत्रण .. विद्युत अभियंत्रण .. यांत्रिक अभियंत्रण ..	60 90 90	63 101 105
		योग ..	240	269
13	राजकीय बहुधन्धी संस्था, श्रीनगर (गढ़वाल)	नागरिक अभियंत्रण .. विद्युत अभियंत्रण .. यांत्रिक अभियंत्रण .. आटोमोबाइल अभियंत्रण] ..	30 45 45 30	38 60 52 33
		योग,	150	183
14	राजकीय बहुधन्धी संस्था काशीपुर, नैनीताल	केमिकल इंजी 0 .. एग्रीकल्चरल इंजी 0 .. आटोमोबाइल इंजी 0 ..	30 30 30	10 31 31
		योग ..	90	77
15	राजकीय पालीटेकनिक, देहरी-गढ़वाल	इलेक्ट्रानिक्स .. का स्ट्यूम डिजाइन .. एवं ड्रेस मॅकिंग ।	30 30	41 7
		योग ..	60	48
16	राजकीय पालीटेकनिक, अल्मोड़ा	कार्मशियल प्रिंटिस .. फार्मॅसी ..	30 30	30 36
		योग ..	60	66
17	राजकीय पालीटेकनिक, उत्तर काशी	कार्मशियल प्रिंटिस .. फार्मॅसी .. का स्ट्यूम डिजाइन .. एवं ड्रेस मॅकिंग	30 30 30	16 30 8
		योग ..	90	54

1	2	3	4	
18	राजकीय पालीटेकनिक लोहाघाट (पिथौरागढ़)	सिविल इंजीनियरिंग .. स्टेनोग्राफी एवं मेकैटेरिखल .. प्रैक्टिस ।	30 30	.. 30
		योग ..	60	30
19	राजकीय पालीटेकनिक महोबा (हमीरपुर) ।	विद्युत् अभियंत्रण .. इलेक्ट्रानिक्स .. आटोमोबाइल इंजी 0 ..	30 30 30	30 29 ..
		योग ..	90	59
20	एम 0 जी 0 पालीटेकनिक, हाथरस ।	नागरिक अभियंत्रण .. विद्युत् अभियंत्रण .. यांत्रिक अभियंत्रण .. इलेक्ट्रानिक्स .. रेफ्रीजेशन एवं एयर कन्डी 0 .. रेफ्रीजेशन मकेनिक (प्रमाण .. -पत्र ) कृषि अभियंत्रण ..	60 60 60 30 30 20 30	65 60 63 40 30 24 31
		योग ..	290	313
21	हंडिया पालीटेकनिक, हंडिया (इलाहाबाद) ।	नागरिक अभियंत्रण .. विद्युत् अभियंत्रण .. यांत्रिक अभियंत्रण ..	30 45 45	43 46 49
		योग ..	120	138
22	पी 0 एम 0 बी 0 पालीटेकनिक, मथुरा ।	नागरिक अभियंत्रण .. विद्युत् अभियंत्रण .. यांत्रिक अभियंत्रण .. आटोमोबाइल अभियंत्रण ..	60 60 60 30	60 63 65 30
		योग ..	210	224
23	चन्दौली पालीटेकनिक, चन्दौली ।	नागरिक अभियंत्रण .. विद्युत् अभियंत्रण .. यांत्रिक अभियंत्रण .. एग्रीकल्चरल अभियंत्रण ..	30 45 45 30	32 48 47 32
		योग ..	150	159

1	2	3	4
24 के 0 एल 0 पालीटेक्निक, रङ्की ।	नागरिक अभियंत्रण ..	60	63
	विद्युत् अभियंत्रण ..	90	69
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	90	66
	इलेक्ट्रानिक्स । ..	30	28
	योग ..	270	226
25 गांधी पालीटेक्निक, मुजफ्फरनगर ।	नागरिक अभियंत्रण ..	30	60
	विद्युत् अभियंत्रण ..	45	30
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	45	30
	आटोमोबाइल अभियंत्रण ..	30	28
	स्टेनोग्राफी एवं सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस ..	30	..
	योग ..	180	148
26 डी 0 जे 0 पालीटेक्निक, बड़ौत (मेरठ) ।	नागरिक अभियंत्रण ..	30	31
	विद्युत् अभियंत्रण ..	45	49
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	45	50
योग ..	120	130	
27 इलाहाबाद पालीटेक्निक, इलाहाबाद ।	नागरिक अभियंत्रण ..	60	55
	विद्युत् अभियंत्रण ..	90	86
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	120	91
	इलेक्ट्रानिक्स ..	30	56
	इण्डस्ट्रियल इलेक्ट्रानिक्स (पोस्ट डिप्लोमा) ..	10	..
	डिजाइन एवं ड्राफ्टिंग ..	10	..
	आटोमोबाइल (पोस्ट डिप्लोमा) ..	30	33
	कार्मशियल प्रैक्टिस ..	30	32
	प्रोडक्शन इंजीनियरिंग ..	30	31
	कान्स्ट्रक्शन टेक्नालाजी ..	30	32
	इन्स्ट्रुमेंटेशन एवं कंट्रोल ..	30	35
	पब्लिक हेल्थ इंजी 0 ..	30	36
	रेफीजरेशन ..	30	42
	टूल इंजिनियरिंग ..	30	38
प्लास्टिक टेक्नालाजी ..	30	42	
टयुबवेल इंजी 0 ..	30	35	

1	2	3	4
	मैटेरियल मैनेजमेंट	20	24
	सेल्म मैन शिप	20	21
	योग ..	660	689
28	डी०एन० पालीटेक्निक, मेरठ ।	नागरिक अभियंत्रण ..	54
	विद्युत् अभियंत्रण	75	48
	यांत्रिक अभियंत्रण	75	42
	योग ..	180	144
29	एम०पी० पालीटेक्निक, गोरखपुर ।	नागरिक अभियंत्रण ..	70
	विद्युत् अभियंत्रण	45	34
	यांत्रिक अभियंत्रण	45	38
	योग ..	120	142
30	टाउन पालीटेक्निक, बनिया ।	नागरिक अभियंत्रण ..	68
	विद्युत् अभियंत्रण	45	33
	यांत्रिक अभियंत्रण	45	36
	आटोमोबाइल इंजी०	30	31
	योग ..	150	168
31	लखनऊ, पालीटेक्निक, लखनऊ ।	नागरिक अभियंत्रण ..	93
	विद्युत् अभियंत्रण	90	100
	यांत्रिक अभियंत्रण	90	97
	इलेक्ट्रानिक्स	30	35
	योग ..	270	325
32	हीवेट पालीटेक्निक, लखनऊ ।	नागरिक अभियंत्रण ..	51
	विद्युत् अभियंत्रण	120	99
	यांत्रिक अभियंत्रण	120	96
	योग ..	300	246
33	टेक्निकल कालेज, दयाल- बाग, आगरा ।	विद्युत् अभियंत्रण ..	64
	यांत्रिक अभियंत्रण	55	65
	आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	40	30
	योग ..	150	159

1	2	3	4	
34	सैनीताल पालीटेक्निक, सैनीताल ।	नागरिक अभियंत्रण ..	60	62
		विद्युत् अभियंत्रण ..	60	66
		यांत्रिक अभियंत्रण ..	60	59
		इलेक्ट्रानिक्स ..	30	30
		कार्मशियल प्रैक्टिस ..	30	27
	योग ..	240	244	
35	फिरोज गान्धी पाली- टेक्निक, रायवरेली ।	मैकेनिकल इंजीनियरिंग ..	30	35
		इलेक्ट्रीनिक्स ..	30	34
		इंस्ट्रूमेंटेशन एण्ड कंट्रोल ..	30	32
		स्टेनोग्राफी एवं सेक्रेटेरियल ..	30	7
		प्रैक्टिस ।		
	योग ..	120	108	
36	जवाहरलाल नेहरू पालीटेक्निक, महमूदाबाद (सीतापुर) ।	एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग ..	30	45
		कस्ट्यूम डिजाइन एवं ड्रेस मेकिंग ..	30	15
		इलेक्ट्रीशियन (प्रमाण-पत्र) ..	20	23
		मोटर मैकेनिक ..	20	23
		इलेक्ट्रानिक्स ..	30	45
	योग ..	130	151	
37	राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्था, कानपुर ।	टेक्स्टाइल टेक्नालाजी ..	20	30
		टेक्स्टाइल केमिस्ट्री ..	10	
	योग ..	30	30	
38	राजकीय चर्म संस्था, कानपुर ।	लेदर टेक्नालाजी (टैनिंग) ..	10	11
		फुटबियर टेक्नालाजी ..	20	23
	योग ..	30	34	
39	राजकीय चर्म संस्था, भागरा ।	लेदर टेक्नालाजी (टैनिंग) ..	10	10
		फुटबियर टेक्नालाजी ..	20	20
	योग ..	30	30	

1	2	3	4	
40	नार्दन रीजनल इंस्टीट्यूट आफ प्रिंटिंग टेक्नालाजी इलाहाबाद ।	प्रिंटिंग टेक्नालाजी ..	60	64
		योग ..	60	64
41	स्कूल आफ पेपर टेक्नालाजी	पल्प टेक्नालाजी (डिप्लोमा) पल्प टेक्नालाजी (सर्टीफिकेट) प्रोसेस इंस्ट्रुमेंटेशन ..	100 30	41 57
		योग ..	130	98
42	राजकीय महिला पाली- टेक्निक, लखनऊ ।	इलेक्ट्रानिकम .. कास्ट्यूम डिजाइन एवं ड्रेस मेकिंग स्टनोग्राफी एवं सेक्रेटेरियल प्रेक्टिस । आर्कीटेक्चरल असिस्टेन्टशिप ..	30 30 30 30	33 37 42 26
		योग ..	120	138
		कुल योग ..	7480	7646



### परिशिष्ट 3

राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय

- 1 राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, दौराला (मेरठ)
- 2 राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, इलाहाबाद ।
- 3 राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, गाजीपुर ।
- 4 राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, झांसी ।
- 5 राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, मिर्जापुर ।
- 6 राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, आजमगढ़ ।
- 7 राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, गोरखपुर ।
- 8 राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, बरेली ।
- 9 राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, फैजाबाद ।
- 10 राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, लखनऊ ।
- 11 राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, गोण्डा ।
- 12 राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, मुरादाबाद ।

## प्राविधिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

### प्रगति रिपोर्ट 1976-77

प्राविधिक शिक्षा परिषद्, उ० प्र० का गठन प्राविधिक शिक्षा अधिनियम, 1962 के अन्तर्गत हुआ था। राज्य सरकार को प्राविधिक शिक्षा के समन्वित विकास के बारे में परामर्श देना तथा परिषद् से सम्बद्ध चल रहे संस्थाओं के डिप्लोमा तथा सर्टीफिकेट पाठ्यक्रमों को तैयार करके परीक्षा लेना तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट प्रदान करना इसका मुख्य कार्य है। इन मुख्य कार्यों के सम्पादन में विभिन्न पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्याओं को तैयार करना, शिक्षक की अर्हतायें निश्चित करना, साज-सज्जा एवं भवन आदि के मान दण्ड निश्चित करना, संस्थाओं का निरीक्षण करना तथा निर्धारित मान-दण्डों का संस्था द्वारा पालन कराना इसके प्रमुख कार्यों के उपांग हैं। प्राविधिक शिक्षा संशोधित अधिनियम, 1974 के द्वारा जोड़ी गई नई धारा 22(ई) की उपधारा 5 के फलस्वरूप प्राविधिक शिक्षा परिषद् को सम्बद्ध संस्थाओं की चयन समितियों के संगठन, उसकी बैठकों के कार्य संचालन, सभागीय पैनलों के तैयार किये जाने तथा कुछ अन्य विषयों से सम्बन्धित विनियमों के बनाने का कार्य भी सौंपा गया है।

परिषद् से सम्बद्ध संस्थाओं की संख्या गत वर्ष तक 57 थी, जिनमें से 45 संस्थाओं में डिप्लोमा स्तर तक के पाठ्यक्रम तथा 12 संस्थाओं में केवल सर्टीफिकेट स्तर के पाठ्यक्रम चल रहे हैं। इस वर्ष महोबा में नयी राजकीय संस्था, डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रम संचालन करने हेतु प्रारम्भ हुई है। इस प्रकार परिषद् से सम्बद्ध संस्थाओं की संख्या 58 हो जायेगी। इसके अतिरिक्त वेस्टर्न यू० पी० प्रोडक्टिविटी काउन्सिल मेरठ भी इस परिषद् से पोस्ट डिप्लोमा स्तर के एक पाठ्यक्रम को चलाने हेतु सम्बद्ध हो गई जिसके अधीन 'मेरठ', 'गाजियाबाद', 'दरिभद्रा (ऋषिकेश)' तथा 'हरिद्वार' केन्द्रों पर "विजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन" में दो वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। इस प्रकार परिषद् से सम्बद्ध कुल संस्थाओं की संख्या 59 हो गई है, जिनकी सूची संलग्न तालिका 'क' पर दी गई है।

वर्तमान सत्र 1976-77 में परिषद् के अधीन चल रहे डिप्लोमा स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों की सूची संलग्न तालिका 'ख' पर दी गयी है। इस सत्र में केवल एक ही नया पाठ्यक्रम "विजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन" में दो वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा प्रारम्भ किया गया है तथा "कैमिकल टेक्नालोजी" एवं "बल टेक्नालोजी" के तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को इस सत्र से बन्द कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त वर्तमान सत्र से सिविल इंजीनियरिंग में चार-वर्षीय अंशकालीन पाठ्यक्रम में भी प्रवेश बन्द कर दिये गये हैं।

परिषद् से सम्बद्ध केवल सर्टीफिकेट स्तर के ही पाठ्यक्रम संचालित करने वाली संस्थाओं की संख्या 12 है जिनकी सूची तथा उनमें चल रहे विभिन्न ट्रेडों का विवरण संलग्नक 'ग' पर दिया गया है। गत वर्ष तक परिषद् ने केवल टर्नर, फिटर, वेल्डर, मशीनिस्ट (कम्पोजिट) तथा इलेक्ट्रीशियन ट्रेडों में ही अंतिम वर्ष की परीक्षाएँ सम्पन्न की थी, किन्तु इस वर्ष इन ट्रेडों के अतिरिक्त मोल्डर तथा ड्राफ्ट मैन (मैकेनिकल) ट्रेडों की भी परीक्षाएँ सम्पन्न की जायेगी जो सत्र 1974-75 से प्रारम्भ किये गये थे। उपरोक्त सात ट्रेडों के अतिरिक्त इन संस्थाओं में गत सत्र में प्लम्बर, मोटर मैकेनिक, पम्प मैकेनिक तथा रेफ्रीजरेशन मैकेनिक के नये ट्रेड भी प्रारम्भ किये गये थे, जिनकी परीक्षाएँ परिषद् अगले वर्ष सम्पन्न करेगी। इस प्रकार नये तथा पुराने ट्रेडों को मिलाकर माध्यमिक प्राविधिक विद्यालयों में अब कुल 11 ट्रेड चल रहे हैं।

राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालयों की लोकप्रियता में अनुभव की गई कमी को दूर करने की दृष्टि से परिषद् ने इन विद्यालयों में चल रहे तीन वर्षीय सर्टीफिकेट स्तर के पाठ्यक्रमों की पाठ्य-

चर्याओं आदि को संशोधित कर इनको अब लोकप्रिय बना दिया है। इन विद्यालयों से प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के पञ्चान्त विद्यार्थी अब:—

(1) डिप्लोमा संस्थाओं से सम्बन्धित ट्रेड में सीधे प्रवेश पा सकते हैं।

(2) माध्यमिक शिक्षा परिषद् उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद के इण्टरमीडिएट पाठ्यक्रम में प्रथम वर्ष के विज्ञान वर्ग में प्रवेश पा सकते हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उ० प्र० इलाहाबाद द्वारा इन प्रमाण-पत्रों का हाईस्कूल विज्ञान वर्ग के समकक्ष मान्यता प्राप्त हो चुकी है।

(3) राज्य सरकार के अधीन प्रत्येक पद के लिये जिसके लिये मर्टीफिकेट परीक्षा उत्तीर्ण अर्हता निर्धारित है, नौकरी पा सकते हैं।

उपरोक्त के अतिरिक्त माध्यमिक प्राविधिक विद्यालयों के प्रमाण-पत्रों को भारत सरकार के एग्जिक्टिव ग्रेड के अन्तर्गत आई० टी० आई० की भांति मान्यता प्राप्त करने के भी प्रयास किये जा रहे हैं।

माध्यमिक प्राविधिक विद्यालयों के अतिरिक्त निम्नलिखित डिप्लोमा स्तर की संस्थाओं ने भी निम्नानुसार मर्टीफिकेट स्तर के पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये हैं:—

- |                                      |                                      |
|--------------------------------------|--------------------------------------|
| (1) एम० जी० पाली०, हाथरस             | रेफ्रीजरेशन मैकेनिक ट्रेड            |
| (2) राजकीय पाली०, वरेली              | तदेव                                 |
| (3) जवाहर लाल नेहरू पाली०, महभूदाबाद | इलैक्ट्रिशियन तथा मोटर मैकेनिक ट्रेड |

उपरोक्त सभी ट्रेडों के लिये प्रवेश हेतु न्यूनतम शैक्षिक अर्हता कक्षा ८ उत्तीर्ण है। इसके अतिरिक्त मर्टीफिकेट स्तर का एक तीन वर्षीय पाठ्यक्रम भी है, जिसमें प्रवेश अर्हता हाई स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण है। पल्प गण्ड पेपर टेकनालाजी का यह मर्टीफिकेट पाठ्यक्रम इंस्टीट्यूट आफ पेपर टेकना-लोजी, महारनपुर में चल रहा है। इस पाठ्यक्रम की महत्ता एवं लोकप्रियता डिप्लोमा स्तर के पाठ्य-क्रम के समान ही है।

विकसित तकनीकी तथा उद्योग एवं व्यवसाय के अनुरूप समय-समय पर पाठ्यक्रमों तथा पाठ्य-चर्याओं में संशोधन करने पर भी परिषद् द्वारा ध्यान दिया जाता है। इसी को दृष्टि में रखते हुए परिषद् ने विभिन्न पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्याओं में सन् 1974-75 से संशोधन लागू किया था। परिषद् को अपने इस कार्य में पाठ्यक्रम विकास केन्द्र, इलाहाबाद से भी सहायता मिलती रहती है। नयी पाठ्यचर्याओं में प्रयोगात्मक प्रशिक्षण पर अधिक बल दिया गया है।

छात्रों की संस्था में नियमित उपस्थिति, छात्रों को नियमित रूप से सैविक अन्न प्रदान किये जाने तथा संस्थाओं में अनुशासन बनाये रखने से सम्बन्धित कई निर्देश भी परिषद् ने सन् 1974-75 से अपनी सम्बद्ध संस्थाओं को देने प्रारम्भ किये हैं और उनके अनुपालन की जांच करने हेतु परिषद् ने आकस्मिक निरीक्षण का भी प्रबन्ध किया है। अनुचित साधन प्रयोग करने की प्रवृत्ति को समाप्त करने की दृष्टि से परिषद् ने परीक्षा काल में उड़न दस्तों द्वारा छापा भारने का कार्य भी प्रारम्भ किया था, जिसमें काफी सफलता प्राप्त हुई है। इसके अतिरिक्त परीक्षा के प्रश्न-पत्रों को भी नये ढंग से "आबजेक्टिव टाइप" के बनाने का कार्य परिषद् ने इसी दृष्टि से किया है कि विद्यार्थियों को अनुचित साधन प्रयोग करने का कम से कम अवसर प्राप्त हो।

आशा है कि तकनीकी शिक्षा के प्रसार, शैक्षिक स्तर की उन्नति तथा विद्यार्थियों में अनुशासन उत्पन्न करने के प्रयासों में परिषद् को उत्साह-प्रद सफलता मिलती रहेगी।

## संलग्नक "क"

प्राविधिक शिक्षा परिषद्, उ० प्र०, लखनऊ से सम्बद्ध संस्थाओं की सूची (1976-77)

क्रम-संख्या	संस्था का नाम	स्थापित वर्ष
1	2	3
1	राजकीय पाली 0, आजमगढ़	1963
2	राजकीय पाली 0, बरेली	1960
3	राजकीय पाली 0, बस्ती	1965
4	राजकीय पाली 0, द्वारहाट (अल्मोड़ा)	1975
5	राजकीय पाली 0, फैजाबाद	1963
6	राजकीय पाली 0, गोण्डा	1965
7	राजकीय पाली 0, गोरखपुर	1909
8	राजकीय पाली 0, झांसी	1960
9	राजकीय पाली 0, कानपुर	1962
10	राजकीय पाली 0, काशीपुर (नैनीताल)	1975
11	राजकीय पाली 0, खुर्जा (बुन्देलखण्ड) (सेठ गंगा सागर जाटिया पालीटेक्निक)	1960
12	राजकीय पाली 0, लोहाघाट (पिथौरागढ़)	1975
13	राजकीय पाली 0, लखनऊ	1892
14	राजकीय महिला पाली 0, लखनऊ	1963
15	राजकीय पाली 0, महोबा (हमीरपुर)	1976
16	राजकीय पाली 0, मिर्जापुर	1964
17	राजकीय पाली 0, मुरादाबाद	1964
18	राजकीय पाली 0, नरेन्द्रनगर (टेहरी गढ़वाल)	1975
19	राजकीय पाली 0, श्रीनगर (गढ़वाल)	1962
20	राजकीय पाली 0, उत्तरकाशी	1975
21	राजकीय चर्म संस्थान, आगरा	1963
22	राजकीय चर्म संस्थान, कानपुर	1916
23	राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर	1914
24	नादर्न रीजनल इंस्टीट्यूट आफ प्रिंटिंग टेक्नालोजी, इलाहाबाद	1957
25	इंस्टीट्यूट आफ पेपर टेक्नालाजी, सहारनपुर	1965
26	गोविन्द बल्लभ पंत पाली 0, लखनऊ	1965
27	राजकीय कालेज आफ आर्ट्स एण्ड क्राफ्ट्स, लखनऊ	1911
28	डी० ई० आई० टेक्निकल कालेज दयानबाग, आगरा	1927
29	इलाहाबाद पाली 0, इलाहाबाद	1955
30	टाउन पाली 0, बलिया	1956
31	डी० जे० पाली 0, बड़ौत (मेरठ)	1956
32	बी० बी० रूरेन इंस्टीट्यूट, बिचपुरी (आगरा)	1956
33	चंदौली पाली 0, चंदौली (वाराणसी)	1957
34	सेठ जय प्रकाश मुकुन्द लाल पाली 0, गाजियाबाद	1975
35	महाराणा प्रताप पाली 0, गोरखपुर	1956

1	2	3
36	हण्डिया पाली 0, हण्डिया (इलाहाबाद)	1957
37	एम 0 जी 0 पाली 0 हाथरस (अलीगढ़)	1955
38	हीवेट पाली 0, लखनऊ	1904
39	लखनऊ पाली 0, लखनऊ	1922
40	पी 0 एम 0 वी 0 पाली 0, मथुरा	1909
41	गांधी पाली 0, मुजफ्फरनगर	1956
42	जवाहर लाल पाली 0, महमूदाबाद	1975
43	डी 0 एन 0 पाली 0, मेरठ	1956
44	नैनीताल पाली 0, नैनीताल	1957
45	फिरोजगांधी पाली 0, रायबरेली	1975
46	के 0 एल 0 पाली 0, रुड़की	1956
47	वेस्टर्न यू 0 पी 0 प्रोडक्टिविटी काउन्सिल, मेरठ	1976
48	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, इलाहाबाद	1948
49	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, आजमगढ़	1964
50	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, बरेली	1956
51	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, दौराला (मेरठ)	1964
52	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, फैजाबाद	1950
53	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, गाजीपुर	1965
54	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, गोण्डा	1964
55	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, गोरखपुर	1958
56	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, झांसी	1964
57	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, लखनऊ	1964
58	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, मिर्जापुर	1964
59	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, मुरादाबाद	1965

## सलगनक-‘ख’

परिषद् के अधीन चल रहे डिप्लोमा स्तर के सभी पाठ्यक्रमों की सूची (1976-77)

क्रमांक	पाठ्य-क्रम	अवधि
डिप्लोमा पाठ्यक्रम		
1	कैमिकल आपरेटर .. .. .	4 वर्षीय
2	सिविल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
3	इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
4	मैकेनिकल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
5	इलैक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
6	टेक्सटाइल टेक्नालोजी .. .. .	3 वर्षीय
7	टेक्सटाइल कैमिस्ट्री .. .. .	3 वर्षीय
8	प्रिंटिंग टेक्नालोजी (लीथोग्राफी) .. .. .	3 वर्षीय
9	प्रिंटिंग टेक्नालोजी (लेटर प्रेस) .. .. .	3 वर्षीय
10	आर्कोटेक्चरल असिस्टेन्टशिप .. .. .	3 वर्षीय
11	आटोमोबाइल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
12	सिविल एण्ड रूरल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
13	सिरेमिक्स इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
14	कांस्ट्रक्शन टेक्नालोजी .. .. .	3 वर्षीय
15	इंस्ट्रुमेटेशन एण्ड कंट्रोल .. .. .	3 वर्षीय
16	छाप अभियन्तण .. .. .	3 वर्षीय
17	प्रोडक्शन इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
18	टूल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
19	पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
20	प्लास्टिक टेक्नालोजी .. .. .	3 वर्षीय
21	रेफ्रीजेशन एण्ड एयरकण्डीशनिंग .. .. .	3 वर्षीय
22	ट्यूबवेल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
23	लेदर टेक्नालोजी (टैनिंग) .. .. .	2 वर्षीय
24	स्टेनोग्राफी एण्ड सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस .. .. .	2 वर्षीय
25	पल्प एण्ड पेपर टेक्नालोजी .. .. .	2 वर्षीय
26	फुटब्रियर टेक्नालोजी एण्ड गुड्स मैन्युफैक्चर .. .. .	2 वर्षीय
27	कामाशियल प्रैक्टिस .. .. .	2 वर्षीय
28	कस्ट्यूम डिजाइन एण्ड ड्रेस मेकिंग .. .. .	2 वर्षीय
29	मैटीरियल मैनेजमेंट .. .. .	2 वर्षीय

क्रमांक	पाठ्य-क्रम	अवधि
30	सेल्समैनशिप	2 वर्षीय
31	फार्मॅसी	2 वर्षीय
32	होमसाइंस	2 वर्षीय
<b>पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम</b>		
33	इण्डस्ट्रियल इलेक्ट्रॉनिक्स पोस्ट डिप्लोमा	1 वर्षीय
34	बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन	2 वर्षीय
<b>अंशकालीन पाठ्यक्रम</b>		
35	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	4 वर्षीय
36	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	4 वर्षीय
37	इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग	4 वर्षीय
38	प्रिंटिंग टेक्नालोजी (लेटर प्रेस)	4 वर्षीय
39	प्रिंटिंग टेक्नालोजी (लीथोग्राफी)	4 वर्षीय
40	टेक्सटाइल टेक्नालोजी	4 वर्षीय
41	टेक्सटाइल कैमिस्ट्री	4 वर्षीय

## संलग्नक-‘ग’

परिषद् के अधीन चल रहे सर्टीफिकेट स्तर के सभी पाठ्यक्रमों की सूची (1976-77)

क्रमांक	पाठ्यक्रम	अवधि
<b>सर्टीफिकेट कार्यक्रम</b>		
1	पल्प एण्ड पेपर टेक्नालोजी	3 वर्ष
2	टर्नर	3 वर्ष
3	फिटर	3 वर्ष
4	वेल्डर	3 वर्ष
5	इलेक्ट्रिशियन	3 वर्ष
6	मशीनिस्ट (कम्पोजिट)	3 वर्ष
7	मोल्डर	3 वर्ष
8	ड्राफ्ट्समैन (मैकेनिकल)	3 वर्ष
9	प्लम्बर	3 वर्ष
10	मोटर मैकेनिक	3 वर्ष
11	पम्प मैकेनिक	3 वर्ष
12	रेफ्रीजरेशन मैकेनिक	3 वर्ष



## संलग्नक--'घ'

परिषद् के अधीन चल रहे डिप्लोमा तथा सर्टीफिकेट स्तर के पाठ्यक्रमों का गत तीन वर्षों का उत्तीर्ण छात्रों का विवरण ।

क्रमांक	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या		
			1976	1975	1974
1	2	3	4	5	6
<b>डिप्लोमा पाठ्यक्रम</b>					
1	कॉमिकल अपरेटर .. .. .	4 वर्ष	13	8	9
2	सिविल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्ष	1658	977	874
3	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्ष	1043	624	801
4	मैकेनिकल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्ष	952	429	587
5	टैक्सटाइल टेक्नालोजी .. .. .	3 वर्ष	17	13	17
6	टैक्सटाइल कॉमिस्ट्री .. .. .	3 वर्ष	3	4	6
7	प्रिंटिंग टेक्नालोजी (लीथोग्राफी) .. .. .	3 वर्ष	29	27	27
8	प्रिंटिंग टेक्नालोजी (लेटर प्रेस) .. .. .	3 वर्ष	16	12	27
9	ऑटोमोबाइल असिस्टेन्टशिप .. .. .	3 वर्ष	2	1	11
10	ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्ष	80	70	93
11	सिविल एण्ड रूरल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्ष	41	12	25
12	सिरेमिक्स इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्ष	..	..	..
13	कांसट्रक्शन टेक्नालोजी .. .. .	3 वर्ष	18	..	..
14	इंस्ट्रुमेंटेशन एण्ड कंट्रोल .. .. .	3 वर्ष	5	..	..
15	कृषि अभियन्तृण .. .. .	3 वर्ष	20	..	..
16	प्रोडक्शन इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्ष	7	..	..
17	टूल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्ष	..	..	..
18	पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्ष	..	..	..
19	प्लास्टिक टेक्नालोजी .. .. .	3 वर्ष	..	..	..
20	रेफीजेशन एण्ड एयर कण्डीशनिंग .. .. .	3 वर्ष	..	..	..
21	ट्यूबवेल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्ष	..	..	..
22	इलेक्ट्रानिक्स इंजी० .. .. .	3 वर्ष	193	143	145
23	लेदर टेक्नालोजी (टैनिंग) .. .. .	2 वर्ष	16	18	13
24	स्टेनोग्राफी एण्ड सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस .. .. .	2 वर्ष	31	18	11
25	पल्प एण्ड पेपर टेक्नालोजी .. .. .	2 वर्ष	41	53	55
26	फुटवियर टेक्नालोजी एण्ड गुड्स मैनुफैक्चर .. .. .	2 वर्ष	25	21	11
27	कामर्शियल प्रैक्टिस .. .. .	2 वर्ष	18	10	9
28	कस्ट्यूम डिजाइन एण्ड ड्रेस मॉकिंग .. .. .	2 वर्ष	20	19	26
29	मैटीरियल मैनेजमेंट .. .. .	2 वर्ष	..	..	..
30	सेल्समैनशिप .. .. .	2 वर्ष	..	..	..
31	फार्मैसी .. .. .	2 वर्ष	..	..	..
32	होमसाइंस .. .. .	2 वर्ष	..	..	..